USERC

उत्तरांखड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून

सूचना प्रौद्योगिकी, सुराज एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड शासन

वार्षिक प्रतिवेदन

(वर्ष 2024–25)

Prof. (Dr.) Anita Rawat
Director
Uttarakhand Science Education & Research Center (USERC)

USERC Team

Dr. Om Prakash Nautiyal, Sr. Scientist

Dr. Manju Sundriyal, Scientist

Dr. Bhavtosh Sharma, Scientist

Dr. Rajendra Singh Rana, Scientist

Er. Rajdeep Jung, ICT Section

Smt. Shivani Pokhriyal, ICT

ANNUAL REPORT
(2024-25)

Uttarakhand Science Education & Research Center (USERC)

Dept. of Information Technology, Good Governance & Science Technology , Govt. of Uttarakhand

अनुक्रमणिका

1. परिचय – 09

2. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान मुख्य प्रगति एवं उपलब्धियां

A) Thrust Areas

i. Technology Enabled Science Education – 10
ii. Strengthening of Labs – 12
ii. Research & Development – 20
iv. Environment & Conservation – 24
v. Societal Outreach – 30

3. यूसर्क की नई पहल

i. USERC-Entreneurship Development Centres – 44
ii. Digital Learning Platform – 68
iii. USERC Conclaves – 72
iv. Student Driven Research Fund

4. प्राथमिकताएं एवं लक्ष्य (2024-2025) – 91

5. पब्लिकेशन – 93

6. लेखा परीक्षा रिपोर्ट – 95

7. समाचार पत्रों से – 97

USERC Thrust Area
Research & Development
Strengthening of Labs
Technology Enabled Education
Environment & Conservation
Societal Outreach Program

BANG
0,96 Å
O
104°27′
H
H
1,515 Å
N
S

प्रस्तावना

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा प्रदेश में विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान के सुदृढ़ीकरण एवं प्रसार के लिए विभिन्न अनुप्रयोगों के माध्यम से नई ऊँचाईयों को प्राप्त करने के लिये किये गये प्रयत्नों को प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है। विभाग में निदेशक के रूप में मेरी पंचम प्रगति आख्या है। विगत वर्ष के कार्यकाल में मैंने अपने सभी सहयोगियों एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग के उच्च अधिकारियों/समस्त स्टाफ के साथ कार्य करने में सुखद अनुभव किया है।

यूसर्क द्वारा विगत एक वर्ष में उत्तराखण्ड के छात्रों विशेषकर सुदूर ग्रामीण विद्यालयों/महाविद्यालयों तक वैज्ञानिक गतिविधियों, वैज्ञानिक नवाचार विचारों तथा बेसिक साइंस के सुदृढ़ीकरण के साथ ही पर्यावरणीय चेतना विकसित करने हेतु सतत् प्रयास प्रगति पर है। यूसर्क द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में 13 जनपदों में चयनित विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर 82 STEM (Science, Technology, Engineering, Mathematics) Labs को स्थापित कर छात्रों में प्रयोगात्मक ज्ञान, विज्ञान शिक्षा में सृजनात्मकता, नवाचार एवं वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

वैज्ञानिक गतिविधियों को विस्तार देते हुए एवं NEP (2020) को आत्मसात करते हुए विगत वर्ष अभिनव पहल के अन्तर्गत Experiential Learning एवं उद्यमिता विकास केन्द्रों का स्थापना की गई है। उत्तराखण्ड राज्य में केन्द्रपोषित शोध संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के सहयोगात्मक सहयोग से उच्च शिक्षा के छात्रों हेतु विभिन्न विषयों/प्रौद्योगिकी आधारित सात दिवसीय आवासीय Hands-on training प्रशिक्षणों को सफलतापूर्वक संचालित करते हुये Research based learning का निरन्तर विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में विभिन्न संस्थानों के साथ MoU के अन्तर्गत शोध भावनाओं का विकास एवं विद्यार्थियों व शिक्षकों को विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर शोध किये जाने हेतु अवसर प्रदान किया जा रहा है। IISER मोहाली एवं USERC के मध्य हुए MoU के अन्तर्गत संयुक्त रूप से विज्ञान एवं शोध सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम निरन्तर आयोजित करने एवं विशिष्ट वैज्ञानिक संसाधनों का प्रदेश के विकास में योगदान किये जाने हेतु अभिनव पहल की गई है। विज्ञान को संस्कृति एवं समाज से जोडते हुए एवं परम्परागत ज्ञान को समाहित करते हुए 12 उद्यमिता विकास केन्द्र स्थापित किये गये हैं जिससे छात्रों में नवाचार का संचार एवं प्रासंगिक क्षेत्रों में रोजगार हेतु उचित अवसर प्रदान किया जा सके। यूसर्क में तकनीकी ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से स्थापित Digital learning Platform के अन्तर्गत छात्रों हेतु ICT Orientation Programme एवं Online व्याख्यानों का प्रतिमाह संचालन किया जा रहा है।

राज्य में प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा को सुदूर ग्रामीण विद्यालयों के छात्रों तक सुलभ करवाये जाने हेतु यूसर्क द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों हेतु विज्ञान एवं अंग्रेजी पाठ्यक्रम के ई–कन्टैंट को द्विभाषीय माध्यम से ऑफलाइन एवं ऑनलाइन तरीकों से निःशुल्क उपलब्ध करवाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि विद्यालयी शिक्षा में गुणवत्ता, उत्कृष्टता एवं प्रासांगिकता को स्थापित कर सकें। ई–कन्टैंट से जहाँ एक ओर चिंतन कौशल में वृद्धि होगी वहीं दूसरी ओर छात्रों की रचनात्मकता को गति मिलेगी। यूसर्क द्वारा प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रयोग से उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान शिक्षा को सुदृढ़ करते हुए छात्रों में वैज्ञानिक अभिरूचि विकसित किये जाने हेतु अभिनव पहल की जा रही है। इसी क्रम में **Student Driven Research Fund** के तहत छात्रों में उद्यमशीलता एवं स्टार्टअप क्षमता विकसित किए जाने एवं साक्ष्य आधारित नवाचार, रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए यूसर्क द्वारा छात्रों को निरंतर प्रोत्साहित एवं उनका मार्गदर्शन किया जा रहा है।

अध्यापक, समाज की धुरी के रूप में छात्रों के समग्र विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते है और प्रेरक की भूमिका निभाते है। इसी विचार को अंगीकार करते हुए यूसर्क द्वारा माध्यमिक स्तर के अध्यापकों को उनके द्वारा किये गये नवाचार, विज्ञान शिक्षा संचारण, शिक्षा की नई विधियों के प्रयोग, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रत्येक जनपद के 09 अध्यापकों को ''**चतुर्थ विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान 2024''** से सम्मानित किया गया।

विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के मूलभूत सिद्धांतों को पोषित करने, अकादमिक उत्कृष्टता एवं नवीन अनुसंधान, नवाचार एवं परम्परागत ज्ञान के समावेश से प्रेरित समाज के विकास में किये गये उल्लेखनीय कार्यों हेतु 13 महिलाओं को **''चतुर्थ युवा महिला वैज्ञानिक एक्सीलेंस अवार्ड''** एवं ''चतुर्थ युवा महिला वैज्ञानिक अचीवमेंट अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। परम्परागत ज्ञान में विज्ञान के समावेश से समाज में अनुकरणीय कार्य करने वाली 09 महिलाओं को तृतीय **'विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान'** से सम्मानित किया गया।

प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री जो स्वयं में अनन्य प्रेरणा के सुदृढ़ स्तम्भ तथा मार्गदर्शक हैं, ने कठिनतम परिस्थितियों में सदैव हमारे लिए सुगम मार्ग का प्रशस्तीकरण किया है।

मैं उपर्युक्त सभी अनुभवों तथा अन्य शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार ज्ञापित करती हूँ जिनकी प्रेरणाओं एवं शुभकामनाओं से विभाग का प्रगति पथ प्रशस्त हुआ और भविष्य में भी विभाग विज्ञान प्रसार के पथ पर निरन्तर अग्रसर होगा।

प्रो० (डॉ.) अनिता रावत
निदेशक, यूसर्क

USERC (Flagship programmes)

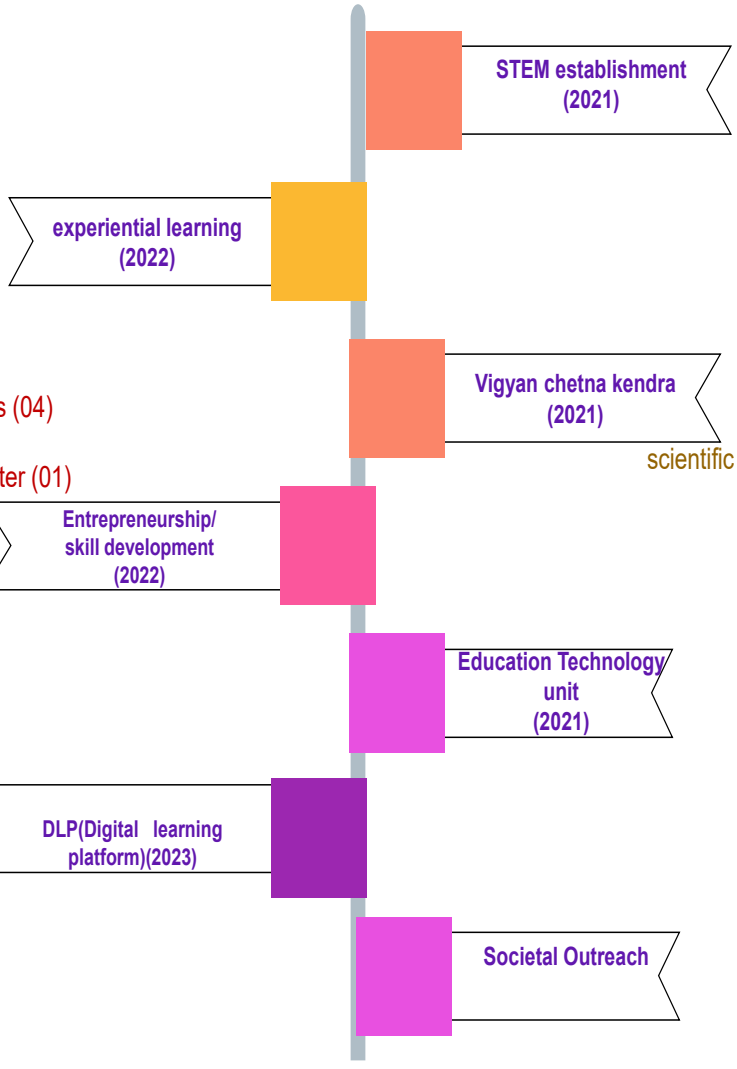

Hands-on Training (62)
Number of Girls (1506)
Number of Boys (911)
Total : 2417

2021 -22 (13)
2022 -23 (28)
2023 -24 (13)
2024 -25 (28)
Total : 82

Spawn Production (02)
Plant Tissue Culture Centers (02)
Vermi Compost Production Centers (04)
Apiculture Center (01)
Herbal Product Manufacturing Center (01)
Total unit : 10
Beneficiaries : 362

Vigyan chetna kendras for scientific and environmental activities (200)

Trainings and Exposure Visits of Teachers /Faculty
IISER (Mohali)
CSIR- IMTECH
IIP
CIPET
Delhi University

Interface for Knowledge sharing Science & Technology Lectures (10)
ICT Orientation Trainings (05)
Career Counselling (IISER, CIPET)
Effective Research Proposal Strategies Lecture Series : 01

Conclaves

परिचय

उत्तराखण्ड राज्य को विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी बनाये रखने तथा राज्य में आधुनिक एवं वैज्ञानिक शिक्षण की व्यवस्था को लागू करने, प्रदेश केन्द्रित शोध एवं विकास को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय के साथ विकसित करने तथा शोध कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किये जाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हेतु उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या 1963/XXXVII(1)/ वि0प्रौ0183-/05 देहरादून दिनांक 04 अक्टूबर 2005 द्वारा स्वीकृति प्राप्त हुई। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र यूसर्क को एक सोसाइटी के रूप में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम सं0 21, 1860 ई0 के अधीन (पत्रावली सं0– 039793 HA) दिनांक 02.02.06 को पंजीकृत किया गया, जिसने 2008 से विधिवत कार्य करना प्रारम्भ किया।

उद्देश्य

उत्तराखण्ड के विश्वविद्यालयों एवं विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों के वैज्ञानिकों द्वारा उच्चस्तरीय अनुसंधान के क्षेत्र में समन्वय स्थापित कर सहयोग प्रदान करना। राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर विचारों के आदान–प्रदान हेतु मंच तैयार करना जिसके फलस्वरूप प्रमुख एवं आधुनिकतम वैज्ञानिक विषयों पर चर्चा हो सके तथा जिसका व्यापक प्रभाव उत्तराखण्ड के विकास में निहित हो। वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों पर भाषण, संगोष्ठी, सम्मेलन, परिसंवाद तथा कार्यशाला का समय–समय पर आयोजन करना। विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में कार्यरत स्वदेशी अथवा विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा उत्तराखण्ड के विश्वविद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों/शोद्यार्थियों हेतु ग्रीष्मकालीन तथा शीतकालिन स्कूलों का आयोजन करना। मेधावी छात्रों को विज्ञान के अग्रण ी क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजना हेतु सुविधा तथा सहयोग प्रदान करना। अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में कार्यरत शोधार्थियों को विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करना। विज्ञान के अग्रणी तथा भविष्यगामी क्षेत्रों के बारे में पत्रिकाओं, मानोग्राफस तथा वैज्ञानिक पत्रों में प्रकाशन करना तथा विशेषकर उन विषयों का उल्लेख करना जिसका सम्बंध उत्तराखण्ड के सामाजिक कल्याण तथा पर्यावरणीय सुरक्षा से हो। प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रयोग से उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान शिक्षा को सृदृढ़ बनाना।

विजन (Vision)

- उत्तराखण्ड में वैज्ञानिक अभिरूचि के विकास हेतु विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान, शिक्षण, प्रशिक्षण एवं विचारो के आदान प्रदान के लिए अत्याधुनिक केन्द्र के रूप में विकसित करना।
- विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के मूलभूत सिद्धान्तों का पोषण करना।
- यूसर्क का लक्ष्य विज्ञान शिक्षा, अकादमिक उत्कृष्टता तथा नवीन अनुसंधान को प्रेरित करने एवं सहयोग हेतु प्रमुख केन्द्र के रूप में उभरना है।

मिशन (Mission)

- नवीन शिक्षण तथा अनुसंधान के माध्यम से अनुसंधान की भावना को विकसित करना।
- प्रदेश के समग्र एवं सतत विकास हेतु वैज्ञानिक भावना का विकास करना।
- जिज्ञासा से प्रेरित छात्रों एवं युवाओं को अत्याधुनिक तथा बेसिक साइंस में शोध की ओर प्रेरित करना।
- राज्य केन्द्रित वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिक शोधों का विकास एवं प्रसार करना।
- सहयोगात्मक शोधों को बढ़ावा देना।
- छात्रों के नवाचारी विचारों को उचित मंच प्रदान करना।

Technology Enabled Science Education
(प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा)

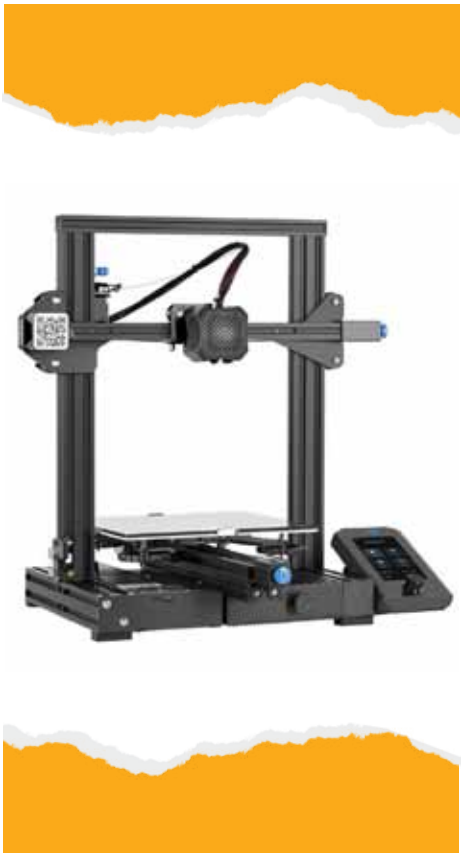

ज्ञानकोष पोर्टल

यूसर्क द्वारा विभिन्न विषयों पर ई–सामग्री संकलित कर 'उत्तराखंड ज्ञानकोष पोर्टल' बनाया गया है जिसके द्वारा छात्रों को कैरियर, व्यक्तित्व विकास और विभिन्न कक्षाओं के पाठयक्रमों पर जानकारियां दी जा रही हैं। यूसर्क वेबसाईट पर यह रीडिंग फाईल व वीडियो के रूप में उपलब्ध हैं। पोर्टल में शिक्षा व कैरियर से संबधी कई लिंकों के साथ विज्ञान शिक्षा एवं राज्य से सम्बंधित विभिन्न शोध के विषयों की जानकारियां भी मौजूद हैं। इसमें विद्यार्थी अपनी कक्षा के अनुसार ई–सामग्री का चयन कर सकता है। साथ ही इसमें विभिन्न प्रकार Education, Career से संबंधी Links विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध कराये गये है यह पोर्टल एक प्रयास है तथा दूरदराज में रहने वालों विद्यार्थियों के बीच यह पोर्टल डिजिटल तकनीकी की जानकारी प्रदान करने का उचित माध्यम सिद्ध होगा।

E-Content Development

आज के इस तकनीकी युग में शिक्षा पद्वति में सम्यक् बदलाव की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ICT के समावेश में शिक्षा के सभी स्तरों तक, विद्यासार के सहयोग से एवं विशेषज्ञों के माध्यम से द्विभाषीय विकसित हिन्दी एवं अंग्रेजी में E-content सुदूर छात्रों एवं शिक्षकों तक उपलब्ध करवाया जा रहा है। जो कि एक मूल्यवान संसाधन के रूप में छात्रों के चिंतन कौशल एवं रचनात्मकता में वृद्धि करने में सहायक होगा।

- यूसर्क के उत्तराखण्ड नॉलेज बैंक पोर्टल के माध्यम से द्विभाषीय ई–कन्टैंट को तीन जनपदों (हरिद्वार, देहरादून, चमोली) में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्र–छात्राओं को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी विषयों में 5200 से अधिक व्याख्यानों को उपलब्ध कराया गया है।
- यूसर्क के यू–ट्यूब चैनल में अद्यतन 350 से अधिक व्याख्यान अपलोड किये जा चुके है।

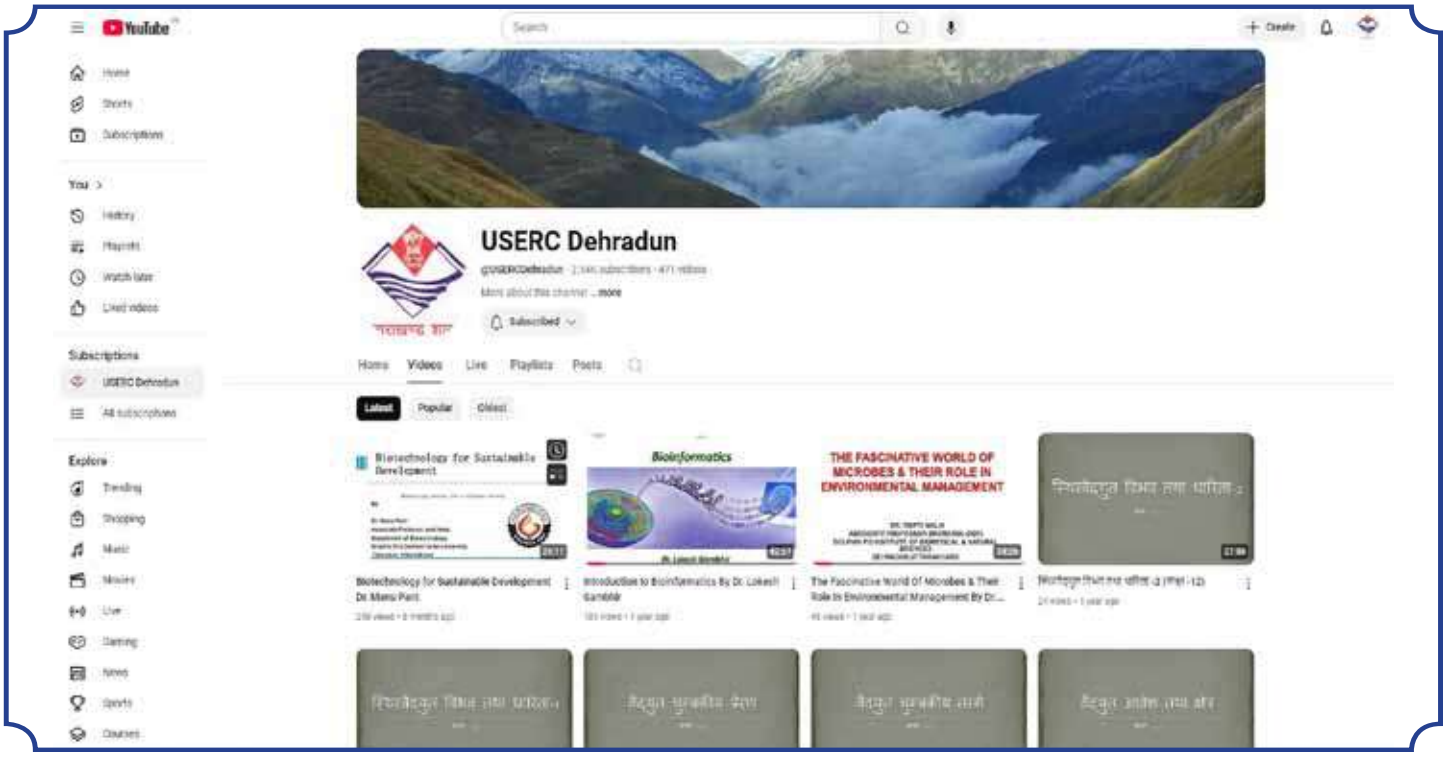

Strengthening of Labs

यूसर्क द्वारा प्रदेश के 13 जनपदों के दूरस्थ राजकीय इंटर कॉलेजों में 82 प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। यह प्रयोगशालायें छात्रों को प्रयोगिक ज्ञान के साथ ही विज्ञान के विभिन्न सिद्वान्तों को समझने में जहाँ एक ओर सहायक होगी वहीं दूसरी ओर छात्रों में सृजनशीलता एवं नवाचार की भावना को विकसित करते हुए छात्रों की भागीदारी प्रदेश के सतत् एवं समग्र विकास में सुनिश्चित करेगी।

Ø010	fo|ky; dk uke
1	राजकीय इण्टर कॉलेज, नैणी
2	राजकीय इण्टर कॉलेज, गड़ोरा
3	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, देवाल
4	सरस्वती विद्या मंदिर इ0का0, गैरसैंण
5	राजकीय इण्टर कॉलेज, उज्जवलपुर
6	राजकीय इण्टर कॉलेज, लोल्ती, थराली
7	राजकीय इण्टर कॉलेज, बड़कोट
8	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, भटवाड़ी
9	राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज हुड़ोली, ब्लॉक–पुरोला
10	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज गेंवला ब्रहमखाल ब्लॉक– डूँड़ा
11	सरस्वती विद्या मंदिर राजकीय इण्टर कॉलेज, ज्योतिपुरम
12	राजकीय इण्टर कॉलेज, सांकरी
13	अटल उत्कृष्ट रा0इ0का0, नैटवार
14	सरस्वती देव सिंह राजकीय इण्टर कॉलेज, पिथौरागढ़
15	राजकीय इण्टर कॉलेज, मुनस्यारी
16	राजकीय इण्टर कॉलेज राईआगर, ब्लॉक–बेरीनाग
17	विवेकानन्द विद्या मंदिर, इण्टर कॉलेज
18	राजकीय इण्टर कॉलेज, गंगोलीहाट
19	अटल उत्कृष्ट रा0इ0का0, थारकोट, बालाकोट
20	राजकीय उत्कृष्ट शहीद राहुल रैंसवाल इण्टर कॉलेज
21	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, पाटी
22	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज बाराकोट
23	अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, लोहाघाट
24	सरस्वती विद्या मंदिर, बनबसा चम्पावत
25	राजकीय इण्टर कॉलेज, टनकपुर
26	राजकीय इण्टर कॉलेज स्यालीधार, अल्मोड़ा
27	पं0 हरगोविन्द पंत स्मारक राजकीय इण्टर कॉलेज, देवायल सल्ट
28	सरस्वती विद्या मंदिर, ताड़ीखेत
29	राजकीय इण्टर कॉलेज बगवाली पोखर, ब्लॉक–द्वाराहाट
30	विवेकानन्द विद्या मंदिर, इण्टर कॉलेज रानीधारा अल्मोड़ा
31	इण्टर कॉलेज, धौलाघाट, अल्मोड़ा
32	राजकीय इण्टर कॉलेज कौसानी
33	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, भटखोला
34	विकटर मोहन जोशी रा0इं0का0 बागेश्वर
35	विवेकानन्द विद्या मंदिर, इण्टर कॉलेज गरूड़
36	विवेकानंद विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, मंडालेसेरा
37	राजकीय इण्टर कॉलेज, कॉफलीगेर
38	jktdh; b.Vj dkWyst] pkSfj;k
39	राजकीय इण्टर कॉलेज, मक्कू ऊखीमठ
40	राजकीय इण्टर कॉलेज रामाश्रम, ब्लॉक–जखोली
41	सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, ऊखीमठ
42	राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, ज्वालापुर
43	राजकीय इण्टर कॉलेज, सिकन्दरपुर भैंसवाल भगवानपुर
44	डायट, रूड़की
45	अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज सईया

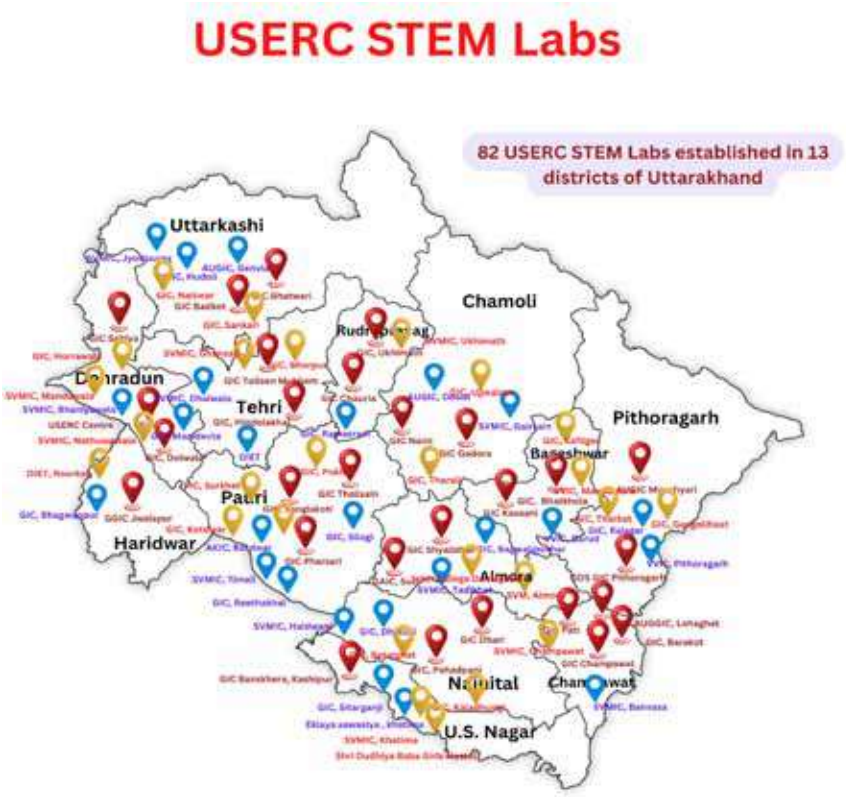

46	राजकीय इण्टर कॉलेज खदरी खड़कमाफ डोईवाला
47	राजकीय इण्टर कॉलेज मालदेवता
48	सरस्वती विद्या मंदिर, भानियावाला
49	सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, नथुवावाला
50	सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, मांडूवाला
51	पी0एम0 श्री राजकीय इण्टर कॉलेज, होरावाला
52	लर्निंग ट्री स्कूल, धर्मपुर
53	उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क)
54	उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क)
55	राजकीय इण्टर कॉलेज, तौलीसैंण मुखेम प्रतापनगर
56	राजकीय इण्टर कॉलेज हिण्डोलाखाल देवप्रयाग
57	डायट, टिहरी
58	सरस्वती विद्या मंदिर, ढालवाला
59	अटल उत्कृष्ट रा0इ0का0, चमराढ़ादेवी, भरपुर
60	सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, घनसाली
61	राजकीय इण्टर कॉलेज, पहाड़पानी धारी, नैनीताल
62	राजकीय इण्टर कॉलेज कसियालेख, धारी
63	राजकीय इण्टर कॉलेज ढिकुली, ब्लॉक–रामनगर
64	सरस्वती विद्या मंदिर इ0का0, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी

65	राजकीय इण्टर कॉलेज, बेतालघाट
66	रा0बा0इ0का0, कालाडुंगी
67	राजकीय मॉडल इण्टर कॉलेज बांसखेड़ा, काशीपुर
68	राजकीय इण्टर कॉलेज सितारगंज
69	आवासीय विद्यालय, खटीमा
70	सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, खटीमा
71	श्री दुधिया बाबा कन्या छात्रावास विद्यालय
72	राजकीय इण्टर कॉलेज, फरसारी, पौड़ी गढ़वाल
73	राजकीय इण्टर कॉलेज, थलीसैंण
74	जनता इण्टर कॉलेज, कमलपुर, संगलाकोटी
75	राजकीय इण्टर कॉलेज सिलोगी
76	सरस्वती शिशु मंदिर तिमली
77	आर्या कन्या इण्टर कॉलेज, कोटद्वार
78	भरत सिंह रा0इ0का0, रीठाखाल
79	मेहरबान सिंह भंडारी सरस्वती विद्या मंदिर इ0का0, कोटद्वार
80	इण्टर कॉलेज, कुटियाखाल, पोखरा
81	पब्लिक इण्टर कॉलेज, सरखेत एकेश्वर
82	राजकीय इण्टर कॉलेज, दमदेवल, पोखड़ा

STEM LAB स्थापना
राजकीय इंटर कॉलेज बड़कोट, उत्तरकाशी (17–18 मई 2024)
विज्ञान सत्र

यूसर्क द्वारा **राजकीय इंटर कॉलेज बड़कोट (उत्तरकाशी)** में स्थापित स्टेम प्रयोगशाला पर छात्र छात्राओं के साथ विज्ञान सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क **निदेशक प्रो० (डा0) अनीता रावत** ने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिरुचि को बढ़ाने, नवाचार एवं कौशल विकास हेतु यूसर्क की अभिनव पहल के द्वारा उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जनपदों के "यूसर्क स्टेम प्रयोगशालाओं" की स्थापना की गयी है। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासाओं के द्विस्तरीय समाधान, वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम, विभिन्न शोध संस्थानों में एक्सपोजर विजिट एवं विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करने हेतु IMTECH चंडीगढ़, IISER मोहाली, CIPET जैसे संस्थानों में प्रवेश, अच्छे करियर हेतु लगातर प्रयास किया जा रहा है। प्रो० रावत ने कहा कि राजकीय इंटर कॉलेज बड़कोट में यूसर्क स्टेम प्रयोगशाला द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लाभ मिल रहा है, साथ ही साथ आस पास के अन्य विद्यालयों के विद्यार्थी भी यहां भ्रमण करने आते है। यही नहीं चूंकि सभी यूसर्क स्टेम प्रयोगशालाओं का सुदृढ़ीकरण भी किया जा रहा है। कार्यक्रम में यूसर्क स्टेम प्रयोगशाला प्रभारी एवं विद्यालय के शिक्षक डॉ मनमोहन रावत ने कहा कि यूसर्क स्टेम प्रयोगशाला द्वारा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना में वृद्धि हुई है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम को बहुत उपयोगी बताया है। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षको सहित 75 से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया है।

राजकीय इण्टर कॉलेज, थैलीसैंण पौड़ी गढ़वाल (05 अगस्त 2024)
वैज्ञानिक उपकरणों प्रायोगिक प्रदर्शन

यूसर्क द्वारा रा0इ0का0, थैलीसैंण में स्थापित यूसर्क STEM Lab में छात्र–छात्राओं को STEM Lab के उपकरणों से प्रयोगिक प्रदर्शन कराया गया। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल द्वारा विद्यालय के छात्र–छात्राओं को उक्त STEM Lab के उपकरणों से अवगत कराते हुये उन्हें स्वय Hands-on कर प्रयोगिक कौशल को सीखा। प्रदेश के मा0 शिक्षा मंत्री डा0 धन सिंह रावत जी द्वारा भी STEM Lab का निरीक्षण कर छात्रों का मार्गदर्शन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रकाश जी ने STEM Lab को छात्रों के लिए एक वरदान मानते हुए यूसर्क के कार्यों की सराहना की।

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज होरावाला (दिनांक 27 नवम्बर 2024)
STEM LAB INAUGURATION

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा **पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज होरावाला** में स्थापित यूसर्क स्टेम लैब का उद्घाटन उत्तराखंड राज्य के शिक्षा मंत्री माननीय डॉ धन सिंह रावत जी द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप माननीय डॉ धन सिंह रावत जी ने कहा कि यूसर्क द्वारा स्थापित स्टेम लैब प्रदेश के छात्र छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी तथा उनको विज्ञान विषयों को सीखने में सहायक होगी। यूसर्क की **निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत** ने कहा कि यूसर्क का प्रयास है कि प्रदेश के छात्र छात्राओं में विज्ञान चेतना का जागरण हो तथा वे प्रयोगात्मक रूप से विज्ञान के सिद्धांतों को सीखें। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश में 82 स्टेम लैब स्थापित की गयी हैं जिससे हमारे प्रदेश के छात्र छात्राएं सीधे सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। इस अवसर पर यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश नौटियाल ने कहा कि यूसर्क विज्ञान शिक्षा व अनुसंधान के लिए लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक एवं 400 से अधिक छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मांडूवाला (दिनांक 27 नवम्बर 2024)
STEM LAB INAUGURATION

यूसर्क, देहरादून द्वारा **सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मांडूवाला** में स्थापित स्टेम लैब का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर (डॉ) जगमोहन सिंह राणा जी द्व ारा किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा स्थापित स्टेम लैब निश्चित रूप से विद्यार्थियों के लिए के लिए बहुत उपयोगी होगी तथा उनको विज्ञान विषयों को सीखने व समझने में सहायक होगी। यूसर्क की **निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत** ने कहा कि यूसर्क का प्रयास है कि प्रदेश के छात्र छात्राओं में विज्ञान चेतना का जागरण हो तथा वे प्रयोगात्मक रूप से विज्ञान के सिद्धांतों को सीखें। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश में **82** स्टेम लैब, **200** विज्ञान चेतना केंद्र स्थापित किए गये हैं जिससे हमारे प्रदेश के छात्र छात्राएं सीधे सीधे लाभान्वित हो रहे हैं तथा विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों से जुड़कर उनमें नवाचार विकसित हो रहा है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राकेश मैडोला जी ने यूसर्क का आभार व्यक्त किया तथा सभी विद्यार्थियों से इस लैब के द्वारा अधिक से अधिक सीखने का आव्हान किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एवं **350** से अधिक छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

STEM Orientation Programme

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा दिनांक 26 एवं 27 दिसम्बर 2024 को पौड़ी गढ़वाल के विभिन्न इंटर कॉलेजों यथा– जनपद ऊधमसिंहनगर में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, खटीमा एवं श्री राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, खटीमा तथा पौड़ी गढ़वाल में भरत सिंह राजकीय इंटर कॉलेज, रीठाखाल, पब्लिक इंटर कॉलेज, सुरखेत, एकेश्वर; राजकीय इंटर कॉलेज, दमदेवल, पोखड़ा; इंटर कॉलेज, कुटियाखाल, पोखड़ा में यूसर्क के वैज्ञानिको के द्वारा स्टेम ऑरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत द्वारा वर्चुअली अपने संदेश में कहा कि छात्रों में चिंतन कौशल, सृजनशीलता एवं नवाचार की भावना जागृत करने के उददे्श्य से यूसर्क द्वारा वर्तमान में प्रदेश के 13 जनपदों के दूरस्थ राजकीय इंटर कॉलेजों में अद्यतन 82 स्टेम प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है, जिसमें प्रत्येक स्टेम लैब में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग तथा गणित विषय से सम्बन्धित विभिन्न उपकरणों एवं मॉडलों के द्वारा विधार्थी प्रायोगिक ज्ञान की तरफ अग्रसर होंगें यह प्रयोगशालायें छात्रों को प्रयोगिक ज्ञान के साथ ही विज्ञान के विभिन्न सिद्वान्तों को समझने में जहाँ एक ओर सहायक हैं वहीं दूसरी ओर छात्रों में चिंतन कौशल, सृजनशीलता एवं नवाचार की भावना को विकसित करते हुए छात्रों की भागीदारी प्रदेश के सतत् एवं समग्र विकास में सुनिश्चित कर रही है। कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, खटीमा ऊधमसिंहनगर

श्री राम कुमारी अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, खटीमा, ऊधमसिंहनगर

भरत सिंह राजकीय इंटर कॉलेज, रीठाखाल, पौड़ी गढ़वाल

पब्लिक इंटर कॉलेज, सुरखेत, एकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल

राजकीय इंटर कॉलेज, दमदेवल, पोखड़ा, पौड़ी गढ़वाल

इंटर कॉलेज, कुटियाखाल, पोखडा़, पौड़ी गढव़ाल

अ0उ0रा0इ0का0 चमराड़ा देवी भारपुर, टिहरी गढ़वाल

मेहरबान सिंह कन्डारी सरस्वती विद्या मंदिर कोटद्वार, पौडी गढ़वाल

विज्ञान चेतना यात्रा

यूसर्क द्वारा 29 जनवरी 2025 से 'ओहो रेडियो के साथ यूसर्क **विज्ञान चेतना यात्रा** प्रारंभ की गई। प्रथम चरण में यह यात्रा कोटद्वार, रुद्रपुर, खटीमा, रामनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ होते हुए कुमायूं मंडल के समस्त जनपदों को आच्छादित कर गढ़वाल मंडल के समस्त जनपदों की और अग्रेषित हो रही है। इस यूसर्क विज्ञान चेतना यात्रा के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं के साथ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को केन्द्रित कर वैज्ञानिक संवाद किया जा रहा है।

Research & Development (शोध एवं विकास)

यूसर्क उत्तराखण्ड राज्य में विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान सम्बन्धी विविध क्रियाकलापों द्वारा छात्रों, अध्यापकों, वैज्ञानिक संस्थाओं एवं सामान्य जनमानस तक विज्ञान एवं अनुसंधान के लाभों को पहुंचाने हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित कर अग्रणी शोध को बढ़ावा देना व राज्य परक शोध के विषय की पहचान करने हेतु विभिन्न विज्ञान विषयों में शोधार्थियों/विद्यार्थियों द्वारा internship के माध्यम से शोध एवं Innovation के अवसर प्रदान कर रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के विभिन्न शोध संस्थानों, शिक्षण संस्थानों, तकनीकी संस्थानों, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं से प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सहायता से विकास हेतु विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के माध्यम से शोध एवं विकास (R&D) गतिविधियों पर सहयोगात्मक रूप से वैज्ञानिक प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाएं, शोध पत्रों, मोनोग्राफ, नेटर्वक एवं MoU के अन्तर्गत शोध भावनाओं का विकास कर रहा है, जिसके अन्तर्गत निम्न परियोजनायें संचालित की जा रही है।

यूसर्क द्वारा वर्ष 2024 में विभिन्न शोध संस्थानों एवं अकादमिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक रूप से संचालित शोध, अनुसंधान व विकास परियोजनायें:–

Unveiling the vital role of Uttarakhand based Fennel extracted Nanofluid in Antimicrobial Efficacy against Pathogenic microorganisms

शोध परियोजना के अंतर्गत रोगजनक माइक्रोऑर्गेनाइज्म से लड़ने के लिए Bio-inspired metal oxide, fennel based nano fluids Antimicrobial Efficacy का संश्लेषण कार्य किया जा रहा है, जिनका उपयोग फूड पैकेजिंग इंडस्ट्री फूड प्रिजर्वेटिव्स इंडस्ट्री एवं कॉस्मेटिक हेल्थ इंडस्ट्रीज में किया जाएगा।

Fabricating Next Generation Microbially Triggered Peach Gum Based Colon Targeted Drug Delivery Device for the Treatment of Diseases

शोध परियोजना के अंतर्गत विभिन्न बीमारियों से उपचार हेतु नई पीढ़ी Microbially Triggered Peach Gum Based Colon Targeted Drug Delivery Device को बनाने का कार्य किया जा रहा है। यह शोध अध्ययन कम कीमत पर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध Peach Plant के Gum को निम्न आय वर्ग के परिवारों को उपचार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा।

An observational study to determine key molecular determinants associated with a high risk of malignancy in indeterminate category of BSRTC -FNAC specimens of thyroid nodules

शोध परियोजना के अंतर्गत Thyroid nodules की BSRTC-FNAC specimens की Malignancy से संबंधित Key molecular determinants के अध्ययन का कार्य किया जा रहा है। उक्त शोध परियोजना के परिणाम मरीजों में थाइरॉएड नोडयूल्स के ऑपरेशन से पूर्व ही खतरे को पता लगाने में सहायक सिद्ध होंगे।

Innovative Encapsulation of Essential Oils: A Sustainable Approach to Alzheimer's disease Prevention and Management

शोध परियोजना के अंतर्गत चयनित Essential oils (Lavandula angustifolia, Ocimum tenuiflorrum, Cinnamomum tamala) के Encapsulation का कार्य किया जा रहा है, जो Alzheimer's disease की रोकथाम एवं प्रबंधन में एक सुरक्षित सस्ता और व्यापक रूप से Sustainable Approach के रूप में कार्य करेगा।

Development of Personalized 3D Printed Transdermal Patch of Iron Supplement for Anemia Using Innovative Technology

शोध परियोजना के अंतर्गत Innovative Technology का प्रयोग करके Anemia बीमारी के उपचार हेतु Personalized 3D Printed Transdermal Patch of Iron Supplement को विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इस शोध परियोजना के पूर्ण होने पर प्राप्त परिणामों को क्लिनिकल ट्रायल, रेगुलेटरी अप्रूवल के पश्चात सामाजिक जागरूकता के साथ प्रयोगात्मक रूप से उत्तराखण्ड राज्य में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं में उपयोगी होंगे।

Development of Device for Emergency Assistance to Vehicles in remote areas of Uttarakhand using IRNSS-NAVIC

शोध परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य के दूरस्थ स्थानों पर वाहनों की आकस्मिक सहायता हेतु IRNSS-NAVIC तकनीक आधारित डिवाइस को विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर शोध पत्रों पेटेंट का प्रकाशन तथा प्राप्त Recommendations को उत्तराखंड सरकार को भेजा जाएगा।

Assessment of the potential of pine needle ash as a partial replacement for cement

परियोजना के अंतर्गत सीमेंट के आंशिक विकल्प के रूप में Pine needle ash (PNA) को प्रयोग किए जाने को लेकर शोध परियोजना का संचालन किया जा रहा है। PNA का उपयोग उनकी Pozzolanic reactivity का पता लगाने के लिए किया जाएगा तथा सीमेंट के स्थान पर PNA का उपयोग कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में सहायक होगा। परियोजना के पूर्ण होने पर राज्य के स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

Effects of forest fire incidents on the community structure diversity and abundance of epiphytic diatoms across the altitudinal gradient between Kotdwar and Lansdowne region of the district Pauri Garhwal

शोध परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य में पौड़ी जिले के कोटद्वार एवं लैंसडाउन क्षेत्र के मध्य Epiphytic diatoms की संरचनात्मक विविधता एवं प्रचुरता पर जंगल की आग से होने वाले प्रभाव का पता लगाया जायेगा। शोध परियोजना पूर्ण होने पर प्राप्त परिणामों के आधार पर पौड़ी गढ़वाल जिले के कोटद्वार और लैंसडाउन क्षेत्र के मध्य Pre एवं Post Fire Incident होने पर वायु की गुणवत्ता का स्तर आंकलित किए जाने में सहायता प्राप्त होगी। इसकी अतिरिक्त इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्र में पाए जाने वाले aerophilic, epiphytic diatom diversity एवं अन्य epiphytic सिवतं की उपस्थिति का डॉक्यूमेंटेशन किया जा सकेगा।

Sustaining an effective Ecosystem through Innovative Practices to prevent Forest fire

शोध परियोजना के अंतर्गत विभिन्न Innovative Practices के द्वारा जंगल में लगने वाली आग की रोकथाम के लिए प्रभावी पारिस्थितिक तंत्र बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे कि Flora और Fauna की Endangered species का संरक्षण किया जा सकेगा। इस कार्य में विद्यालयों और Community के मध्य कोऑर्डिनेशन स्थापित किया जा रहा है।

Bioprospecting cold tolerant fungi, isolated from Uttarakhand soil, for the production of natural pigments

शोध परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड की Soil से Cold tolerant fungi की Bioprospecting, natural pigment nanoparticles की Biosynthesis का कार्य विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र हेतु किया जा रहा है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर औद्योगिक उपयोग के लिए आगे अन्य उत्पादों का विकास किया जा सकेगा।

Development of synergistic sustained release agrochemical delivery device by using underutilized Black Plum Seed resistant starch IV

शोध परियोजना के अंतर्गत Synergistic sustained release agrochemical delivery device के Development का कार्य किया जा रहा है। इस शोध परियोजना के पूर्ण होने पर कम प्रयोग में आने वाले बीजों के माध्यम से उपयोगी Green Material से तैयार डिवाइस को पहले प्रयोगशाला स्तर पर विकसित किया जाएगा इसके पश्चात पेटेंट प्राप्त कर विकसित की गई तकनीकी को बड़े स्तर पर उत्पादन करने के लिए संबंधित कंपनियों के साथ कार्य किया जाएगा।

Screening of selected native Himalayan plants extract on Dengue vector, Aedes species (Linnaeus, 1762)

शोध परियोजना के अंतर्गत Dengue vector, Aedes species (Linnaeus, 1762) पर प्रभावकारी environmental friendly selected Himalayan plants extract की Screening का कार्य किया जा रहा है। एसेंशियल ऑयल का रासायनिक विश्लेषण किया जाएगा तथा शोध परियोजना के पूर्ण होने पर मच्छरों पर नियंत्रण हेतु Environment Friendly तकनीकी का विकास किया जाएगा और इस विकसित की गई तकनीकी को बड़े स्तर पर पब्लिक हेल्थ सेक्टर में प्रयोग किया जा सकेगा।

Phytochemical analysis and insilico study of pesticidal action of essential oil from medicinal and aromatic plants of Uttarakhand

शोध परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य में पाए जाने वाले medicinal and aromatic plants से प्राप्त होने वाले essential oil की pesticidal action संबंधी Phytochemical analysis अध्ययन कार्य किया जा रहा है। शोध परियोजना के पूर्ण होने पर स्थानीय स्तर पर पाए जाने वाले संबंधित पौधों का विधिवत डॉक्यूमेंटेशन करने के साथ ही Sustainable Agriculture हेतु Biopesticide के रूप में संबंधित प्रजातियों को Identify किया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

Environment & Conservation

वर्तमान में 13 जिलों के 200 राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान चेतना केन्द्र स्थापित किये गये हैं, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों के समन्वय से पर्यावरण सरंक्षण सम्बन्धी एवं वैज्ञानिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विज्ञान चेतना केन्द्रों के माध्यम से यूसर्क का यह प्रयास है कि छात्रों हेतु विशेषज्ञों के माध्यम से विज्ञान सम्बन्धी विभिन्न जानकारियाँ उपलब्ध करवायी जायें एवं विभिन्न विज्ञान सम्बन्धी प्रतियोगितायें, कैरियर काउंसलिंग, परम्परागत ज्ञान के संरक्षण, Know Your Habitat इत्यादि विषयों पर आधारित गतिविधियां संचालित की जा रही है।

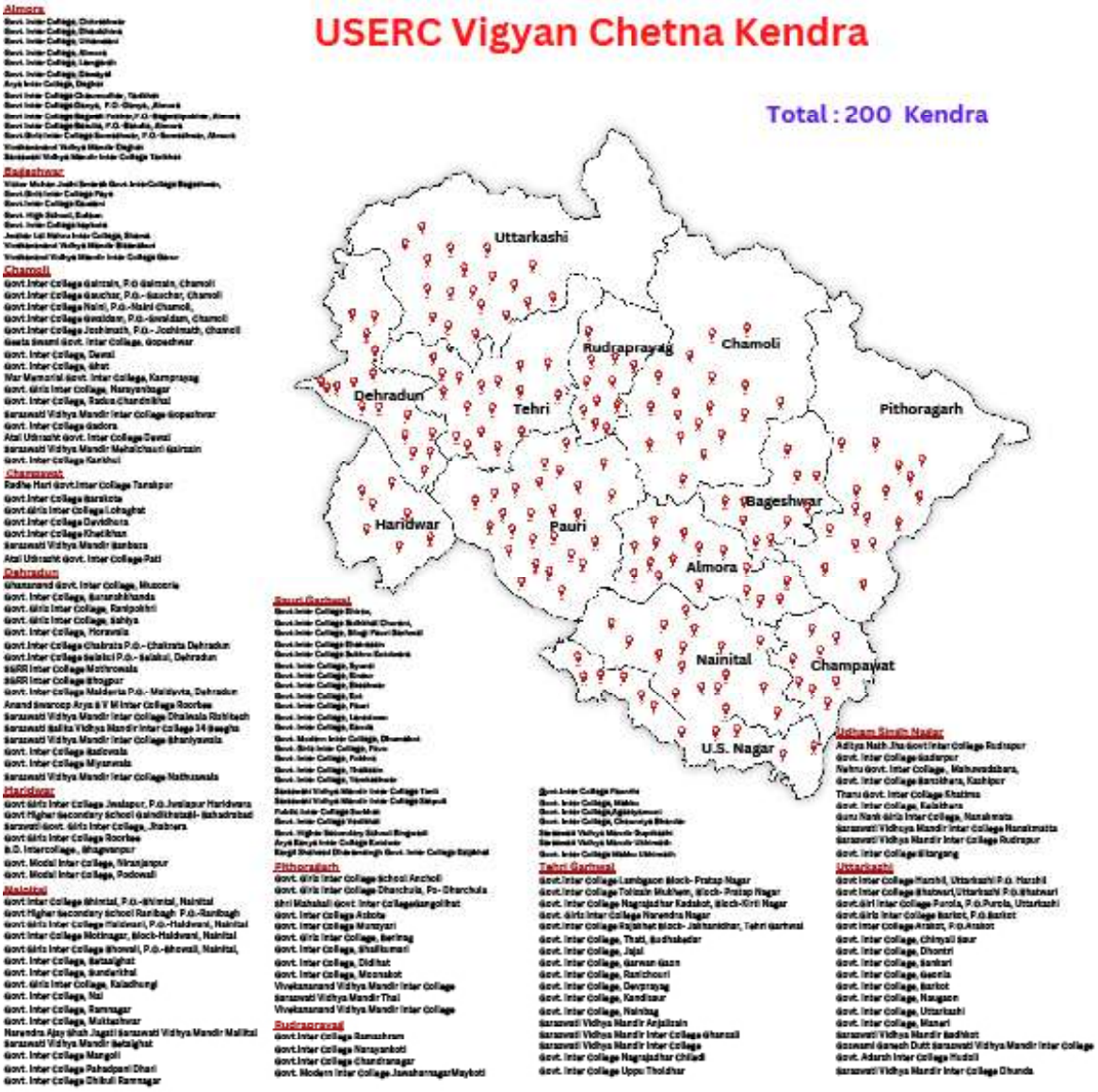

200
USERC Vigyan Chetna Kendra Established in 95 Blocks of Uttarakhand

विज्ञान चेतना क्रेन्द्र के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों का आयोजन

यूसर्क द्वारा 13 जिलों के 200 राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र के अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों के समन्वय से पर्यावरण सरंक्षण सम्बन्धी एवं वैज्ञानिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

Online Orientation Program
(21 अगस्त 2024)

विज्ञान चेतना केंद्रो की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के सुचारू रूप से क्रियान्वयन हेतु एक Online Orientation Program का आयोजन को किया गया, जिसमें यूसर्क द्वारा चलाये जा रहे वैज्ञानिक कार्यक्रमों पर विज्ञान चेतना केन्द्र के प्रभारियों से चर्चा की गयी।

राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस (23 अगस्त 2024)
जनता इ0का0, कमलापुर, संगलाकोटी पौड़ी

यूसर्क द्वारा जनता इ0का0, कमलापुर, संगलाकोटी पौड़ी में स्थापित यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र में राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस पर वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरूष्कार से सम्मानित कर प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस (23 अगस्त 2024) रा0इ0का0, भीमावाला, देहरादून

राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस के अवसर पर रा0इ0का0, भीमावाला, देहरादून में वैज्ञानिक कार्यक्रम एवं व्याख्यान, पेंटिंग प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, विज्ञान क्विज आदि का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

राजकीय इण्टर कॉलेज हिन्डोला खाल, टिहरी गढ़वाल विज्ञान प्रतियोगिता

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह

Science exhibitions and Quiz Competition
Atal Utkrisht Govt Inter College Kandara, Pauri

GIC Bheemawala & G I C Dhikuli, Ramnagar

अ0उ0रा0इ0का0 पौड़ीखाल, देवप्रयाग टिहरी गढ़वाल (28 दिसम्बर 2024)

वृक्षारोपण कार्यक्रम (20 जुलाई 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र द्वारा **सरस्वती विद्या मंदिर मांडूवाला,** देहरादून में हरेला सप्ताह के अंतर्गत उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** ने कहा कि हरेला पर्व हम सभी को प्रकृति से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान विज्ञान परंपरा और संस्कृति में प्रकृति के पांच महाभूतों को जीवन के लिए बहुत आवश्यक माना गया है। हरेला पर्व प्रकृति को समर्पित लोक पर्व है, हम सभी को पौधारोपण करने के साथ साथ उसकी वर्ष भर देखभाल भी करनी चाहिए। सरस्वती विद्या मंदिर मांडूवाला, देहरादून के प्रधानाचार्य श्री राकेश मेंदोला ने हरेला कार्यक्रम की भूमिका एवं इतिहास पर प्रकाश डाला। यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने कहा कि प्रकृति को समर्पित उत्तराखण्ड के लोक पर्व हरेला यूसर्क द्वारा हरेला सप्ताह के रूप में दिनांक 15 जुलाई से 22 जुलाई 2024 तक प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र मे मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हरेला पर्व उत्तराखंड राज्य के बाहर भी भारत के अन्य राज्यों में भी मनाया जा रहा है। डॉ शर्मा ने कहा भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति प्राचीन समय से ही पर्यावरण संरक्षण को समर्पित रही है। आज हम सभी को अपने अपने घर और विद्यालय से पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों को प्रारंभ करते हुए समाज में ले जाने की जरूरत है और आम जन मानस को प्रेरित करते हुए जोड़ना है। विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने हरेला पर्व एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी विभिन्न पोस्टर बनाए जिसको अतिथियों द्वारा बहुत सराहा गया। विद्यालय में आम, नींबू, कटहल आदि पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों सहित **300** छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम (दिनांक 14 अगस्त 2024)

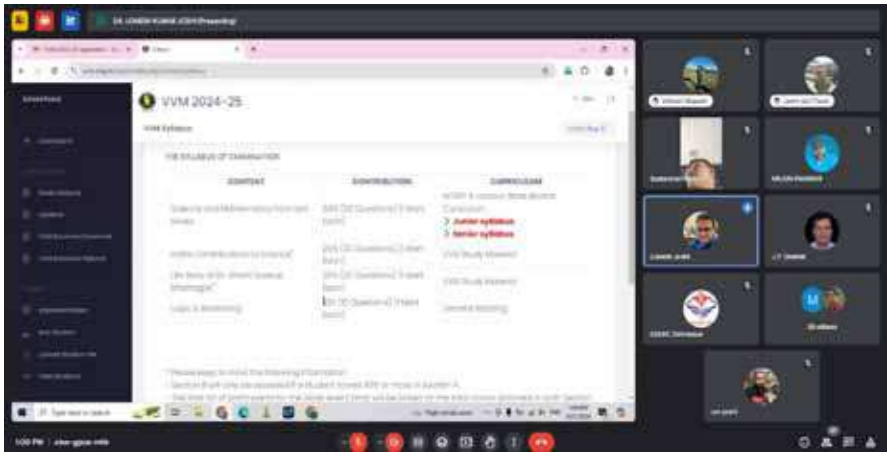

यूसर्क द्वारा विज्ञान भारती के साथ संयुक्त रूप से आयोजित की जाने वाली विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वि.वि.एम) परीक्षा–2024 हेतु राज्य भर के विद्यालयों के शिक्षकों हेतु ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 डॉ0 अनीता रावत** द्वारा यूसर्क द्वारा प्रदेश भर में किया जा रहे विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की एवं बताया गया कि उक्त परीक्षा विज्ञान भारती, NCMS इंडिया और NCERT भारत सरकार के द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन माध्यम से वर्ष 2024 में आयोजित की जा रही है। यूसर्क विगत वर्षों से प्रदेश की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने हेतु उक्त परीक्षा को प्रदेश में सहयोगात्मक रूप से आयोजित करता आया है प्रदेश के विद्यार्थियों को विज्ञान विषय के प्रति रुचि विकसित करने तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति के विकास हेतु इस वर्ष प्रदेश के विद्यालयों में अध्यनरत कक्षा 6 से कक्षा 11 तक के विज्ञान विषय के 2000 प्रतिभावान एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी हेतु परीक्षा के शुल्क को यूसर्क द्वारा वहन किया जाएगा। कार्यक्रम में **देवभूमि विज्ञान समिति के अध्यक्ष प्रो0 के0 डी0 पुरोहित** द्वारा विज्ञान भारती के उद्देश्यों को विस्तार पूर्वक बताया गया। **डॉ0 मयूरी दत्त राष्ट्रीय समन्वयक वि.वि.एम.** द्वारा उक्त परीक्षा के आयोजन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। कार्यक्रम में श्री कौस्तुभ ओमर द्वारा उक्त परीक्षा के रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की तकनीकी जानकारियां साझा की गयी। कार्यक्रम में डॉ0 लोकेश जोशी राज्य समन्वय वि.वि.एम. द्वारा उक्त परीक्षा के पाठयक्रम, आयोजन के प्रकार, परीक्षा की महत्वपूर्ण तिथियां एवं परिणाम इत्यादि विषयों की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्रो के **30** से अधिक विद्यालयों के शिक्षकों सहित लगभग **70** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभा किया गया।

Societal Outreach (आउटरीच कार्यक्रम)

यूसर्क द्वारा आउटरीच कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य के समस्त जनपदों में विज्ञान एवं शिक्षा के प्रसार एवं प्रचार किये जाने हेतु निरंतर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है, जिनके द्वारा छात्रों में सामाजिक जुड़ाव, संवेदनशीलता, संवाद, नेतृत्व एवं प्रबंधन कौशल एवं नई तकनीकों विचारों एवं प्रक्रियाओं को जानने एवं सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त केन्द्र के द्वारा राज्य के विकासोन्मुखी, नीतियों के निर्धारण, रोजगार से सम्बन्धित विषयों, प्राकृतिक आपदाओं में सुरक्षा उपाय एवं भविष्य की आवश्यकताओं से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों एवं राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के अवसर पर छात्रों को विभिन्न शोध संस्थानों में Institutional Tours आयोजित किये जा रहे है।

World Earth Day (22 April 2024)
विशेषज्ञ व्याख्यान : Planet vs Plastic

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस–2024 के उपलक्ष्य में **Planet vs- Plastic (पृथ्वी ग्रह एवं प्लास्टिक)** विषयक थीम पर ऑनलाइन विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** ने कहा कि भारत में प्राचीन समय से ही अपने पर्यावरण के पांचों तत्वों के संरक्षण की परम्परा रही है। हम पृथ्वी को मां के रूप में मानते है। हिमालयी देव भूमि में हमारे द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य हमारे पर्यावरण को समर्पित रहता है। हम सभी को अपने आस–पास के पर्यावरण को बचाने का प्रण लेते हुये अपनी गौरवशाली ज्ञान–विज्ञान परम्परा को आगे बढ़ाना है। प्रोफेसर रावत ने सभी से पृथ्वी के संरक्षण हेतु मिलकर कार्य करने का आव्हान किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में **यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून की प्रोफेसर (डॉ.) भावना यादव लांबा ने Planet Earth and Plastic: Understanding the Global Challenges (पृथ्वी ग्रह एवं प्लास्टिकः एक वैश्विक समस्या चुनौती)** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्लास्टिक की प्रकृति, प्रकार, पर्यावरण में प्लास्टिक के स्रोत, प्लास्टिक की समस्या एवं निदान, प्लास्टिक से डीजल बनाना आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। डॉ भवतोष शर्मा ने करते हुए कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के साथ–साथ प्लास्टिक के उचित वैज्ञानिक प्रबंधन, जल संरक्षण, मृदा संरक्षण विषयों पर गम्भीरता से चिन्तन के साथ सामुहिक प्रयास करने की जरूरत है। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने सभी से ऊर्जा संरक्षण एवं प्लास्टिक का प्रयोग कम करने तथा सोलर ऊर्जा के प्रयोग बढाने को कहा। डा0 मन्जू सुन्दरियाल ने कहा कि जैवविविधता के संरक्षण की आज बहुत आवश्यकता है। डा0 राजेन्द्र सिंह राणा ने कहा कि हमको प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करना चाहिये। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित कुल 150 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

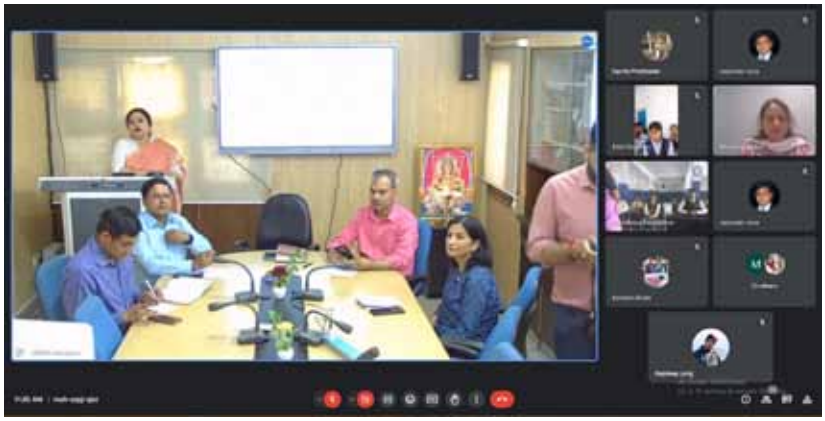

अंतरिक्ष और खगोलशास्त्र कार्यशाला (26 April 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा स्पेक्स देहरादून एवं इसरो स्पेस टयूटर के साथ संयुक्त रूप से दो दिवसीय अंतरिक्ष और खगोलशास्त्र पर कार्यशाला का आयोजन श्री गुरु नानक बॉयज पब्लिक इंटर कॉलेज में किया गया। इस अवसर पर डॉ अनिता रावत, निदेशक, यूसर्क, देहरादून ने छात्रों को आजकल अंतरिक्ष और खगोलशास्त्र के महत्व के बारे में बताया और यह कैसे छात्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा, उन्होंने तकनीक के द्वारा लोगों के जीवन में क्रांति कैसे आ सकती है, इस पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. जगमोहन सिंह राणा व पूर्व अध्यक्ष, उत्तराखंड लोक सेवा आयोग, ने छात्रों के साथ संवाद किया और उन्हें नवाचार और प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में बताया, साथ ही उन्होंने सैटेलाइट्स, विभिन्न रॉकेट ईंधनों के महत्व और नवाचार और सोचने की प्रक्रिया कैसे क्रांति लाएगी, इस पर चर्चा की। इसके अलावा, डॉ बृज मोहन शर्मा, अध्यक्ष स्पेक्स, देहरादून ने भी छात्रों से समाज, मानवता और राष्ट्र के विकास के लिए नवाचारी और रचनात्मक काम करने का संदेश दिया।

इसरो स्पेस टयूटर सौरभ कौशल और राघव शर्मा ने रॉकेट्स और सैटेलाइट के बारे में विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। विद्यार्थियों ने अपने खुद के हाइड्रो–रॉकेट्स और सॉलिड प्रोपेलेंट के मॉडल रॉकेट बनाए। विद्यार्थियों ने रॉकेट प्रौद्योगिकी के पीछे के सिद्धांत, डिजाइन किया, विकसित किया और जमीन पर हाइड्रो–रॉकेट और सॉलिड प्रोपेलेंट रॉकेट को प्रक्षेपित किया। इस अवसर पर फूलचंद नारी शिल्प मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज, देहरादून के प्राचार्य श्रीमती मोना बाली ने भी छात्रों को नई और नवाचारी चीजों की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया इसके अलावा, इसरो स्पेस टयूटर्स, रघव शर्मा और सौरभ कौशल ने छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान और खगोलशास्त्र से संबंधित अवधारणाओं के बारे में बताया और कैसे छात्र भविष्य में अंतरिक्ष अनुसंधान कार्य में हिस्सा बन सकते हैं और अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं, इस पर बातचीत की। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाओं सहित लगभग 50 विद्यार्थियो ने विभिन्न विद्यालयों से कार्यशाला में प्रतिभाग लिया।

National Paramedical Conference (29 April 2024)
Artificial Intelligence (AI) MED-EXPO

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), द्वारा उत्तरांचल पीजी कॉलेज एवं बायो मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल देहरादून में पैरामेडिकल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में **National Paramedical Conference on Artificial Intelligence (AI) MED-EXPO** विषय पर दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पैरामेडिकल विद्यार्थियों के लिए आने वाले समय में वें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का किस तरह से इस्तेमाल कर सकते है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर एमएलबी भट्ट कुलपति एनबीबी मेडिकल एजुकेशन यूनिवर्सिटी सेलाकूई, उत्तराखंड द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर डॉ अनीता रावत निदेशक यूसर्क ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित उपकरण एवं तंत्र चिकितसा देखभाल की प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाने में सहायक है। प्रोफेसर लब भट्ट ने बच्चों को संबोधित करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्व बताए। इस सम्मेलन में उत्तराखंड एवं अन्य राज्यों से **500** विद्यार्थियों एवं अध्यापक/अध्यापिकाओं के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

National Technology Day (10 May 2024)

यूसर्क द्वारा **राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस** के उपलक्ष्य में छात्र–छात्राओं में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान के प्रति अभिरूचि विकसित करने हेतु CIPET, डोईवाला देहरादून संस्थान में छात्र–छात्राओं को Exposure Visit करवायी गई। यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनिता रावत** ने अपने संदेश कहा कि यूसर्क द्वारा अभिनव पहल के तहत थीम आधारित कर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों पर राजकीय विद्यालयों के छात्रों हेतु परिचयात्मक भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर यूसर्क द्वारा छात्र–छात्राओं में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में अनुसंधान व नवाचार के प्रति अभिरूचि विकसित करने के लिये इस परिचयात्मक भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। CIPET के संयुक्त निदेशक श्री अभिषेक राजवंशी ने कहा कि संस्थान द्वारा विभिन्न पाठयक्रम संचालित किए जाते हैं तथा प्लेसमेंट भी सभी का अच्छे स्थानों पर हो रहा है जो कि सभी के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में डा0 भवतोष शर्मा ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाए जाने तथा यूसर्क द्वारा संचालित विभिन्न प्रौद्योगिकी आधारित गतिविधियों एवं छात्र उन गतिविधियों से कैसे लाभान्वित हो सकते हैं इत्यादि विषयों पर जानकारी प्रदान की। डॉ राजेंद्र राणा ने इस अवसर पर सभी छात्र–छात्राओं को इस कार्यक्रम के माध्यम से सीखने व समझने को कहा जिससे उनके प्रयोगात्मक ज्ञान में वृद्धि होगी तथा करियर को सही दिशा प्राप्त होगी। सीपेट के तकनीकी अधिकारी **श्री पंकज फुलरा** ने संस्थान के विभिन्न कोर्स, प्रवेश प्रक्रिया तथा यहां की विभिन्न प्रयोगशालाओं, वर्कशॉप में चलने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से बताया। इस अवसर पर डोईवाला क्षेत्र 05 विभिन्न शिक्षण संस्थाओं यथा– **एस.जी.आर. आर., भोगपुर; खदरी खड़कमाफ, डोईवाला; सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज, नथुवावाला; राजकीय इण्टर कॉलेज, तपोवन मुनीकीरेती टिहरी गढ़वाल; राजकीय इण्टर कॉलेज, बड़ोवाला जोलीग्रांट** के विद्यार्थियों को CIPET संस्थान का वैज्ञानिक भ्रमण कराया गया, जिससे विद्यार्थियों ने वहां चल रहे विभिन्न वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यों की प्रयोगात्मक बारीकियों को सीखा एवं समझा। संस्थान में कौशल विकास से सम्बन्धित प्रशिक्षण, अत्याधुनिक तकनीकियों द्वारा प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण, परीक्षण, गुणवत्ता व मानकीकरण नियंत्रण, प्लास्टिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के सभी विषयों में अनुप्रयोग व विकास आदि क्षेत्रों में हो रहे विभिन्न कार्यों को विद्यार्थियों का अवगत करवाया गया। इस क्षेत्र में विद्यार्थियों को उनके करियर विषयक मार्गदर्शन भी संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं में चल रहे वैज्ञानिक कार्यों से सम्बन्धित प्रश्नों का वैज्ञानिक समाधान भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं, शिक्षकों सहित कुल 60 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

World Environment Day (05 June 2024)
विशेषज्ञ व्याख्यान : "Land Restoration, Desertification and Drought Resilience"

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा देव भूमि विज्ञान समिति के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डॉ) अनीता रावत** ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम सभी को पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में गंभीरता के साथ कार्य करने की जरूरत है। प्रोफेसर रावत ने कहा कि आज उचित भूमि प्रबंधन करने के लिए एक्शन ओरिएंटेड सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है तथा कम्यूनिटी को सशक्त बनाते हुए एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, कृषि कार्यों में सुधार आदि पर फोकस किए जाने की जरूरत है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के वरिष्ठ प्रोफेसर (डॉ) सुरेंद्र सिंह धनकर "Land Restoration, Desertification and Drought Resilience" विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में क्लाइमेट चेंज, जैव विविधता संरक्षण, भूमि संरक्षण, भूमि को रेगिस्तान बनने को रोकना, इकोसिस्टम रेस्टोरेशन, ग्रीन टेक्नोलॉजी, फ्रेश वाटर इकोसिस्टम आदि पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम में पूरे उत्तराखंड के विभिन्न यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्रों के प्रभारी शिक्षक, प्रधानाचार्य, उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापक, कुलपति एवं विद्यार्थियों सहित लगभग 100 लोग उपस्थित थे।

International Yoga Day (21 June 2024)
विशेषज्ञ व्याख्यान: ``स्वयं और समाज के लिए योग''

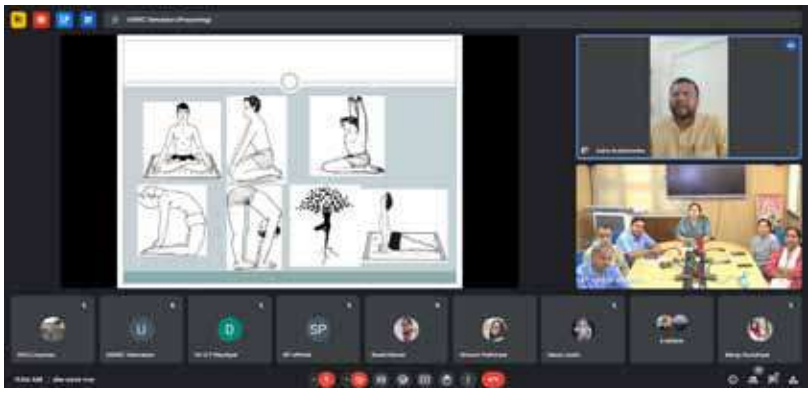

यूसर्क, देहरादून द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बोलते हुए यूसर्क की **निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने कहा कि योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि हम सभी को भी आपस में जोड़ता है। उन्होंने कहा कि योग हमारी आंतरिक चेतना को जाग्रत करता है। योग हम सभी को वसुधैव कुटुंबकम् की भावना के साथ मिलकर कार्य करने की प्रेरणा देता है तथा मनुष्य एवं मानवता दोनों के लिये योग बहुत आवश्यक है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के योग विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर असीम कुलश्रेष्ठ ने "स्वयं और समाज के लिए योग"** विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। डॉक्टर असीम ने योग एवं अभ्यास के दैनिक जीवन में लाभ, विभिन्न प्रकार के आसन, प्राणायाम एवं उसके विभिन्न प्रकार, सठकर्म, नेति क्रिया, त्राटक क्रिया, नौली क्रिया, कपाल भाति, मुद्रा, बंधन, ध्यान आदि की बारीकियों को समझाया तथा प्राप्त लाभ बताएं। उन्होंने कहा कि योग से मनुष्य अपनी छुपी हुयी योग्यता, क्षमता एवं आन्तरिक शक्तियों का विकास कर सकता है कार्यक्रम में यूसर्क के विज्ञान चेतना केंद्रों के प्रभारी शिक्षकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

हरेला सप्ताह कार्यक्रम (15 जुलाई से 22 जुलाई 2024)
वैज्ञानिक संवाद एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र द्वारा **राजकीय इण्टर कालेज भीमावाला, देहरादून** में उत्तराखण्ड राज्य के लोक पर्व हरेला को हरेला सप्ताह के रूप में विभिन्न विद्यालयों में प्रारंभ किया गया है। यूसर्क की **निदेशक प्रोफेसर (डा0) अनीता रावत ने कहा कि प्रकृति को समर्पित लोक पर्व हरेला को यूसर्क द्वारा हरेला सप्ताह के रूप में दिनांक 15 जुलाई से 22 जुलाई 2024 तक प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र मे मनाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 15 जुलाई को यूसर्क द्वारा हरेला सप्ताह का पहला कार्यक्रम राजकीय इण्टर कालेज भीमावाला, देहरादून में यूसर्क द्वारा आयोजित किया गया है।**

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 जगमोहन सिंह राणा** ने पर्यावरण संरक्षण को जन–जन तक पहुंचाने के लिए इस अभियान को लोक धर्म की तरह अपनाना होगा। हम हमारी संस्कृति एवं भौतिक पर्यावरण की रक्षा कर पाएंगे तथा हमारे आस पास आयोजित होने वाले विभिन्न मांगलिक कार्यों में पोधारोपण की संस्कृति को बढ़ावा देने का आहवान किया। कार्यक्रम के सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संकल्प प्रतिज्ञा दिलाई तथा साथ ही प्राकृतिक संसाधनों की अभिरक्षा हेतु कृत संकल्प एवं दृढ़ प्रतिज्ञ होने का आहवान किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उद्यान विभाग देहरादून के सहयोग से उपलब्ध करवाये गये आम, नीबू, अमरूद आदि फलदार वृक्षों का रोपण किया गया एवं शिक्षकों एव विद्यार्थियों को फलदार पौधे वितरित किये गये। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षकों सहित 250 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम (16 जुलाई 2024)

यूसर्क द्वारा **जे0बी0आई0टी0, देहरादून** में हरेला पर्व के अवसर पर जे0बी0आई0टी0, देहरादून में वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** द्वारा छात्र–छात्राओं को हरेला के महत्व को बताते हुये उन्होंने कहा है कि आज हम सभी को प्रकृति संरक्षण करने की अत्यन्त आवश्कता है। उन्होंने पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुये समस्त विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आहवान किया। कार्यक्रम के अन्त में वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वैज्ञानिक कार्यक्रम (18 जुलाई 2023)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा **दिनांक 18 जुलाई 2024** को राजकीय इण्टर कॉलेज, खदरी खड़कमाफ, डोईवाला में हरेला पर्व के साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अन्तर्गत एक वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** अपने संदेश में हरेला पर्व को हरियाली का प्रतीक एवं प्रकृति के संरक्षण के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बताया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के समस्त स्थानीय लोग वर्षों से पर्यावरण एवं संस्कृति को परस्पर संरक्षित करते आ रहे है, जिससे समाज में कल्याण की भावना विकसित होती है। यूसर्क द्वारा प्रदेशभर में विद्यार्थियों के माध्यम से साप्ताहिक हरेला पर्व वृहद स्तर पर मनाया जा रहा है, जिससे भविष्य की पीढी को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने समस्त विद्यार्थियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आग्रह किया। प्रधानाचार्य श्री देवेन्द्र सिंह कंडारी जी के द्वारा विद्यार्थियों के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण हेतु प्रयास करने का आश्वासन दिया। यूसर्क की वैज्ञानिक डा0 मन्जू सुन्दरियाल के द्वारा हरेला पर्व को पर्यावरण के संरक्षण एवं जैवविविधता संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम मे यूसर्क द्वारा स्थापित वर्मी कम्पोस्टिंग उद्यमिता विकास केन्द्र के अन्तर्गत सुश्री कविता पाल द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग को पर्यावरण संरक्षण के दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया एवं इसके बनाने की विधि को प्रायोगिक माध्यम से समझाया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रागंण में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया, जिसमें पांच फलदार वृक्ष लगाये गये। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं व शिक्षकों सहित **255** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम (19 जुलाई 2024)

यूसर्क द्वारा **राजकीय इंटर कॉलेज सभावाला, देहरादून** में हरेला सप्ताह के अंतर्गत जे0बी0आई0टी0, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में एक वैज्ञानिक गोष्ठी का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण पर बोलने व छात्र–छात्राओं से संवाद किया गया, साथ ही विद्यालय परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम (दिनांक 22 जुलाई 2024)

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नथुवावाला, देहरादून में यूसर्क द्वारा हरेला सप्ताह कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित यूसर्क की **निदेशक प्रोफेसर (डा0) अनीता रावत** ने कहा कि हरेला पर्व हम सभी को प्रकृति से जोड़ता है। हरेला पर्व प्रकृति को समर्पित लोक पर्व है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान विज्ञान परंपरा और संस्कृति में प्रकृति को जीवन के लिए बहुत आवश्यक माना गया है। प्रो0 रावत ने कहा कि आज हम सभी को प्रकृति के संरक्षण करने की अत्यन्त आवश्कता है।विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री शिशुपाल सिंह रावत ने हरेला के सांसकृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति प्राचीन समय से ही पर्यावरण संरक्षण को समर्पित रही है। हम सभी को पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों को प्रारंभ करते हुए समाज में ले जाने की जरूरत है। इस अवसर पर विद्यालय में फलदार पौधों का रोपण किया गया तथा छात्र छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया जिसके प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को निदेशक महोदया द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक सहित **200** छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

टॉपर्स कान्क्लेव (27 जुलाई 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) एवं दिव्य हिमगिरी, DIT विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृति विभाग, उत्तराखंड सभागार में टॉपर्स कांनक्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम में जनपद देहरादून के प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 10वीं और 12वीं के 500 से अधिक छात्र–छात्राओं तथा 25 विद्यालयों को 'बेस्ट स्कूल ऑफ देहरादून' से अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों यथा– CIPET, IIT, UTU, UBTE तथा अन्य संस्थानों के द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में **500** से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

78वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) परिसर में **निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत** द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कर सभी को शुभकामनाएं दी गईं। प्रोफेसर रावत ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय को विकसित करने के लिये हम सब को अपनी–अपनी भूमिका देते हुये आगे बढ़ना होगा, इसी भावना को सुदृढ़ करने हेतु हमें निजि हित को पीछे छोड़ते हुए अपने संस्थान को आगे ले जाने के लिए सकरात्मक सोच की भावना के साथ कार्य करना होगा। यूसर्क के वैज्ञानिकों द्वारा समस्त कार्मिकों को अपने कार्यों के प्रति निष्ठा और कर्मठता के महत्व को बताते हुये आगे बढने का आहवान किया करते हुये अपने–अपने विचारों को साझा किया। इस अवसर पर यूसर्क निदेशक द्वारा 03 यूसर्क कार्मिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी कार्मिक एवं वैज्ञानिकों के साथ ही स्थानीय जनसमुदाय भी उपस्थित रहे।

National Workshop (9-14 Sep 2024)
" SWAYAM के माध्यम से MOOCs के डिजाइन और विकास''

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून, डॉल्फिन इंस्टीटयूट एवं मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (MMTTC) रामनुजम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में **दिनांक 09 सितम्बर 2024 को डॉल्फिन** (PG) **इंस्टीटयूट ऑफ बायोमेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून** में **SWAYAM** के माध्यम से (MOOCs) के डिजाइन और विकास पर National workshop on Faculty Development Program का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूसर्क **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज की शिक्षा प्रणाली में MOOCs की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसके माध्यम से सभी क्षेत्रों के शिक्षार्थी देश भर के शिक्षकों की विशेषज्ञता से लाभान्वित होगें एवं शिक्षा को लोकतांत्रिक, समावेशीख प्रासंगिक एवं प्रभावशाली बनाने में कुशल होंगे। कार्यक्रम में **उत्तराखंड राज्य जैव प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड सरकार** के पूर्व निदेशक और उत्तराखंड राज्य लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर जे0एम0एस0 राणा ने इस कार्यशाला

के माध्यम से, शिक्षक न केवल ऑनलाइन सामग्री बनाना सीखेंगे, बल्कि यह भी सीखेंगे कि आभासी वातावरण में शिक्षार्थियों को प्रभावी ढंग से कैसे जोड़ा जाए और उनका मूल्यांकन कैसे किया जाए, जिससे सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो सके। डॉल्फिन इंस्टीटयूट के चेयरमैन श्री अरविंद गुप्ता ने कहा कि शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन के महत्व पर जोर देते हुए कहा, कि यह कार्यशाला शिक्षकों को अधिक आकर्षक और समावेशी शिक्षण अनुभव के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए आवश्यक उपकरणों से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यशाला के समन्वयक डॉ आशीष रतूड़ी ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य देश भर के संकाय सदस्यों को ऑनलाइन कक्षा प्रबंधन और MOOCs के सह–निर्माण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। प्रतिभागियों द्वारा व्यापक प्रशिक्षण सत्रों, जिसमें ई–सामग्री निर्माण, वीडियो और स्क्रीन रिकॉर्डिंग के लिए ओपन–सोर्स टूल, निर्देशात्मक डिज़ाइन और ऑनलाइन पाठयक्रम प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाओं जैसे प्रमुख पहलुओं पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में 100 से अधिक शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

National Conference (24-25 Oct 2024)

Converging Paths: Bridging Traditional Practices & Modern Science

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा डॉल्फिन (पीजी) इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज के संयुक्त तत्वाधान में **दिनांक 24–25 अक्टूबर 2024** को दो दिवसीय **National Conference on Converging Paths: Bridging Traditional Practices & Modern Science** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत** ने अपने सम्बोधन में कहा कि "हमारी परंपराओं में कई विधियाँ हैं जो वैज्ञानिक महत्व से समृद्ध हैं। यदि हम इन प्रथाओं को अपने समकालीन जीवन में लागू करते हैं, तो वे समाज की भलाई के लिए क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। कार्यक्रम में डॉ. डी.के. असवाल, **BARC,** मुंबई के निदेशक ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पारंपरिक ज्ञान के महत्व को उजागर करना है, बल्कि नई अनुसंधान पहलों को प्रोत्साहित करना है जो विज्ञान और समाज की समग्र समझ में योगदान करते हैं। प्रतिभागियों से पारंपरिक प्रथाओं और आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति के बीच अंतर को पाटने के लिए सक्रिय रूप से शामिल होने और इस सम्मेलन द्वारा प्रस्तुत अद्वितीय अवसरों का लाभ उठाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में 72 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

International Conference (22-23 Nov 2024)

Innovative Sustainable Agricultural & Livestock Technologies

यूसर्क एवं ग्राफिक एरा पर्वतीय विश्वविद्यालय, देहरादून के संयक्त तत्वाधान में दिनांक 22–23 नवम्बर 2024 को दो दिवसीय कृषि को नवाचार से जोड़ने विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यक्रम के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र की निदेशक प्रो. (डॉ) अनिता रावत ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पहाड़ों का पर्यावरण सेल्फ–संस्टेनिंग है। यहां के लोगों की जरूरतें सीमित हैं लेकिन प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग अगर जरूरत से ज्यादा होगा तो आपदाओं जैसी चुनातियों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कृषि को नवाचार से जोड़ने पर विशेष बल दिया। उन्होंने इन्नोवेटिव सस्टेनेबल एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी पर कार्य करने का आव्हान किया तथा बताया कि यूसर्क द्वारा एग्रोइकोलॉजी बेस्ड एक्सपीरेनशियल लर्निंग, नेचुरल फार्मिंग, एपीकल्चर, वर्मीकमपोस्टिंग आदि पर विभिन्न संस्थानों के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है।

Workshop (07-09 Dec 2024)

Science and Society for Nature

यूसर्क द्वारा जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय जूनियर हाई स्कूल, डुमक के साथ तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस विद्यार्थियों द्वारा उपकरणों का उपयोग किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने जल स्तर में देखे गए परिवर्तनों को समझने का प्रयास किया। कार्यशाला के दूसरे दिन मिट्टी, उसकी गुणवत्ता और मृदा संसाधनों का मरुस्थलीकरण विषय पर सहभागी पद्धतियों का प्रयोग करते हुए विस्तृत चर्चा की। प्रतिभागियों को मिट्टी के बारे में शिक्षित करने और इसे फसल उत्पादकता और अन्य से जोड़ने की जानकारियां दी गई। कार्यशाला के तीसरे दिन वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग करके जंगल की गतिविधियों का अवलोकन किया। प्रतिभागियों द्वारा मिट्टी के लिए पीएच, मृदा कार्बनिक कार्बन और नाइट्रेट परीक्षण किया। कार्यशाला में 24 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन
(08 दिसम्बर 2024)

यूसर्क द्वारा देवभूमि विज्ञान समिति के साथ संयुक्त रूप से विद्यार्थी विज्ञान मंथन जो एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विज्ञान में कक्षा 1 से 11 के प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना उवं उन्हें भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के बारे में शिक्षित करना है। इस वर्ष यूसर्क द्वारा चिज्ञान चेतना केन्द्र के 2000 छात्रों को पंजीकृत कर इस लिखित परीक्षा के लिये प्रोत्साहित किया गया, जिसका State Level Camp आई0आई0टी0 रूड़की में दिनांक 08 दिसम्बर 2024 को आयोजित किया गया।

राजकीय इण्टर कॉलेज, ढिकुली (12 दिसम्बर 2024)
प्रदूषण नियंत्रण जागरूकता कार्यक्रम

रा0इ0का0 ढिकुली में प्रदूषण नियंत्रण जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों ने विद्यार्थियों से प्रदूषण पर विस्तार से चर्चा की तथा उनसे पर्यावरण प्रदूषण पर अनेक प्रकार के प्रश्न पूछे तथा उनके उत्तर भी दिए। टीम के सदस्यों ने छात्र–छात्राओं को वायु गुणवत्ता सूचकांक (Air Quality Index) के बारे में बताया जो की वायु में प्रदूषण को मापने का एक तरीका है। इसके अतिरिक्त ई–वेस्ट (Electronic -Waste) मेडिकल–वेस्ट (चिकित्सा अपशिष्ट), प्लास्टिक, पॉलिथीन, कचरा आदि अनेक प्रकार के प्रदूषणों तथा उनके कारकों की जानकारी दी।

Nayar Utsav 2024 (GIC Kinsur, Pauri Garhwal)

Cyber Security जागरूकता कार्यक्रम
GGIC Roorkee

Workshop (26-28 Dec 2024)
Science and Society for Nature

यूसर्क द्वारा छात्रों मे पर्यावरणीय शिक्षा, वैज्ञानिक सोच एवं स्वभाव को विकसित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय ग्राम्य शिक्षण पर्यावरण संस्था, डुमक के साथ कार्यशाला का आयोजन राजकीय प्राथमिक विद्यालय **सिरोली, दशोली, चमोली** में किया गया। कार्यशाला में ग्राम्य शिक्षण पर्यावरण संस्था की अध्यक्ष श्रीमती प्रभा रावत द्वारा बताया कि मिट्टी, जंगल और पानी पर समझ विकसित करने से न केवल विज्ञान को समझा जा सकता है बल्कि छात्रों में विशलेषणात्मक कौशल भी विकसित होता है। कार्यशाला में स्कूल के प्रबंधक सतेन्द्र परमार द्वारा बताया कि इस कार्यशाला के द्वारा छात्रों को पर्यावरण के विज्ञान को अनुभव करवाकर उन्हें प्रकृति के प्रति जागयक किया जा रहा है। इस तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करती है, ताकि पर्यावरण शिक्षा जीवन में गहरा प्रभाव डाल सके। प्रशिक्षक पंकज पुरोहित और अरविंद सिंह ने छात्रों के साथ मिट्टी और पानी के विभिन्न परक्षण कर उनकी गुणवत्ता और प्रदूषण को जांचा। कार्यशाला के अन्तर्गत छात्रों को मण्डल सिथत बांज और कांचुला के जंगलों एवं साथ ही जड़ी–बूटी शोध संस्थान का का भ्रमण करवाया गया और जड़ी–बूटियों के पारिस्थितकीय और आर्थिक महत्व पर जानकारी प्रदान की।

76 वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2025)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) में 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर केन्द्र की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनिता रावत ने अपने संबोधन में सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का यह दिवस हम सभी को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है जिससे हमारा प्रदेश और देश सभी क्षेत्रों में अग्रणी बने। यूसर्क का प्रयास है कि राज्य के सभी भागों में विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी गतिविधियों को विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाए।

चतुर्थ खेती–बाड़ी दिवस कार्यक्रम (03 फरवरी 2025)

विशेषज्ञ व्याख्यान : "Medicinal – Aromatic Plants: their uses, status and prospects of cultivation and conservation in Uttarakhand"

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा बसंत पंचमी पर्व को खेती–बाड़ी दिवस के रूप में Alpine Group of Institute, Dehradun के संयुक्त तथावधान में आयोजित किया गया। यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) रावत** ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा वसंत पंचमी पर्व को खेती–बाड़ी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। प्रोफेसर रावत ने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को खेती–बाड़ी शब्द का अर्थ समझाते हुए कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का विशेष योगदान है। हमारे पूर्वजों ने कृषि के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने परंपरागत लोक विज्ञान और तकनीकियों से आगे बढ़ाया और आज कृषि के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकियों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन तकनीकी का प्रयोग भी कृषि के क्षेत्र में हो रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य में जैविक कृषि के साथ–साथ मेडिसिनल एवं एरोमैटिक प्लांट्स के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और हम इस दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने राज्य और अपने देश को बहुत कुछ प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की चर्चा करते हुए कहा कि इन गोल्स का भी यही उद्देश्य है कि हम पर्यावरण फ्रेंडली उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं, प्रकृति को कम से कम नुकसान पहुंचाएं, प्रकृति का संरक्षण करें और अपने देश को कृषि क्षेत्र में स्वदेशी तकनीकी को अपनाते हुए आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में अपना–अपना योगदान दें। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं से कहा की कृषि के क्षेत्र में कैरियर और रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। हमें अपने गुरुजनों और विषय विशेषज्ञों से निरंतर ज्ञानार्जन करते हुए मार्गदर्शन लेते हुए आगे आगे बढ़ना है। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों के द्वारा संस्थान में बीजारोपण एवं वृक्षारोपण कार्य भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बोटैनिकल सर्वे आफ इंडिया (भारत सरकार) के सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक **डॉ0 हरीश सिंह** ने **"Medicinal & Aromatic Plants: their uses, status and prospects of cultivation and conservation in Uttarakhand"** विषय पर व्याख्यान दिया। डॉक्टर सिंह ने अपने व्याख्यान में उत्तराखंड राज्य में पाए जाने वाले औषधीय पौधों, उनकी उपयोगिता के साथ ही राज्य में पाए जाने वाले विभिन्न एरोमैटिक प्लांट्स, एसेंशियल ऑइल्स, उनके उपयोग तथा उत्तराखंड राज्य में इन पौधों के उत्पादन आदि को केंद्रित करते हुए अपना व्याख्यान दिया तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान भी प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 भवतोष शर्मा ने कहा कि हम सभी को अपनी प्रकृति संरक्षण के अनुरूप अपना कार्य व्यवहार करना चाहिए। इस अवसर पर संस्थान के **110** से अधिक छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

USERC – Entrepreneurship Development Centres

वैज्ञानिक गतिविधियों को विस्तार देते हुए एवं NEP (2020) को आत्मसात करते हुए विगत वर्ष अभिनव पहल के अन्तर्गत उद्यमिता विकास केन्द्रों की स्थापना की गई है। विज्ञान को संस्कृति एवं समाज से जोड़ते हुए एवं परम्परागत ज्ञान को समाहित करते हुए स्थानीहय संसाधनों पर आधारित 12 उद्यमिता विकास केन्द्र स्थापित किये गये हैं, जिससे छात्रों में नवाचार का संचार एवं प्रासंगिक क्षेत्रों में उद्यमशीलता एवं स्टार्टअप्स की क्षमता विकसित किये जाने हेतु उचित अवसर प्रदान किया जा सके एवं राज्य के समग्र एवं सतत् विकास में भागीदारी हेतु कुशल मानव संसाधन विकसित किया जा सके।

- **USERC- Centre of Excellence in Bioinformatics, देव भूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, देहरादून**
- **यूसर्क उद्यमिता विकास केन्द्र (Mushroom Spawn Production) नौगांव, उत्तरकाशी**
- **यूसर्क उद्यमिता विकास केन्द्र (Herbal products making) सतपुली, पौड़ी गढ़वाल**
- **यूसर्क एग्रो इकोलॉजिकल उद्यमिता विकास केन्द्र (Mushroom Spawn Production, plant tissue culture) सी0आई0एम0एस0, कुंआवाला, देहरादून**
- **यूसर्क द्वारा रा0इ0का0 मालदेवता देहरादून में उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना।**
- **रा0इ0का0 मिश्रवाण गांव, टिहरी गढ़वाल**
- **रा0इ0का0 भीमावाला, देहरादून**
- **रा0इ0का0 खदरी खड़कगमाफ, डोईवाला**
- **पी.एम. श्री रा0इ0का0, होरावाला देहरादून में वर्मी कम्पोस्ट केन्द्र की स्थापना।**
- **एम0आई.ई0टी0, कुमाऊँ, हल्द्वानी, नैनीताल में वर्मी कम्पोस्ट केन्द्र की स्थापना।**
- **यूसर्क द्वारा एस0एस0जे0 विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा में स्थापित स्थापित उत्तराखण्ड क्लाईमेट चेन्ज के अन्तर्गत हरेला पीठ की स्थापना, जिसके अन्तर्गत Hi-teach नर्सरी को विकसित करने, पौधारोपण, कृषि उत्पादन हेतु कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण, छात्रों हेतु व्यवसायिक प्रशिक्षण (टिश्यू कल्चर इत्यादि)**
- **पं0 ललित मोहन शर्मा श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड वि0वि0 परिसर, ऋषिकेश में (Plant tissue culture) लैब की स्थापना एवं संचालन।**

USERC

USERC ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CENTRE ON APICULTURE

AT

DEPARTMENT OF ZOOLOGY,
GOVERNMENT P.G. COLLEGE THALISAIN, PAURI

CAPACITY BUILDING OF STUDENTS AND LOCAL PEOPLE

DEMONSTRATION OF
HONEY-EXTRACTING MACHINE

STUDENTS
WITH TRAINER

LOCAL TRAINEES

STUDENTS AND LOCAL MAHILA
MANGAL DAL GROUP

EQUIPMENTS FOR BEE-KEEPING

USERC

USERC ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CENTRE

AT

HIMALAYAN ENVIRONMENT AND LIFE FOUNDATION
(HEAL FOUNDATION), EEDA MALLA, PAURI GARHWAL

WORKSHOPS ON THE MAKING OF

ORGANIC HERBAL HANDMADE SOAPS & INCENSE

AT

EKESHWAR BLOCK OF DISTRICT PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND.

ORGANIC HERBAL COME MAKING TRAINING PROGRAMME

CAPACITY BUILDING OF STUDENTS AND RURAL WOMEN
ON HERBAL ORGANIC SOAP MAKING

USERC
Uttarakhand Science Education & Research Centre
Department of Science & Technology
Government of Uttarakhand

Harvesting stage of button and oyster mushroom

Filling of compost in bags for Oyster mushroom cultivation

Spawning for oyster mushroom cultivation

Sterilization of Wheat Straw For Oyster Mushroom Cultivation

Preparation and sterilization of compost and casing soil
For button mushroom cultivation

Media Preparation, Multiplication of mother culture, master spawn & Commercial Spawn

MUSHROOM SPAWN PRODUCTION AND CULTIVATION TECHNOLOGY

USERC
Uttarakhand Science Education & Research Centre
Department of Science & Technology
Government of Uttarakhand

Apple plants in polyhouses (Ready for grafting)

Development of rootstock plants in growth room

Primary and secondary hardening of apple rootstock plants

Multiplication of Apple rootstock plants

Media preparation and sterilization for multiplication of Apple rootstock plants

DEVELOPMENT OF APPLE ROOTSTOCK PLANTS THROUGH PLANT TISSUE CULTURE TECHNIQUES

पं0ल0मो0 शर्मा परिसर, श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, ऋषिकेश
(05 नवंबर 2024)

"Plant Tissue Culture Lab inauguration"

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) के द्वारा **पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर, श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, ऋषिकेश** में स्थापित पादप ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला ¼**Plant Tissue Culture Lab**½ का उद्घाटन **दिनाँक 25 नवंबर 2024** को किया गया। उद्घाटन के अवसर पर यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत** ने अपने संबोधन कहा कि प्लांट टिशू कल्चर लैब की स्थापना होने से हमारे छात्र, छात्राओं, शोध छात्रों को अपने अध्ययन कार्यों को वैज्ञानिक ढंग से सीखने में सहायता मिलेगी साथ ही उसमें नवाचार की भावना भी विकसित होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रयोगशाला की स्थापना से विद्यार्थियों में उद्यमिता विकास भी होगा जिससे वे अपने शोध के साथ–साथ स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह यूसर्क द्वारा स्थापित 11वीं लैब है, और इसका उद्देश्य छात्रों और किसानों के कौशल को विकसित करना है। उन्होंने छात्रों से इस प्रयोगशाला का अधिकतम उपयोग करने का आव्हान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.के. जोशी ने करते हुए कहा कि यूसर्क द्वारा स्थापित ये प्रयोगशाला छात्रों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। प्रो. जोशी ने कहा कि पादप ऊतक संवर्धन प्रयोगशाला से शोध और अध्ययन में नई संभावनाएं खुलेंगी। संकायाध्यक्ष विज्ञान प्रो. गुलशन कुमार ढींगरा ने बताया कि इस लैब में छात्रों के लिए सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे, जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ. ओ.पी. नौटियाल ने कहा कि इस प्रयोगशाला में आधुनिक उपकरण आदि उपलब्ध हैं। यह न केवल विश्वविद्यालय के छात्रों बल्कि आसपास के कॉलेजों के लिए भी उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर **100** छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

यूसर्क द्वारा देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय में "USERC Centre of Excellence in Bioinformatics" का उद्घाटन

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय के परिसर में स्थापित किए गए **"USERC Centre of Excellence in Bioinformatics"** का उद्घाटन यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत** द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर रावत ने अपने संबोधन में कहा की यूसर्क के द्वारा स्थापित यह उत्कृष्ट केंद्र विद्यार्थियों में **Bioinformatics** विषय में न केवल उनके पाठ्यक्रम में सहायता करेगा बल्कि उनको प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षित भी करेगा और उनके करियर को एक दिशा प्रदान करने का कार्य करेगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 (डॉ0) जगमोहन सिंह राणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हमारे विद्यार्थियों को विज्ञान की नई–नई विधाओं से परिचित कराने की आवश्यकता है। उनमें विज्ञान के प्रति अभिरुचि विकसित करनी होगी साथ ही साथ भारतीय ज्ञान विज्ञान को भी आत्मसात करना होगा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष, कुलपति एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक गण उपस्थित रहे।

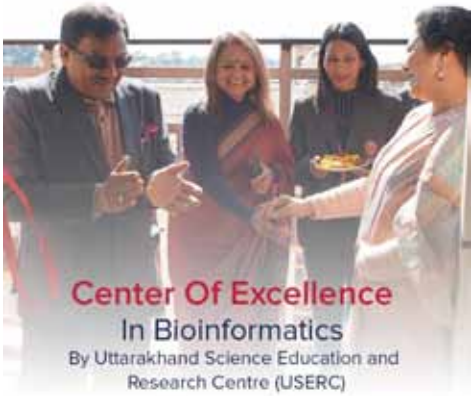

यूसर्क द्वारा स्थापित उद्यमिता केन्दों में विभिन्न प्रशिक्षण एवं वैज्ञानिक कार्यक्रम

• रा0इ0का0, भीमावाला में स्थापित 'यूसर्क उद्यमिता केन्द्र–वर्मी कम्पोस्ट' में वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज, भीमावाला में यूसर्क द्वारा स्थापित **'वर्मी कम्पोस्टिंग पर आधारित यूसर्क उद्यमिता केन्द्र'** के अन्तर्गत **दिनांक 06 मई 2024** को एक वृहद वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रा0इ0का0 भीमावाला के प्रधानाचार्य डा0 देवेन्द्र अग्रवाल द्वारा यूसर्क उद्यमिता केन्द्र तथा यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई एवं बताया गया कि विद्यालय के विधार्थियों के द्वारा केन्द्र में महत्वपूर्ण गतिविधियों में सक्रिय प्रतिभाग कर उक्त केन्द्र उनके ज्ञानवर्धन एवं उनके कौशल विकास में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। यूसर्क **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** ने अपने संदेश उक्त केन्द्रों के सफल संचालन पर टीम को बधाई दी। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक अनुप्रयोगों द्वारा विज्ञान के सिद्धान्तों की व्याख्या कर छात्रों को वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान किया गया। इसके साथ ही उन्होंने यूसर्क द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 में संचालित की जाने वाली गतिविधियों एवं वैज्ञानिक कार्यक्रमों एवं वर्मी कम्पोस्टिंग उद्यमिता केन्द्र के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।
कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डा0 विरेन्द्र सिंह द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग का महत्व एवं इसके बनाने की विधि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की एवं प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 मन्जू सुन्दरियाल ने वर्मी कम्पोस्टिंग के उपयोग को मृदा के उपजाऊ बनाने एवं इसके संरक्षण के लिए उपयोगी बताया। डा0 राजेन्द्र सिंह राणा द्वारा विद्यार्थियों को वर्मी कम्पोस्टिंग के कौशल में वृद्धि हेतु आहवान किया गया। कार्यक्रम में कुल 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

• पी.एम. श्री रा0इ0का0, होरावाला में वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन

यूसर्क द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज, होरावाला में वर्मी कम्पोस्ट यक्त उद्यमिता विकास केंद्र के अन्तर्गत **दिनांक 21 मई 2024** को वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य कैप्टन जसपाल सिंह नेगी यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र– रा0इ0का0 होरावाला के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की एवं बताया कि विद्यालय के विधार्थियों के द्वारा केन्द्र में महत्वपूर्ण गतिविधियों में सक्रिय प्रतिभाग कर उक्त केन्द्र उनके ज्ञानवर्धन एवं उनके कौशल विकास में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।
यूसर्क निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने अपने संदेश में यूसर्क द्वारा रा.ई.का. होरावाला में वर्मी कम्पोस्ट युक्त उद्यमिता विकास केंद्र को विकसित करने सहित विभिन्न कार्यक्रमों को संचालित करने की योजनाओं पर प्रकाश डाला। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने विभिन्न वैज्ञानिक अनुप्रयोगों द्वारा विज्ञान के सिद्धान्तों की व्याख्या कर छात्रों को वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान किया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डा0 विरेन्द्र सिंह द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग का महत्व एवं इसके बनाने की विधि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की एवं प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 राजेंद्र सिंह राणा ने वर्मी कम्पोस्टिंग के उपयोग को मृदा के उपजाऊ बनाने एवं इसके संरक्षण के लिए उपयोगी बताया।

यूसर्क की अभिनव पहल

- **Experiential learning Hands-on-Training Programmes (One week)**
- **Digital Learning**
- **USERC- Entrepreneurship Development Centres**
- **Student Driven Research Fund**

छात्रों में उद्यमशीलता एवं स्टार्टअप क्षमता विकसित किए जाने एवं साक्ष्य आधारित नवाचार, ,रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए यूसर्क द्वारा छात्रों को निरंतर प्रोत्साहित एवं उनका मार्गदर्शन किया जाता है इसी क्रम में मेंटर दीपशिखा शर्मा के मार्गदर्शन में DAV Centenary Public school, Haridwar के छात्रों अनन्य त्यागी, तेजस शर्मा, अविरल त्यागी तथा अभिनय शिकवाल का चयन केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तहत CBSE National skill Expo में हुआ है जिसमें इन विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए प्रोजेक्ट वृक्ष मित्र को इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में प्रथम स्थान मिला है। यह छात्र क्षेत्रीय World Robotics Olympiad में भी चयनित हुए है।

https://druva.netlify.app/

Hands-on Training Programmes

(One Week)

प्रदेश में केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित शोध संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में विभिन्न वैज्ञानिक उपकरण, संसाधन एवं विशिष्ट वैज्ञानिक उपलब्ध हैं। यूसर्क का यह प्रयास है कि प्रदेश के शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को इन संस्थानों के साथ सहयोगात्मक रूप से विभिन्न संसाधनों को उपलब्ध कराये जायें। इन प्रशिक्षण कार्यों के माध्यम से जहां एक ओर छात्रों में क्षमता निर्माण होगी वहीं उनमें नवाचार का संचार होगा एवं उद्यमिता हेतु अनुकूल वातावरण विकसित होगा। इसी विचार से प्रयोगात्मक ज्ञान प्रदान करने हेतु One week Hands-on training (Certificate programme) का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के सभी जनपदों के उच्च शिक्षण संस्थानों के UGèPGèResearchersèTeachers द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। यूसर्क का उद्देश्य यह है कि इन संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों की पहुंच राज्य में समस्त शोधार्थियों, प्रध्यापकों, एवं विद्यार्थियों तक हो सके एवं इसका अधिकाधिक लाभ प्राप्त हो, जिसके मध्य नजर यूसर्क द्वारा राज्य में नवाचार विकसित करने एवं उद्यमिता आधारित अनुकूल वातावरण हेतु One week Hands on Training Programme का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अन्य प्रदेशों के शोध संस्थानों से समन्वय कर उनके संसाधनों का लाभ भी प्रदेश के छात्रों को उपलब्ध करवाया जा रहा है। इन प्रशिक्षणों में दूरस्थ महाविद्यालयों कि छात्राओं की अधिक भागीदारी विज्ञान विषयों में उनकी विकसित रूचि को प्रदर्शित करती है।

Number of Students Participated – 2401

Number of Hands-on Training – 62

Number of Girls – 1506

Number of Boys – 911

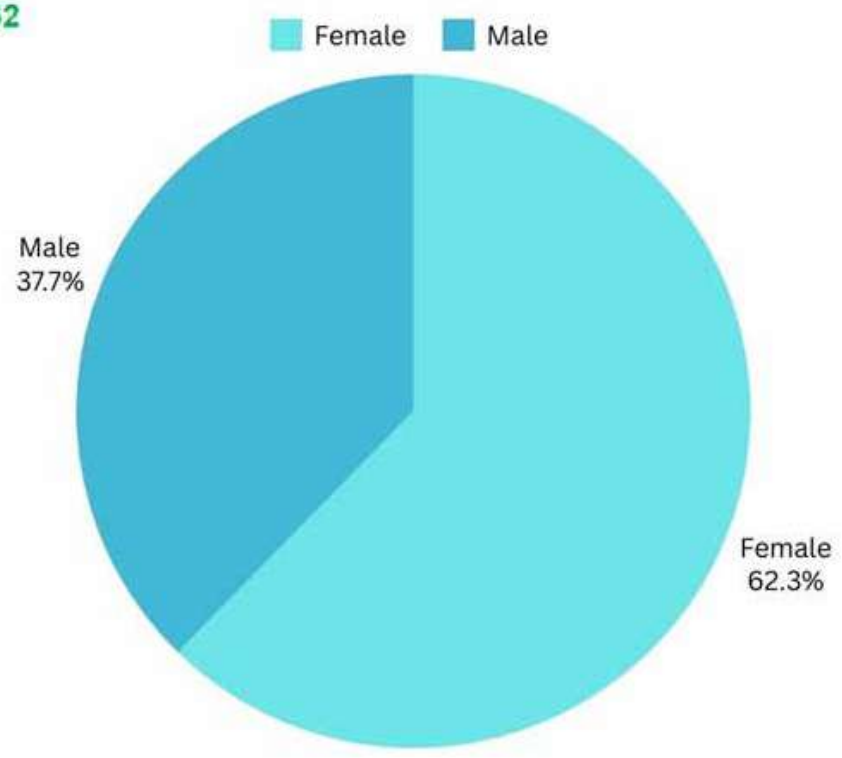

Skill development on Fundamentals of Molecular Biology (27-31 May 2024)

यूसर्क द्वारा Fundamentals of Molecular Biology विषय पर पांच दिवसीय Skill Development Training कार्यक्रम का आयोजन CSIR-IMTECH Chandigarh में किया गया। कार्यक्रम से पूर्व उत्तराखंड राज्य के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों यथा– राजकीय (पी जी) कॉलेज, पुरोला, उत्तरकाशी, पं0ल0मो0 शर्मा श्री देव सुमन विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश, CIMS, देहरादून के 15 छात्र–छात्राओं को यूसर्क के सभागार में निदेशक प्रो0 (डॉ) अनिता रावत ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यूसर्क द्वारा निरंतर विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन राज्य के अंदर एवं राज्य के बाहर स्थित शोध संस्थानों के सहयोग से किया जा रहा है जिसका लाभ हमारे राज्य के विद्यार्थियों को प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने DNA Isolation Methods, Polymerage Chain Reaction (PCR), Quantitative Polymerage Chain Reaction (qPCR), Agarose Gel Electrophoresis आदि Methods पर Hands on Training प्राप्त की एवं कार्यक्रम को बहुत उपयोगी बताया। विद्यार्थियों ने कहा कि उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में Molecular Biology के Fundamentals को प्रयोगात्मक रूप से सीखा तथा इस प्रकार के प्रशिक्षण हमे शोध कार्यों के साथ–साथ करियर हेतु एक सही दिशा प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

Environmental Technology (29-31, May 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा Water Science & Environmental Technology विषय पर सस्टेनेबिलिटी क्लस्टर, यूपीईएस, देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रोफेसर (डा0) अनीता रावत** ने कहा कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों में पर्यावरण विज्ञान से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रयोगात्मक प्रशिक्षण इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रदान किया जा रहा है जिससे उनमें वैज्ञानिक अभिरुचि एवं नवाचार की भावना विकसित होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूपीईएस के प्रेसीडेंट डॉ सुनील राय ने कहा कि इस प्रशिक्षण के द्वारा विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सिद्धांत प्रयोगात्मक रूप से सीखने को मिलेंगे। यूसर्क वैज्ञानिक डॉ0 भवतोष शर्मा ने कहा आज Environmental Technology एक बहुत महत्वपूर्ण विषय हो चुका है जिसका मूलभूत ज्ञान एवं प्रायोगिक ज्ञान दोनों का होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय (पी.जी.) कॉलेज उत्तरकाशी, पुरोला, चिनयालीसौड, श्री देव सुमन विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश, डी. ए.वी. कॉलेज देहरादून, डी बी एस पीजी कॉलेज देहरादून, उत्तरांचल यूनिवर्सिटी देहरादून के 25 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है। प्रशिक्षण के अन्तर्गत छात्रों द्वारा **"सस्टेनेबल गोल्स, क्लाइमेट चेंज एंड इम्पैक्ट ऑन एनवायरनमेंट", "वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट एंड इटस एडवांस्ड टेक्नोलॉजी", "वाटर क्वालिटी मोनिटरिंग एंड ट्रीटमेंट"** Atomic Absorption पर हैंडस ऑन ट्रेनिंग प्राप्त की।

"Field Based Plant Taxonomy" (05-09 Aug 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा् भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान, देहरादून के सहयोग से स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिये साप्ताहिक प्लांट टैक्सोनॉमी विषय पर हैण्डस ऑन ट्रेनिंग का **वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान, देहरादून** में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि देश में पादपों की सही पहचान के लिये टैक्सोनॉमिस्ट बहुत कम है, जिसके लिये हमें विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। प्लांट टैक्सोनॉमी के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रयोग एवं बेसिक साइंस के समावेश से युवा वैज्ञानिकों को नई दिशा प्रदान की जा सकेगी।** कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में **डा0 देवेन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष, उच्च शिक्षा उन्नयन समिति** द्वारा कहा गया कि किसी भी पौधे पर शोध एवं अध्ययन के लिये सही पहचान करना अति आवश्यक है, जिसके लिये यूसर्क द्वारा प्लान्ट टैक्सोनोमी पर प्रशिक्षण महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे विद्यार्थियों की रूचि भी जागृत होगी। इसके साथ ही उनके द्वारा युवाओं के कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास पर बल दिया गया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि **वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान के विभागाध्यक्ष डा0 एस0 के0 सिंह** ने प्लांट टैक्सोनोमी के अध्ययन के महत्व को विस्तार से समझाया। उनके द्वारा कहा गया कि टैक्सोनोमी एक वृहद विषय है व वनस्पतिशास्त्र की प्राचीनतम आधारभूत शाखा है जिसके अन्तर्गत किसी भी पौधे के समुचित और समग्र अध्ययन करने से पूर्व पौधे के सही वैज्ञानिक नाम और पादप जगत में उसकी वर्गीकीय स्थिति की जानकारी आवश्यक है। वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान के **वैज्ञानिक डा0 समीर पाटिल** द्वारा तकनीकी व्याख्यान में प्लांट टैक्सोनोमी के आधारभूत ज्ञान, पादपों की संरचना, पहचान, वर्गीकरण एवं पादप विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए यूसर्क डा0 मन्जू सुन्दरियाल, वैज्ञानिक ने कहा कि पादपों के समुचित प्रबन्धन एवं संरक्षण हेतु प्लान्ट

टैक्सोनोमी अध्ययन अति महत्वपूर्ण है जो विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण की सम्भावनाओं में सहायक बताया। **दिनांक 09 अगस्त 2024** को समापन कार्यक्रम में उन्होंने इस साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में वनस्पति सर्वेक्षण संस्थान में प्लांट टैक्सोनॉमी के 15 विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिकों के द्वारा व्याख्यान एवं हैण्डस ऑन ट्रेनिंग प्रदान की गयी। प्लांट टैक्सोनॉमी के नियम, नामकरण उत्तराखण्ड की स्थानीय वनस्पतियां, फ्लोरल डायग्राम, मेकिंग की टैक्सोनॉमी तकनीकी, डी०एन०ए० बारकोडिंग के बारे में विस्तार में प्रयोगात्मक तरीके से समझाया। इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों को हर्बल गार्डन, म्यूजियम एवं हरबेरियम लैब का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम में **06 शिक्षण संस्थाओं यथा– पं0 एल0एम0एस0 कॉलेज (श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय) ऋषिकेश, राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल, आई0पी0जी0जी0 कॉलेज हल्द्वानी, एस0जी0आर0आर0 विश्वविद्यालय, ग्राफिक ऐरा हिल विश्वविद्यालय के 30 प्रतिभागियों** द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Skill development on "Apiculture (Bee keeping)" (05-10 Aug 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) एवं जन्तु विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में **राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल** में साप्ताहिक मौन पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री **डा0 धन सिंह रावत जी** द्वारा राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल में आयोजित उक्त प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजन हेतु यूसर्क की प्रशंसा की। उक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डा0 संजीव राय निदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा अपने सम्बोधन में मौन पालन से जुड़े लाभ के बारे में बताया और कहा कि मौनपालन रोजगार का प्रमुख जरिया बन सकता है। कार्यक्रम में जन्तु विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ0 दुदुन मेहता ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने मौन पालन में नयी तकनीक के विषय में जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय के प्राचार्य रेनू रानी बंसल ने इस साप्ताहिक कार्यक्रम के आयोजन को बहुत उपयोगी बताते हुये यूसर्क के प्रयासों की सराहना करते हुये प्रशिक्षणार्थियो को इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बताते हुये उनसे इस प्रशिक्षण का लाभ उठाकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने को कहा। कार्यक्रम में **20** प्रशिक्षणार्थियों एवं समस्त प्राध्यापक एवं स्थानीय जन सहित **70** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Skill development on "Apiculture (Bee keeping)" (09-13 Sep 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा हिमालय दिवस के अवसर पर **दिनांक 09 सितम्बर 2024** को उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मौन पालन विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ **खादी और ग्रामोद्योग आयोग** के सहयोग से आयोग के देहरादून स्थित सभागार में किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो (डा0) अनीता रावत** द्वारा हिमालय दिवस की शुभकामनायें देते हुये कहा कि हिमालय संरक्षण के लिये हमको Bottom up approach के साथ मिलकर कार्य करना होगा। प्रो0 रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आत्मनिर्भर बनाने एवं हिमालय की जैवविविधता के संरक्षण में मौन पालन प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण बताया। उन्होने कहा कि हमें अपनी एग्रोईकोलोजी को मजबूत बनाना होगा तथा परम्परागत ज्ञान के साथ हिमालय संरक्षण संबंधी कार्यो को आगे बढाना होगा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मधुमखियां न केवल मनुष्यों के लिये अपितु पूरे पर्यावरण में सन्तुलन बनाये रखने के लिये अत्यन्त आवश्यक है। प्रशिक्षण कायक्रम में डॉ0 मन्जू सुन्दरियाल, वैज्ञानिक यूसर्क द्वारा हिमालय के संरक्षण एवं मानव जीवन को सुरक्षित रखने में मौन पालन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर भूमिका प्रस्तुत की गई। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य के 4 जिलो से 6 संस्थानों– **B.S.R. Govt. PG College. Rikhnikhal, Pauri Garhwal, R.C.U. PG College, Uttarkashi, Govt. PG. College Satpuli, D.U.D. College, Narendra Nagar, Tehri, Maya Devi Iniversity, Dehradun, Dolphine PG Institute, Dehradun** के 42 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि खादी ग्रामोद्योग विभाग देहरादून के निदेशक डॉ0 संजीव राय ने अपने सम्बोधन में लघु उद्यम स्थापित करने के लिये भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में मधुमक्खियों की प्रजातियां, उपयोगिता, संरक्षण, एवं मौन पालन हेतु प्रायोगिक ज्ञान के साथ शहद के प्रसंन्सकरण, उत्पाद वर्धन, विपणन एवं लघु उद्यम स्थापित करने की जानकारी प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम में हिमालय दिवस के संरक्षण के लिये समस्त प्रतिभागियों द्वारा हिमालय प्रतिज्ञा ली गयी एवं फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में कुल 75 प्रतिभागियो द्वारा प्रतिभाग किया गया।

"Integrated Chemical Analytical Techniques" (23-28 Sep 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा "Hands on Training program on Integrated Chemical Analytical Techniques" (रासायनिक विश्लेषण की एकीकृत विधियां) विषय पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन डाल्फिन इंस्टिट्यूट, देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर **यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अनीता रावत** ने कहा कि यूसर्क का प्रयास है कि प्रदेश केन्द्रित शोध एवं विकास को राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय समन्वय के साथ स्थापित किया जाना है जिस हेतु छात्रों की क्षमता वृद्धि एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी ज्ञान आवश्यक है। प्रो0 रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक एवं शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से Research Based Learning पर फोकस करते हुये हैण्डस ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन प्रदेश के समस्त जनपदों में अध्यनरत विद्यार्थियों के लिये निरन्तर कराया जा रहा है। कार्यक्रम में यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने कहा कि बेसिक साइंस व टैक्नोलॉजी एवं उसके अनुसंधानों के परिणामों को आगे बढ़ाते हुये छात्रों में वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न करते हुये उन्हें प्रयोगिक ज्ञान द्वारा पारंगत बनाए जाने को यूसर्क द्वारा लगातार विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण संचालित किए जा रहे हैं। तकनीकी सत्र में डॉल्फिन संस्थान की प्रोफेसर वर्षा पारचा ने **"Exploring Spectroscopy: Techniques and Applications"** विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों द्वारा विभिन्न तकनीकों यथा– HPLC, GC-MS, XRD, PH, Conductometer इत्यादि पर Hands-on प्रशिक्षण प्रापत किया। कार्यक्रम में प्रदेश के तीन जनपदों के उच्च शिक्षण संस्थाओं यथा– **राजकीय महाविद्यालय अगस्तमुति, रूद्रप्रयाग, राजकीय महाविद्यालय पुरोला, उत्तरकाशी, राजकीय महाविद्यालय सतपुली, पौड़ी गढ़वाल, डी0बी0एस0 कॉलेज, देव भूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय तथा डॉल्फिन देहरादून के 40 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों सहित 60** से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे।

Skill development on "Mushroom Cultivation" (24-28 Oct 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) द्वारा टैक्जीन प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान के सहयोगातमक रूप से को पांच दिवसीय **मशरूम की खेती** पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूसर्क निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अनिता रावत ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उत्तराखंड के छात्रों को मशरूम की सफल खेती के लिए आवश्यक तकनीकी ज्ञान के साथ साथ उनका व्यावहारिक कौशल विकास करना भी है। मशरूम की खेती आय का साधन होने के साथ ही यह बेहतर पोषण का भी स्रोत है। उन्होंने कहा यूसर्क द्वारा प्रतिमाह विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिससे राज्य के विद्यार्थियों का कौशल विकास हो रहा है और करियर को दिशा मिल रही है। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जिलों से आए 20 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

Skill development on "Apiculture (Bee keeping)" (05-09 Nov 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा दिनांक 05 से 09 नवम्बर 2024 तक खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत "Five days Hands on Training program on Bee keeping" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भारत सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय, रिखणीखाल **(पौड़ी गढ़वाल)** में किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रो0 डा0 अनीता रावत द्वारा अपने वर्चुवल सम्बोधन में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर परक शिक्षा की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि मधुमक्खी पालन एक ऐसा ही व्यवसाय है, जो कम खर्चीला घरेलू उद्योग है। इस क्षेत्र में रोजगार की असीम सम्भावनायें है और जो मानव जाति को लाभान्वित भी कर रहा है।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **डॉ0 बी0पी0 उनियाल, संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग** द्वारा बताया कि यह मौन पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण एवं आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण होगा। उन्होने कहा कि यह एक ऐसा रोजगार है, जिसे समाज के प्रत्येक वर्ग के लोग अपनाकर लाभान्वित हो सकते हैं। मधुमक्खी पालन, कृषि व बागवानी उत्पादन बढ़ाने की क्षमता भी रखता है। डॉ0 विपिन पंवार, असि0प्रो0 द्वारा कहा गया कि इस प्रशिक्षण से युवाओं में कौशल विकास के तहत कृषि आधारित रोजगार के चयन में सहायता मिलेगी। यूसर्क की वैज्ञानिक डॉ0 मन्जू सुन्दरियाल द्वारा यूसर्क की समस्त वैज्ञानिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया एवं मौन पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया गया। उन्होने सम्पूर्ण जगत में जैवविविधता के संरक्षण में मधुमक्खियों के महत्व मानवता के लिए उनकी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और मधुमक्खी अनुकूल वनस्पतियों की भूमिका पर जोर दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 मनोज उप्रेती द्वारा कहा गया कि मधुमक्खी पालन, कृषि व बागवानी उत्पादन बढ़ाने की क्षमता भी रखता है। कार्यक्रम में 65 प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

"Integrated Analytical Techniques in Biosciences" (25-29 Nov 2024)

यूसर्क द्वारा अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान एम्स, ऋषिकेश तथा पं0 ल0मो0 शर्मा, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश के सहयोग से दिनांक 25 से 29 नवम्बर 2024 तक पांच दिवसीय 'Integrated Analytical Techniques in Biosciences' विषय पर Hands on Training का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों यथा– GRD, Dehradun, D.A.V. PG College, Dehradun, Deb Bhoomi Uttarakhand University, Dehradun, Govt. PG Collegee New Tehri, Dhanori PG College, Haridwar तथा पं0 ल0मो0 शर्मा, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर के 30 छात्रों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। यूसर्क की निदेशक प्रो. (डॉ) अनीता रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक रूप से विज्ञान की विभिन्न विधाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के करियर, उद्यमिता विकास को केन्द्रित करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है जिसमें प्रदेश भर के छात्र छात्राओं को सीखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। प्रोफेसर रावत ने कहा कि एक्सपीरेनसियल लर्निंग हेतु विभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है।

समापन कार्यक्रम में यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने कहा कि जैव विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न आधुनिक विश्लेषण विधियों को सीखना छात्र छात्राओं को न केवल तकनीकी दक्षता प्रदान करेंगी बल्कि उनके करियर को भी दिशा देंगीं। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा लगातार विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें प्रदेश के युवाओं को सीखने के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। संकायाध्यक्ष विज्ञान एवं प्रो0 गुलशन कुमार ढींगरा ने बताया कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाएगा। डॉ दीपक पांडे ने "हेल्थ प्रमोशन थ्रो हेल्दी लाइफ स्टाइल इन अर्ली ऐज" विषय पर रोचक ढंग से विस्तार से बताया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रोफेसर, फैकल्टी, और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं सहित 100 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

"Bioinformatics for Genomic Analysis" (26-30 Nov 2024)

यूसर्क द्वारा **दिनांक 26–30 नवम्बर 2024** तक देवभूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय में **Bioinformatics Genomic Analysis** विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि यूकेपीएससी के भूतपूर्व अध्यक्ष और उत्तराखंड स्टेट बायोटेक्नोलॉजी विभाग के पूर्व निदेशक प्रोफेसर डॉ जगमोहन सिंह राणा ने कहा कि मानव स्वास्थ्य में सुधार, दवा विकास और कृषि क्षेत्र में बायोइन्फॉर्मेटिक्स और जीनोमिक विश्लेषण का अत्यधिक महत्व है और आधुनिकता के साथ साथ नई तकनीकी इस क्षेत्र में काफी कारगर साबित हो रही है, जिसे देखते हुये यूसर्क ने देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर छात्रों को बायोइन्फॉर्मेटिक्स को बढ़ावा देने के लिए एक सराहनीय पहल की है। यूसर्क **निदेशक प्रोफेसर (डॉ0) अनीता रावत** ने कहा कि बायोइन्फॉर्मेटिक्स एक व्यापक क्षेत्र है, जो समाज कल्याण और पर्यावरण विज्ञान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसलिए उत्तराखंड में पहली बार इस तरह की कार्यशाला आयोजित की जा रही है, जिसमें पूरे उत्तराखंड राज्य से छात्रों का चयन किया गया है। जिन्हें बायोइन्फॉर्मेटिक्स की बारीकियों को सीखने का अवसर प्राप्त होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजकीय महाविद्यालय के **30 छात्रों** द्वारा प्रतिभाग किया गया।

"Molecular Biology and its Application" (20-24 Jan 2025)

यूसर्क द्वारा **दिनांक 20–24 जनवरी 2025** तक टैक्जीन संस्था के साथ संयुक्त रूप स उच्च शिक्षण संस्थानो के विद्यार्थियों के लिये **"Molecular Biology and its Application"** विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभांरभ अवसर पर यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डॉ0) अनीता रावत** ने अपने सम्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा स्नातक, स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए यह पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के विद्यार्थियों के लिये इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम **"Capacity Building and Learner Centric Approach"** के साथ निरन्तर सम्पादित किये जा रहे है, जिसमें राज्य के सीमांत भागों के विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट के साथ–साथ प्रयोगात्मक रूप से दक्ष बनाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में वक्ताओं द्वारा कौशल प्रशिक्षण आज समय की जरूरत है। युवाओं को शिक्षित होने के साथ अपने क्षेत्र में कुशल होने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों द्वारा Molecular Biology विषय से सम्बन्धित विभिन्न तकनीकों यथा– Geomic, DN Isolation, Real time PCR, DNA Quantification and Gel Electrophoresies, Primer Derigning, Protein Isolation इत्यादि मूलभूत वैज्ञानिक जानकारियों के साथ ही प्रयोगात्मक शोध और अनुसंधान कार्यों को सीखने का अवसर मिला। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों गोपेश्वर, अगस्तमुनि, कोटद्वार, काशीपुर व हल्द्वानी के 20 छात्र–छात्राओं द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया जा रहा है।

Faculty Development Programme (21-27 Jan 2025)

"Multi & Disciplinary Education & Research with Emphasis on Indian Knowledge System"

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा **"Multi & Disciplinary Education & Research with Emphasis on Indian Knowledge System"** विषयक साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन मदरहुड विश्वविद्यालय, रुड़की के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) जे.एम.एस. राणा ने **"Indian Knowledge System based Education & Research"** विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय ज्ञान विज्ञान आधारित शिक्षण को वर्तमान सन्दर्भ में बहुत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा पाठयक्रम तक ही सीमित नहीं है अपितु अपने अंदर की अनवरत जिज्ञासा को जीवित रखना ही शिक्षा है। उन्होंने समय–समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए जिससे कि अध्यापकों को नई–नई शिक्षा तकनीकियों की जानकारी प्राप्त होती रहे। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत उपयोगी है।

कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत** ने अपने उद्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों के साथ–साथ शिक्षकों के लिए भी कई वैज्ञानिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के माध्यम से विभिन्न नयी–नयी वैज्ञानिक विधाओं और ज्ञान से विशेषज्ञों के द्वारा शिक्षकों को लाभान्वित किया जा रहा है तथा शिक्षकों के लिए विभिन्न एक्सपोजर विजिट का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रो. रावत ने सभी प्रतिभागियों को नई शिक्षा नीति, स्किल डेवलपमेंट, पेपर पब्लिकेशन और पेटेंट इत्यादि के बारे में बताया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों दिल्ली विश्वविद्यालय गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, आईआईटी रुड़की, डीएवी कॉलेज देहरादून, पंतनगर विश्वविद्यालय पंतनगर से आए **200** से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया।

Workshop (24-25 May 2024)
"Water Science & Technology"

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा दिनांक 24–25 मई 2024 को यूसर्क सभागार में रूकूल के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय **"Water Science & Technology"** कार्यशाला का आयोजन यूसर्क सभागार में किया गया। जल विज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को जल के विभिन्न आयोमों जैसे जल की गुणवत्ता का अध्ययन, जल संरक्षण, जलस्रोतों का संवर्धन आदि को विभिन्न व्याख्यानों हैण्डस ऑन ट्रेनिंग, फील्ड विजिट आदि के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो (डॉ) अनीता रावत** ने अपने संबोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा निरंतर विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिससे विद्यार्थियों के कौशल विकास के साथ साथ अच्छे करियर की दिशा भी प्राप्त हो रही है साथ ही प्रयोगात्मक रूप से सीखने से उनमें वैज्ञानिक अभिरुचि भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जल विज्ञान के महत्त्व को देखते हुए इस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विद्यार्थियों के लिए किया गया है।

कार्यशाला में यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने **"जलस्रोतों के संरक्षण की विधियां एवं प्रयोगशाला व फील्ड में उनकी गुणवत्ता अध्ययन"** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बफर विलयन बनाना, स्टैंडर्ड विलयन, टाइट्रेशन, सूचक आदि के विषय में बताया तथा विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करना सिखाया। जल के पीएच एवं हार्डनेस को विद्यार्थियों ने स्वयं ज्ञात करना सीखा। उन्होंने पानी की गुणवत्ता से हमारे शरीर का सीधा संबंध है तथा जल के भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों का ज्ञान होना बहुत जरूरी है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर यूसर्क वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने **"ग्राउंड वाटर मैनेजमेंट एवं रिचार्ज में आईसोटोप टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग"** विषय पर व्याख्यान देते हुये कहा कि प्रदूषण के स्रोत का पता भी इस तकनीकी की सहायता से किया जा सकता है। पानी में हाइड्रोजन, ऑक्सीजन के अलावा कार्बन, नाइट्रोजन, क्लोरीन के विभिन्न आइसोटोप की उपस्थिति एवं उनके भिन्न–भिन्न अनुपातों के अध्ययन जल विज्ञान के क्षेत्र बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। जल की गुणवत्ता के विभिन्न मानकों नाइट्रेट, फ्लोराइड, कैलसियम, हार्डनेस, क्लोराइड, रेसीडुअल फ्री क्लोरीन, फीकल कोलिफॉर्म, आयरन आदि का परिक्षण करना बताया एवं मानव स्वास्थ्य पर इनके प्रभाव बताये तथा वॉटर ट्रीटमेंट की विधियाँ समझाई। उपस्थित प्रतिभागियों ने अपने अपने प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम में **फूल चंद्र नारी शिल्प गर्ल्स इंटर कॉलेज, एम के पी इंटर कॉलेज, द ओएसिस शिक्षण संस्थान देहरादून, डी ए वी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल हरिद्वार के 25** प्रतिभागियों सहित कार्यक्रम में कुल **40** लोग उपस्थित थे।

Workshop on Know the Water
(03-04 Sep 2024)

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा हिमालय दिवस के अंतर्गत **राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता** के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय "पानी को जानो'' (Know the Water) कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। यूसर्क की **निदेशक प्रो (डॉ) अनीता रावत** ने कार्यक्रम के आयोजन पर हिमालय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हिमालय के संरक्षण हेतु कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि हिमालय हम सब के जीवन का रक्षक होने के साथ साथ प्रेरणा का स्रोत भी है। इसकी जैव विविधता व अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु कार्य करना होगा तथा हमको पर्यावरण संबंधी अपने परंपरागत ज्ञान के साथ साथ आधुनिक टेक्नोलॉजी के प्रयोग के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि हिमालय से ही जल संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति होती है इसलिए हिमालयी क्षेत्र के जल स्रोतों का संरक्षण बहुत आवश्यक है।
कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता, देहरादून के **प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ0) विनोद प्रकाश अग्रवाल** ने इस अवसर पर कहा कि आज हम सभी को मिलकर हिमालय के संरक्षण की दिशा में कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा प्रकृति के संरक्षण से हम अपने आसपास और हिमालयी क्षेत्र को सुन्दर बना सकते हैं जिससे मानव जीवन सुरक्षित हो सकेगा। कार्यक्रम में **100** से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Five days Mathematics Teachers Orientation Camp-2025 (17-21 Feb 2025)

यूसर्क द्वारा गणितीय शिक्षकों हेतु पांच दिवसीय Mathematics Teachers Orientation Camp-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य को विभिन्न जिलों से चयनित 14 गणितीय शिक्षकों को यूसर्क कार्यालय में दिनांक 16 फरवरी 2025 में एकत्रित कर IISER मोहाली हेतु भेजा गया।

इस अवसर पर निदेशक यूसर्क **प्रो0 (डॉ) अनीता रावत** द्वारा बताया गया कि यूसर्क एवं के मध्य विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों हेतु एम.ओ.यू. किया गया है, जिसके तहत यूसर्क द्वारा IISER मोहाली के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 17–21 फरवरी 2025 तक गणितीय शिक्षकों हेतु पॉच दिवसीय Mathematics Teachers Orientation Camp 2025 का आयोजन IISER मोहाली में किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम हेतु गूगल फॉर्म के माध्यम से यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्रो से जुड़े विद्यालयों एवं अन्य विद्यालयों के गणितीय शिक्षकों से यूसर्क द्वारा आवेदन आमंत्रित कर 14 शिक्षकों का चयन किया गया है। उक्त ओरिएंटेशन कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जनपदों के विद्यालयों यथा– राजकीय इंटर कॉलेज खेतीखान चंपावत; आर्य कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार; राजकीय इंटर कॉलेज, गंगोलीहाट; राजकीय इंटर कॉलेज, उप्पू टिहरी गढ़वाल एवं राजकीय इंटर कॉलेज, मंगोली नैनीताल के 14 गणितीय शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

BANG
0,96 Å
104°27'
1,515 Å

Digital Learning Platform

यूसर्क द्वारा तकनीकी ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से Digital learning Platform को स्थापित किया गया है, जिसके अन्तर्गत छात्रों हेतु ICT Orientation Programme एवं Online व्याख्यानों का प्रतिमाह संचालन किया जा रहा है, जिसमें राज्य के सीमान्त भागों तक के छात्र छात्राओं तक विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार संबंधी वैज्ञानिक गतिविधियों को तकनीकी के प्रयोग से पहुंचाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विशेषज्ञों द्वारा छात्र–छात्राओं को प्रौद्योगिकी की विभिन्न विषयों पर नवीन जानकारियां प्रदान की जा रही है। अद्यतन इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 05 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर 725 छात्र–छात्राओं को लाभान्वित किया गया है।

ICT- Orientation Programme (06-10 May 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), द्वारा **Digital Learning Platform** के अन्तर्गत विद्यार्थियों के लिये प्रयोगात्मक प्रशिक्षण हेतु पांच दिवसीय आईसीटी ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन **राजकीय इंटर कॉलेज बड़ोवाला जोलीग्रांट, देहरादून** में दिनांक 06 से 10 मई 2024 तक किया गया, जिसमें छात्र–छात्राओं को कंप्यूटर के संबंध में मूलभूत जानकारी के साथ ही एमएस वर्ड, एक्सल, पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन, इंटरनेट, वेबसाइट, विभिन्न प्रकार के ब्राउजर, साइबर सिक्योरिटी इत्यादि विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम के समापन समारोह के अवसर पर यूसर्क द्वारा विद्यालय में एक वृहद वैज्ञानिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। यूसर्क निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने अपने संदेश में उक्त कार्यक्रम के सफल संचालन पर टीम को बधाई दी। कार्यक्रम में यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने अपने संबोधन में आधुनिक युग में प्रयुक्त होने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डाटा साइंस, डाटा स्ट्रक्चर इत्यादि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। डॉक्टर नौटियाल ने यूसर्क द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों के विषय में विस्तार पूर्वक बताया तथा छात्र–छात्राओं से उक्त कार्यक्रमों से स्वयं को लाभान्वित करने का आवाहन किया। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 राजेन्द्र सिंह राणा ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने तकनीकी ज्ञान को लगातार बढ़ाते रहना चाहिये। कार्यक्रम में यूसर्क की **ICT** टीम के विशेषज्ञ ई0 उमेश जोशी, ई0 ओमप्रकाश जोशी व ई0 राजदीप जंग द्वारा उपस्थित छात्र–छात्राओं को हैंड्स ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती कविता नौटियाल ने यूसर्क द्वारा अपने विद्यालय में विभिन्न संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया गया कि विद्यालय के विधार्थियों के द्वारा विद्यालय में स्थापित यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र में महत्वपूर्ण गतिविधियों में सक्रिय प्रतिभाग कर उक्त केन्द्र उनके ज्ञानवर्धन एवं उनके कौशल विकास में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्रम में कुल **50** से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रो केमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (CIPET) (17 May 2024)

``सीपेट में उत्तराखंड के विद्यार्थियों के अध्ययन एवं करियर के अवसर''

यूसर्क के **डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म** के अन्तर्गत देहरादून के डोईवाला स्थित सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रो केमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी **(CIPET)** में उत्तराखंड के विद्यार्थियों हेतु अध्ययन एवं करियर के अवसर विषय पर ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। **कार्यक्रम में यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर (डा0) अनीता रावत** ने कहा कि यूसर्क उत्तराखंड राज्य के विद्यार्थियों के कौशल विकास, नवाचार एवं उनके करियर को सही दिशा देने के उद्देश्य के साथ राज्य तथा राज्य के बाहर अवस्थित विभिन्न शोध, अनुसंधान एवं शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है। इसी दिशा में आज **CIPET** संस्थान (भारत सरकार) के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से हमारे राज्य के विद्यार्थियों को इसका लाभ प्राप्त होगा। **CIPET** के संयुक्त निदेशक श्री अभिषेक राजवंशी ने अपने संबोधन में बताया कि सीपेट में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अध्ययन के साथ साथ उनके कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है जिससे उनका अच्छे स्थानों पर शत प्रतिशत प्लेसमेंट हो जाता है। **CIPET** के विशेषज्ञ श्री शादाब ने संस्थान में चलने वाले विभिन्न पाठयक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया तथा सीपेट में प्रयोगात्मक रूप से सिखाये जाने वाले कौशल विकास कार्यक्रमों एवं अन्य सभी गतिविधियों पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, यूसर्क के विज्ञान चेतना केंद्रों के शिक्षकों सहित **250 से अधिक** छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

हिमालय दिवस (07 सितंबर 2024)

विशेषज्ञ व्याख्यान: "Biodiversity Conservation in Himalayan Region"

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा को हिमालय दिवस के उपलक्ष में यूसर्क के **डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म** के अंतर्गत **"Biodiversity Conservation in Himalayan Region"** विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की **निदेशक प्रो (डॉ) अनीता रावत** ने कार्यक्रम के आयोजन पर हिमालय दिवस के संरक्षण हेतु एकत रूप से **Bottom up Approach** के साथ कार्य करने को कहा जिससे हिमालय के पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण किया जा सके।

कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के पर्यावरण विज्ञान विषय के एसोसिएट प्रोफेसर (डॉ0) रोमेश शर्मा ने **"Biodiversity Conservation in Himalayan Region"** विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान में हिमालय की जैव विविधता, पारिस्थितिकी, **Flora, Fauna**] नंदा देवी रिजर्व आदि को विस्तार से बताया तथा इनके संरक्षण हेतु कार्य योजना बतायी। कार्यक्रम में यूसर्क के वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने करते हुए बताया कि हिमालयी क्षेत्रों में जलस्रोतों का संरक्षण सभी की सहभागिता से करना आवश्यक है जिससे यहां की जैव विविधता का संरक्षण भी किया जा सकेगा। यूसर्क वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश नौटियाल ने करते हुए हिमालय दिवस पर सभी को इसके संरक्षण हेतु संकल्पित होने का आव्हान किया। इस अवसर पर यूसर्क विज्ञान चेतना केंद्रों के 45 प्रभारी शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, विद्यालयों के विद्यार्थियों सहित **100** से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे।

Workshop (24 June 2024)
"Effective Research Proposal Strategies"

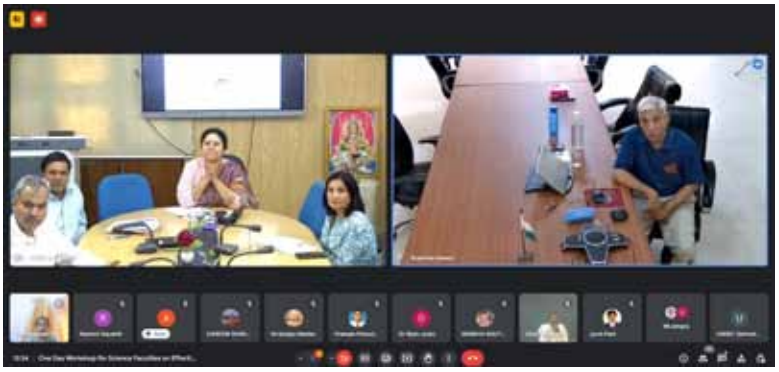

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून द्वारा **"Effective Research Proposal Strategies"** विषय पर राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापकों के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने अपने सम्बोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा राज्य में शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिये लगातार प्रयास किया जा रहा है। प्रो0 रावत ने कहा कि इसी के संदर्भ में यूसर्क द्वारा स्थापित डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म के अन्तर्गत "Effective Research Proposal Strategies" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसमें आज विज्ञान विषयों के शिक्षकों हेतु विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया जा रहा है। प्रोफेसर रावत ने बताया कि आने वाले समय में Arts, Commerce, Humanities आदि विषयों पर भी गुणवत्तापूर्ण अच्छे शोध प्रस्तावों को कैसे बनाया जाए, पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।** कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विशेषज्ञ समिति के नामित सदस्य तथा पंजाब विश्वविद्यालय में स्थापित **DST & Technology Enabling Centre** के Mentor **प्रो0 रूपेन्दर तिवारी** ने **"Pointers for seeking funds for Research Proposal"** विषय पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो0 रूपेन्दर तिवारी ने शोध प्रस्ताव लिखने, प्रस्ताव के विभिन्न तत्वों, बारीकियों, भारत सरकार की विभिन्न वित्तदायी संस्थाओं के विवरण के साथ–साथ प्रस्ताव तैयार करने में रखी जाने वाली सावधानियों आदि पर विस्तार से बताया। कार्यक्रम के अन्त में प्रतिभागियों द्वारा अपने अपने प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक डॉ भवतोष शर्मा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक डॉ ओम प्रकाश नौटियाल ने किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षण संस्थानों के **225** से अधिक शिक्षकगणों ने प्रतिभाग किया।

Unveiling the opportunities for pursuing scientific career with IISERs
(01 May 2024)

यूसर्क द्वारा **डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म** के अन्तर्गत **Indian Institute of Science Education and Research, (IISERs),** मोहाली में उत्तराखण्ड के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं शोध कार्यो में प्रवेश एवं उनके करियर हेतु "उत्तराखण्ड राज्य के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसर" विषयक एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** ने कहा कि यूसर्क द्वारा IISER, मोहाली के साथ **MoU** किया गया है, जिससे राज्य के विद्यार्थियों को उनके शिक्षण एवं शोध कार्यो हेतु सही स्थान एवं उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। उन्होने कहा कि यूसर्क का प्रयास है कि राज्य एवं राज्य के बाहर भी विभिन्न उच्चस्तरीय शिक्षण एवं शोध संस्थानों का लाभ उत्तराखण्ड राज्य के विद्यार्थियों को प्राप्त हो तथा उनको उनकी रूचि के अनुरूप करियर बनाने हेतु विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त हो। **IISER, मोहाली के वरिष्ठ प्रोफेसर डा0 अमित कुलश्रेष्ठ** ने संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न बैचलर एवं मास्टर प्रोग्राम, पी0एच0डी0 प्रोग्राम आदि में प्रवेश से जुड़ी विभिन्न जानकारियों को साझा करते हुये विद्यार्थियों के प्रश्नों का समाधान किया। कार्यक्रम में यूसर्क वैज्ञानिक डा0 ओम प्रकाश नौटियाल ने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों के लिये आईआईएसईआर, जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश निसंदेह उनको लाभ प्रदान करेगा। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के **200** से अधिक छात्र छात्राओं, शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

यूसर्क द्वारा विभिन्न कान्क्लवों का आयोजन

चतुर्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अध्यापक कान्क्लेव (दिनांक 23 सितम्बर 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा **दिनांक 28 सितम्बर 2024** को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अध्यापक कान्क्लेव का आयोजन देहरादून स्थित आई0आर0डी0टी0 सभागार में किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रोफेसर अनीता रावत** ने अपने संबोधन में कहा कि यूसर्क द्वारा राज्य के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिये नवाचार, सजृनात्मकता, प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा आदि को केन्द्रित करते हुये ग्रास रूट लेवल पर विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियां पूरे प्रदेश में लगातार विभिन्न शिक्षण एवं शोध संस्थानों के साथ मिलकर सम्पादित की जा रही हैं। साथ ही यूसर्क द्वारा राज्य के विभिन्न विद्यालयों में 200 विज्ञान चेतना केन्द्र, 82 स्टैम लैब स्थापित की गई है। प्रोफेसर रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार, तथा कौशल व उद्यमिता विकास के क्षेत्र में विशिष्ट एवं अनुकरणीय कार्य करने वाले उत्तराखण्ड राज्य के चयनित **09 शिक्षकों को चतुर्थ 'उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान' 2024–25** से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का चिंतन कौशल एवं सृजनात्मकता छात्रों में नवाचार, क्षमतावृद्धि और उद्यमिता विकास में सहायक होंगे। इसी विचार धारा के अन्तर्गत यूसर्क द्वारा विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा0 **कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार श्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल** ने अपने उदबोधन में यूसर्क द्वारा आयोजित चतुर्थ 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अध्यापक कानक्लेव' में 'उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान' हेतु चयन किये गये शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने शिक्षकगणों द्वारा किये जा रहे नवाचारी शिक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों से प्रदेश को अग्रणी बनाने में निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। श्री अग्रवाल ने यूसर्क द्वारा विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान की दिशा में किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि हमारे द्वारा किये गये कार्यों से उत्तराखण्ड देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करेगा। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में **महानिदेशक, विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड सुश्री झरना कमठान, (आई.ए.एस.)** ने अपने उदबोधन में कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षण कार्य के साथ–साथ समाज को एवं देश को दिशा प्रदान करने का कार्य करते हैं। उन्होंने यूसर्क द्वारा विगत तीन वर्षों से किये जा रहे 'उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान' के आयोजन की सराहना करते हुये कहा कि यूसर्क का यह शिक्षकों का सम्मान उन्हें और अधिक कार्य करने की प्रेरणा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमको अपने प्रयासों से राज्य के अन्तिम छोर तक के विद्यार्थियों को लाभान्वित करना है तथा राज्य को आगे ले जाना है। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में **शिक्षाविद् डा0 शालिनी जोशी** ने कहा कि हमको तकनीकी के सकारात्मक प्रयोग की तरफ विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है। तकनीकी सत्र में **शिवालिक कॉलेज, देहरादून की शिक्षाविद् श्रीमती नविता**

सिन्हा, ने उत्तराखण्ड राज्य के विद्यार्थियों के लिये आधुनिक शिक्षा के साथ ही परम्परागत शिक्षा पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा यूसर्क द्वारा प्रकाशित पुस्तक **Elementary Spectroscopic Techniques** का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क द्वारा किये जा रहे विशिष्ट कार्यों एवं प्रकाशित पुस्तकों एवं यूसर्क द्वारा स्थापित उद्यमिता विकास केन्द्रों की प्रदर्शनी को अतिथियों द्वारा सराहा गया।

कार्यक्रम में यूसर्क द्वारा निम्न शिक्षकों को तीन श्रेणियों में चतुर्थ विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान 2024–25 से सम्मानित किया गया–

नवाचार

डा0 श्वेता मजगॉई, स0अ0, रा0उ0प्रा0वि0, विजयपुर ब्लॉक– कोटाबाग, नैनीताल

प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा

1) श्रीमती रश्मि उनियाल, स0अ0, रा0उ0मा0वि0 ग्रास्टनगंज, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल
2) श्री राजमोहन सिंह रावत, स0अ0, रा0उ0मा0वि0 पिपाया, कालसी, देहरादून
3) श्री गम्भीर पाल सिंह, स0अ0, रा0इ0का0 रौंतल, चिन्यालीसौड़, उत्तरकाशी
4) श्री राजेन्द्र कुमार गढ़कोटी, प्रवक्ता, रा0इ0का0 बापरू, चम्पावत

पर्यावरण संरक्षण

1) श्री सतेन्द्र सिंह भंडारी स0अ0, रा0प्रा0वि0 कोटतल्ला, रूद्रप्रयाग
2) श्री दिनेश चन्द्र कुकरेती, स0अ0, पी0एम0 श्री रा0इ0का0, द्वारी (पैना), रिखणीखाल, पौड़ी गढ़वाल
3) श्री रमेश चन्द्र सिंह, प्रवक्ता, रा0इ0का0 ढिकुली, नैनीताल
4) श्री मोहन चन्द्र, प्रधानाध्यापक, रा0प्रा0वि0 डुमलोट, कौसानी, बागेश्वर

चतुर्थ बाल–युवा समागम 2024 (दिनांक 11 नवम्बर 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा **दिनांक 11 नवम्बर 2024** को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रूड़की में बाल–युवा समागम 2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुये यूसर्क की **निदेशक प्रो. (डा०) अनीता रावत** ने अपने संबोधन कहा कि यूसर्क का प्रयास है कि विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक अभिरुचि विकसित की जाये और हमारे विद्यार्थी देश और विदेश में विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे नवीन कार्यों से अवगत हों और नवाचार के साथ अपने प्रयोगात्मक कार्यों को आगे बढ़ायें। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा पांच प्रमुख कार्य क्षेत्रों शोध व अनुसंधान, प्रयोगशालाओं का सुदृढीकरण, पर्यावरण व संरक्षण, तकनीकी आधारित विज्ञान शिक्षा, सोसाइटल आउटरीच कार्यक्रम आदि को केन्द्रित करते हुये कार्य किया जा रहा है। प्रोफेसर अनीता रावत ने कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 200 विज्ञान चेतना केन्द्रों की स्थापना, 82 स्टेम प्रयोगशालाओं की स्थापना, टेक्नोलॉजी आधारित विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निशुल्क ई–कनटेंट को उपलब्ध कराना साथ ही साथ समग्र और समन्वित विकास को केन्द्रित करते हुए पूरे प्रदेश में 10 उद्यमिता विकास केंद्रों की स्थापना की गयी। कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि रूड़की के विधायक श्री प्रदीप वत्रा** ने डायट परिसर में यूसर्क स्टेम लैब का उद्घाटन किया तथा विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बाल युवा समागम में लगायी गयी विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा भारत का भविष्य हमारे युवा विद्यार्थी हैं जो रिसर्च के द्वारा देश की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। विद्यार्थियों के मॉडल इन्नोवेशन एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अच्छा कदम हैं। उन्होंने कहा देव भूमि उत्तराखंड से युवा प्रदेश को आगे ले जाएंगे। इस दिशा में यूसर्क ने बहुत सुन्दर कार्य किया है। हमको अपने प्रदेश एवं देश को आगे ले जाना हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आरोग्यम संस्थान के अध्यक्ष श्री संदीप केडिया ने कहा कि विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान की दिशा में यूसर्क ने बहुत प्रशंसनीय कार्य किया है। विज्ञान के मॉडल को हमको कमर्शियल दिशा में भी आगे ले जाने के लिए प्रयास करना है। कार्यक्रम में डायट रूड़की के प्रधानाचार्य श्री कैलाश डंगवाल ने डायट परिसर में यूसर्क स्टेम लैब की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विद्यार्थियों के भविष्य के लिए बहुत आवश्यक बताया। आईआईटी रूड़की के प्रोफेसर राजेश चंद्रा ने अपने संबोधन में देश हर क्षेत्र में बढ़ती हुई मांग की पूर्ति के लिए रिसर्च की आवश्यकता पर विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि आज स्पेस साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजंस को जरूरी बताया।

यूसर्क के बाल युवा समागम में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में 35 से अधिक विद्यालयों ने अपने विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए जिनका अवलोकन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया गया तथा चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनपद हरिद्वार में वर्ष 2023–24 सत्र में इण्टरमीडिएट एवं हाईस्कूल परीक्षा में टॉप 5–5 विद्यार्थियों नकद धनराशि, मेडल एवं प्रमाण पत्र अतिथियों द्वारा प्रदान किए गए। कार्यक्रम में हरिद्वार जनपद के 48 विद्यालयों बाल युवा समागम में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी

में अपने अपने विज्ञान मॉडल प्रदर्शित किए जिनका अवलोकन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया गया जिसका परिणाम निम्न रहा–

विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता के विजेता मॉडल की सूची (ग्रुप)

1. प्रथम स्थान, अक्षत भारद्वाज एवं टीम, आदर्श बाल निकेतन, रूड़की
2. द्वितीय स्थान, अनन्य त्यागी एवं टीम, डी0ए0वी0 स्कूल, जगजीतपुर
3. तृतीय स्थान, आरूष एवं टीम, एन0एस0बी0एम0एच0एस0, रूड़की
4. प्रथम सांत्वना, शिदा फुरकान एवं टीम, पाइनवुड स्कूल
5. द्वितीय सांत्वना, प्रिंस धीमान, रा0इ0का0, रूड़की

विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों की सूची (एकल)

1. कु0 शगुन, आर्या इ0का0, रूड़की (प्रथम स्थान)
2. कु0 माही, रा0उ0मा0वि0, लढ़ौरा (द्वितीय स्थान)
3. अभिनव, रा0इ0का0, रूड़की (तृतीय स्थान)
4. ताबिश चाँद, रा0इ0का0, रूड़की (प्रथम सांत्वना)
5. जैनव रा0इ0का0, रूड़की (द्वितीय सांत्वना)

कार्यक्रम में हरिद्वार जनपद के **50 से अधिक विद्यालयों के 500** से अधिक **छात्र–छात्राओं** एवं शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

चतुर्थ महिला वैज्ञानिक कानक्लेव 2024
(दिनांक 19 दिसम्बर 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा **दिनांक 19 दिसम्बर, 2024** को चतुर्थ महिला वैज्ञानिक कॉनक्लेव–2024 का आयोजन देहरादून स्थित आई.आर.डी.टी. सभागार में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ **यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** ने युवा महिला वैज्ञानिक कॉन्कलेव के आयोजन सम्बन्धी भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुये कहा कि सतत् विकास लक्ष्य 2030 की अवधारणा को महिलाओं की भागीदारी एवं योगदान के बिना धरातल पर उतारना सम्भव नहीं है। इस सोच के तहत् यूसर्क द्वारा विज्ञान शिक्षा के प्रसार के कार्य के साथ ही उत्तराखण्ड के सम्पूर्ण जनपदों में महिला वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों, अध्यापकों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। यूसर्क द्वारा **'शोध से सेवा'** को दृष्टिगत रखते हुये वैज्ञानिक अभिरूचि विकसित करने की दिशा में युवा महिला वैज्ञानिकों को "Young Women Scientist Excellence एवं Young Women Scientist Achievement Award" से सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलायें विज्ञान शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में विभिन्न उपलब्धियां प्राप्त कर रही हैं जो कि आने वाले भविष्य के लिये एक अच्छा संकेत है। इसके साथ ही यूसर्क द्वारा प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा, प्रयोगशालाओं के सुदृढीकरण, शोध एवं अनुसंधान के साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक पहुँच के अन्तर्गत छात्र केन्द्रित अनेक योजनायें संचालित की जा रही है। यूसर्क द्वारा छात्रों में विज्ञान के प्रति अभिरूचि एवं समझ विकसित करने व प्रयोगिक पक्ष को मजबूत करने हेतु प्रदेश भर में **82 STEM** प्रयोगशालाओं की स्थापना, 200 विज्ञान चेतना केन्द्रों की स्थापना की गई है।

कार्यक्रम के **मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल ले. जनरल (से0नि0) गुरूमीत सिंह** ने अपने सम्बोधन में यूसर्क द्वारा प्रदेश भर में विज्ञान शिक्षा एवं नवाचार हेतु किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि भारतीय संस्कृति के विज्ञान, आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के समन्वय से भारत आत्मनिर्भर बनने के साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करेगा। उन्होंने कार्यक्रम में सम्मानित होने वाली महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी मातृशक्ति हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं तथा उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों किये जा रहे विज्ञान शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक विज्ञान, कृषि एवं सम्बद्ध विज्ञान में उत्कृष्ट कार्य संबंधी कार्यों से प्रदेश को अग्रणी बनाने में निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। इस कॉन्क्लेव में महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित करने का यूसर्क द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने राज्य में यूसर्क की शोध, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा सहित वैज्ञानिक गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए युवाओं को इन कार्यक्रमों से लाभान्वित होने का आहवान किया। महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा कार्यक्रम में यूसर्क द्वारा स्थापित उद्यमिता विकास केन्द्रों की विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन किया गया।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि **प्रो0 ओंकार सिंह**, मा0 कुलपति, वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने कहा कि विज्ञान, शिक्षा के साथ–साथ अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों में विभिन्न तकनीकियों का प्रयोग आवश्यक हो गया है। अति विशिष्ट

अतिथि **डा0 मनमोहन सिंह चौहान,** मा0 कुलपति, जी0बी0पंत, कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर ने कहा कि प्रदेश और देश की महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि यूसर्क द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को प्रोत्साहित करने में निरन्तर सराहनीय कार्य कर रहा है। कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में देव भूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालयकी कुलपति **प्रो0 प्रीति कोठियाल** तथा उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष **प्रो0 जे0एम0एस0 राणा** ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों के कुलपति, निदेशक, वैज्ञानिकों सहित विभिन्न विद्यालयों के 350 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कान्क्लेव में मुख्य अतिथि द्वारा **13 युवा महिला वैज्ञानिकों** को सम्मानित किया, इसके साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र विद्यालयों से चयन की गई 03 छात्राओं यथा– पी0एम0 श्री रा0बा0इ0का0, ज्वालापुर हरिद्वार की कु0 श्रेया रौतेला, जनता इण्टर कॉलेज, संगलाकोटी, पौड़ी गढ़वाल की कु0 निहारिका नेगी एवं रा0इ0का0 मदन नेगी, टिहरी गढ़वाल की कु0 दृष्टि चौहान को उनके नवाचारी कार्यों को देखते हुये उन्हें **'विज्ञान चेतना छात्रा सम्मान'** प्रदान किया गया।
कार्यक्रम में 13 महिलाओं को दो श्रेणियों में चतुर्थ **Young Women Scientist Excellence Award ,oa Young Women Scientist Achievement Award** 2024 से सम्मानित किया गया–

Young Women Scientist Excellence Award
डॉ0 प्रतीक्षा जोशी, गोविन्द बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, कोसी कटारमल, अल्मोड़ा
कु0 तनुजा आर्या, डी0एस0बी0 कैम्पस, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
कु0 बहार अंजुम, गोविन्द बल्लभ पंत, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
डॉ0 दीप्ति रावत, अटल उत्कृष्ट विद्यालय रा0इ0का0 सोमेश्वर, अल्मोड़ा

Young Women Scientist Achievement Award
डा0 मीनाक्षी राणा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
डा0 अर्चना ध्यानी, एस0जी0आर0आर0 विश्वविद्यालय, देहरादून
डा0 बीनु सिंह, गोविन्द बल्लभ पंत, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
डा0 निर्जरा संघवी, देवभूमि विश्वविद्यालय, देहरादून
डा0 मनु पंत, ग्राफिक ऐरा डीम्ड विश्वविद्यालय, देहरादून
डा0 श्रद्धा बिष्ट, शिवालिक कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, देहरादून
डा0 नीतू पाण्डेय, सरदार भगवान सिंह, विश्वविद्यालय, देहरादून
डा0 दिव्या सिंह, गोविन्द बल्लभ पंत, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
डा0 पवनिका चन्दोला, भक्त दर्शन राजकीय महाविद्यालय, जयहरीखाल

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा यूसर्क द्वारा प्रकाशित **"Shifting Ecosystems: Plant Diversity and Habitat Changes in the Himalayas"** पुस्तक का विमोचन किया गया।

कॉन्क्लेव -2024

चतुर्थ महिला वैज्ञानिक
कॉन्क्लेव -2024

मुख्य अतिथि

यूसर्क द्वारा विभिन्न संस्थाओं के साथ एम.ओयू.

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश (एम्स) के मध्य एम0ओ0यू0 (दिनांक 09 मई 2024)

यूसर्क देहरादून एवं अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश (एम्स), ऋषिकेश के मध्य उत्तराखण्ड राज्य के छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों को विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ ही वैज्ञानिक अभिवृत्ति के विकास तथा स्वास्थ्य विज्ञान संबंधी शिक्षा एवम शोध को बढ़ावा देने व छात्र छात्राओं को Experiential Learning, (हैण्डस–ऑन–ट्रेनिंग), एक्सपोजर विजिट, फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के साथ ही एम्स जैसे संस्थान में एक्सपोजर प्रदान करने हेतु 'मेमोरेंडम ऑफ अण्डरस्टैंडिंग' पर **दिनांक 09 मई 2024** को एम्स, ऋषिकेश में हस्ताक्षर किये गये। इस समझौते के माध्यम से यूसर्क द्वारा प्रदेश भर के विद्यार्थियों हेतु एम्स में विभिन्न शैक्षिक एवम वैज्ञानिक गतिविधियां संचालित करने में सुगमता होगी शैक्षिणिक एवं शिक्षण, उत्कृष्टता तथा नवीन अनुसंधानों के वैश्विक केन्द्र के रूप में उभरते संस्थानों से प्रदेश के युवाओं को शोध हेतु अवसर प्राप्त होंगे। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश (एम्स) के निदेशक प्रो० मीनू सिंह ने कहा कि एम्स, ऋषिकेश का यूसर्क जैसी वास्तविक जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली संस्था के साथ जुड़ना, जमीनी स्तर पर शोध एवं विज्ञान को प्रयारित करने में सहायक होगा। उक्त समझौते पर उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) की ओर से यूसर्क **निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत** तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश (एम्स) की ओर से **निदेशक प्रो० मीनू सिंह** ने हस्ताक्षर किये। उक्त समझौते के आधार पर दोनों संस्थान मिलकर उत्तराखण्ड जैसे भौगोलिक रूप से विशिष्ट राज्य के छात्र–छात्राओं को विज्ञान शिक्षा तथा वैज्ञानिक अनुसंधानों को स्तरीय बनाने तथा इसके अनुप्रयोगों तथा लाभों को प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने हेतु मिलकर काम करेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संस्था एम्स, ऋषिकेश के साथ यूसर्क के समझौते का लक्ष्य उत्तराखण्ड के छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों को बुनियादी विज्ञान (बेसिक साइंस) के अग्रणी एवं नवीन क्षेत्रों में हो रहे शोधों से परिचित कराना तथा उन्हें लाभान्वित करना है, ताकि उत्तराखण्ड प्रदेश में भी बौद्विक रूप से जीवंत शैक्षणिक वातावरण तैयार किया जा सके।

यूसर्क, डाल्फिन संस्थान एवं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता, देहरादून एवं काशीपुर के मध्य एमओयू (दिनांक 31 जुलाई 2024)

उत्तराखण्ड राज्य के छात्र–छात्राओं एवं अध्यापकों को विज्ञान शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के साथ ही वैज्ञानिक अभिवृत्ति के विकास तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध संस्थाओं में एक्सपोजर प्रदान करने हेतु यूसर्क द्वारा प्रदेश की शिक्षण संस्थाओं को साथ लेकर Tri-Partite MoU (त्रिस्तरीय समझौता) किया गया। यूसर्क, डाल्फिन संस्थान एवं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता, देहरादून एवं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर, ऊधमसिंह नगर के मध्य मेमोरेंडम ऑफ अण्डरस्टैंडिंग' (MoU) किये गये। प्राचार्य (रा.स.म.वि. मालदेवता) डा0 विनोद अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि इस समझौते के तहत छात्रों एवं शिक्षकों को सहयोगात्मक रूप से वैज्ञानिक प्रशिक्षण एवं गतिविधियां संचालित करने में नई दिशा मिलेगी।

यूसर्क एवं देव भूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, देहरादून के मध्य हुआ एम0ओ0यू0 (दिनांक 15 अक्टूबर 2024)

यूसर्क एवं ग्राफिक ऐरा हिल विश्वविद्यालय, देहरादून के मध्य हुआ एम0ओ0यू0 (दिनांक 22 नवम्बर 2024)

दिनांक 22 नवम्बर 2024 को उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) एवं ग्राफिक ऐरा हिल विश्वविद्यालय, देहरादून के मध्य एमओयू किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की **निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत** ने कहा कि यूसर्क द्वारा प्रदेश के सभी 13 जनपदों में 200 विज्ञान चेतना केन्द्रों की स्थापना, 82 स्टेम प्रयोगशालाओं की स्थापना, टेक्नोलॉजी आधारित विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निशुल्क ई–कन्टैंट को उपलब्ध कराना साथ ही साथ समग्र और समन्वित विकास को केन्द्रित करते हुए पूरे प्रदेश में 10 उद्यमिता विकास केंद्रों की स्थापना की गयी है। यूसर्क का प्रयास है कि राज्य के शिक्षण एवं शोध संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों का लाभ राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को भी मिले। इस दिशा में यूसर्क द्वारा पांच प्रमुख कार्य क्षेत्रों शोध व अनुसंधान, प्रयोगशालाओं का सुदृढीकरण, पर्यावरण व संरक्षण, तकनीकी आधारित विज्ञान शिक्षा, सोसाइटल आउटरीच कार्यक्रम आदि को केन्द्रित करते हुये आज ग्राफिक ऐरा हिल विश्वविद्यालय, देहरादून के साथ एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) किया गया है। इस एमओयू के माध्यम से यूसर्क एवं ग्राफिक ऐरा हिल विश्वविद्यालय सहयोगात्मक रूप से विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक अभिरुचि विकसित की जाएगी और हमारे विद्यार्थी नवाचार के साथ अपने प्रयोगात्मक, शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित ग्राफिक ऐरा हिल विश्वविद्यालय, देहरादून के कुलपति प्रो0 संजय जसोला जी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि उनके संस्थान में विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र मे उपलब्ध शिक्षण एवं शोध संसाधन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रहेंगे। यूसर्क की विभिन्न वैज्ञानिक गतिविधियों को उनका संस्थान पूरा सहयोग प्रदान करेगा।

यूसर्क एवं तुलाज संस्थान देहरादून के मध्य हुआ एम.ओ.यू. (दिनांक 13 फरवरी 2025)

प्रदेश भर के विभिन्न छात्र–छात्राओं, अध्यापकों एवं शोधार्थियों हेतु और अधिक सुविधा एवं मंच प्रदान करने तथा भविष्य की विभिन्न योजनाओं के निर्माण हेतु दिनांक 13 फरवरी 2025 को उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) एवं तुलाज संस्थान देहरादून के मध्य एमओयू किया गया। इस अवसर पर यूसर्क की **निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत** ने कहा कि राज्य के शिक्षण एवं शोध संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों का लाभ राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को भी मिले। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और नवाचार के साथ साथ स्टार्टअप और उद्यमिता, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, उत्तराखंड में संस्थानों के बीच वैज्ञानिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक दिशा में काम करने हेतु यूसर्क एवं तुलाज संस्थान के मध्य एमओयू किया गया। यूसर्क एवं तुलाज संस्थान सहयोगात्मक रूप से विज्ञान, शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार संबंधी कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। तुलाज संस्थान के निदेशक डॉ संदीप विजय ने कहा कि यह एम.ओ.यू. यूसर्क के विज्ञान चेतना केन्दों से जुड़े छात्र–छात्राओं को नई दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थान मिलकर प्रदेश के अंतिम छोर से आने वाले छात्र को भी विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के साथ ही उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने हेतु मिलकर काम करेंगे। इस अवसर पर यूसर्क के वैज्ञानिक डॉक्टर ओमप्रकाश नौटियाल एवं तुलाज संस्थान के डॉक्टर सुनील सेमवाल उपस्थित रहे।

यूसर्क द्वारा विज्ञान प्रदर्शनियों का आयोजन

• यूसर्क द्वारा तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन

यूसर्क द्वारा **दिनांक 20 से 22 जून 2024 को Himalayan Cultural Centre, Dehradun esa National Conference on " Living with Nature : Soil, Water and Society in Ecosystem Consevation"** विषय पर तीन दिवसीय कान्फ्रेंस में मृदा, एवं जल संबंधी विभिन्न विषयों पर शोध परिणामों एवं वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से यूसर्क द्वारा अपनी वैज्ञानिक गतिविधियों को प्रदर्शित करने हेतु प्रतिभाग किया गया।

• यूसर्क द्वारा तीन दिवसीय उद्यानिकी तकनीकी प्रदर्शनी का आयोजन

यूसर्क द्वारा **दिनांक 04 से 06 अक्टूबर 2024** को एस0जी0एन0पी0एम0 इण्टर कॉलेज ग्राउंड रेसकोर्स, देहरादून में "3rd Vibrant Uttarakhand" तीन दिवसीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय बागवानी, जैविक, आयुर्वेद, उद्यानिकी तकनीकी प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया गया। इस प्रदर्शनी में राष्ट्रीय स्तर पर बागवानी, जैविक व उद्यानिकी तथा तकनीकी के क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न संस्थाओं तथा सरकारी विभागों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

• यूसर्क द्वारा देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के साथ तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन (01–02 अक्टूबर 2024)

• 5th Dehradun Science & Technology Festival (DISTF -2024) के आयोजन (दिनांक 20–23 नवम्बर 2024)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क), देहरादून द्वारा सोसाईटी फॉर रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट इन साइंस टैक्नोलॉजी एण्ड एग्रीकल्चर संस्था के साथ संयुक्त रूप से 5th Dehradun Science & Technology Festival (DISTF -2024) का आयोजन वीर माधव सिंह भंडारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, सुद्धोवाला, देहरादून में **दिनांक 20 से 23 नवम्बर 2024** तक किया गया, जिसमें विज्ञान से जुड़ी कई तरह की प्रतियोंगिताओं एवं वर्कशाप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **राज्यपाल जनरल गुरमीत सिंह (सेनि)** ने विज्ञान एवं तकनीकी आज के समय की जरूरत है जिसके बिना समाज का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि समय के साथ जो तकनीकी परिवर्तन हो रहा है उसी के साथ हमे ढलना होगा और ये जरूरी है कि स्कूल से ही छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ ही नवाचार और शोध के साथ ही स्किल आधारित शिक्षा पर जोर दिया उन्होंने यूसर्क की सराहना करते हुए कहा कि यूसर्क हमारे छात्र स्कूली जीवन से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समृद्ध हों करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कार्यक्रम में विज्ञान से जुड़ी कई तरह की प्रतियोंगिताओं एवं वर्कशाप का आयोजन किया गया। यूसर्क द्वारा अपनी गतिविधियों के प्रदर्शन हेतु स्टॉल लगायी गयी। कार्यक्रम के आयोजन हेतु विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 500 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

INSTITUTIONAL VISIT

International Biodiversity Day (22 May 2024)

Exposure Visit (Be part of the Plan)

यूसर्क, देहरादून द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर छात्रों हेतु Exposure Visit एवं व्याख्यान का आयोजन **बोटेनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (BSI, भारत सरकार)** में किया गया। कार्यक्रम में यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डॉ) अनीता रावत** ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी संस्कृति का प्रकृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान है। विद्यार्थियों को प्रकृति के संरक्षण हेतु संस्कार विकसित करने तथा प्रौद्योगिकी के माध्यम से राज्य में जैवविधिता के संरक्षण एवं संर्वधन किये जाने की आवश्यकता है। हम सभी को एक्शन बेस्ड बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन की आवश्कता है। सतत विकास की अवधारणा को फलीभूत करने के लिए एक्शन ओरिएंटेड होना पड़ेगा और मनुष्य को प्रकृति के साथ समन्वय बनाना होगा, जिसके लिये सामूहिक साझेदारी अत्यन्त आवश्यक है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता बोटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के **विभागाध्यक्ष डा0 एस0के0 सिंह** ने अपने मुख्य व्याख्यान में विद्यार्थियों में प्रकृति के संरक्षण हेतु समस्त प्रतिभागियों से छोटे–छोटे प्रयासों के द्वारा अपना योगदान देने व जैव विविधता के संरक्षण में सामूहिक भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया। यूसर्क की वैज्ञानिक डा0 मन्जू सुन्दरियाल द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुये जैवविविधता को भविष्य की पीढ़ी हेतु संरक्षित रखने में विद्यार्थियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। यूसर्क के वैज्ञानिक डा0 राजेन्द्र सिंह राणा द्वारा वृक्षों के महत्व को बताते हुये अधिक से अधिक वृक्षारोपण एवं इसके संरक्षण का सुझाव दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों यथा– फूलचंद नारीशिल्प मंदिर कन्या इंटर कालेज, रा0इ0का0 होरावाला, रा0इ0का0 भीमावाला, घनानंद इ0का मसूरी, संजय पब्लिक इंटर कालेज के विद्यार्थियों को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण संसथान एवं भारतीय प्राणी सर्वेक्षण संस्थान में हर्बल गार्डन, हर्बेरियम प्रयोगशाला एवं म्यूजियम में परिचयात्मक भ्रमण करवाया गया तथा जैव विविधता के संरक्षण हेतु कार्य करने की प्रतिज्ञा ली गई।

संगध पौधा केन्द्र (31 दिसंबर, 2024)

यूसर्क द्वारा दिनांक 31 अगस्त 2024 को विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को संगध पौधा केन्द्र (CAP) का Exposure Visit करवायी गयी, जिसमें विद्यार्थियों को उपरोक्त संस्थान में चल रहे विभिन्न वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा प्रयोगिक माध्यम से जानकारियां प्रदान करायी गयी। उक्त कार्यक्रम में यूसर्क के वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिये गये। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं सहित कुल 60 प्रतिभागियों द्वारा किया गया।

निदेशक कार्यविधि

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से राजभवन में भेंट

यूसर्क द्वारा **दिनांक 27 अप्रैल 2024** को यूसर्क की **निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत** द्वारा महामहिम **राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.)** से राजभवन में भेंट की गई। यूसर्क निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत ने यूसर्क द्वारा संचालित विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों से अवगत कराते हुये यूसर्क की वार्षिक गतिविधियों को परिलक्षित करती पत्रिका वार्षिक प्रतिवेदन 2023–24 को महामहिम राज्यपाल महोदय को भेंट की। **राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.)** ने कहा कि यूसर्क प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ ही विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जहां यूसर्क ने प्रदेश में STEM (Science Technology, Engineering, and Mathematics) प्रयोगशालाओं के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है। वहीं STEM Labs को स्थापित कर अग्रणी संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाई है। महा0 राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड के बच्चों में एआई और टेक्नोलॉजी के प्रति विशेष लगाव है और विशेषकर हमारी बेटियां इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। इन छात्रों को हमें और अधिक अवसर देने होंगे। अब यूसर्क को एआई, स्पेस और साइबर जैसे क्षेत्रों में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की लैब प्रदेश में स्थापित करने का कार्य शुरू करना चाहिए जिससे प्रदेश के छात्रों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

यूसर्क द्वारा दिनांक 09 दिसम्बर 2024 को यूसर्क की निदेशक प्रो0 (डा0) अनीता रावत द्वारा महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) से राजभवन में भेंट की गई।

Prof. Kailash Sharma
Chairman, Higher Education Council, Haryana
Former VC Kurukshetra University

Sh. Vineet Joshi
Secretary Department of Higher Education
Ministry of Education Govt. Of India

Smt. Radha Raturi, IAS
Chief Secretary
Uttarakhand Government

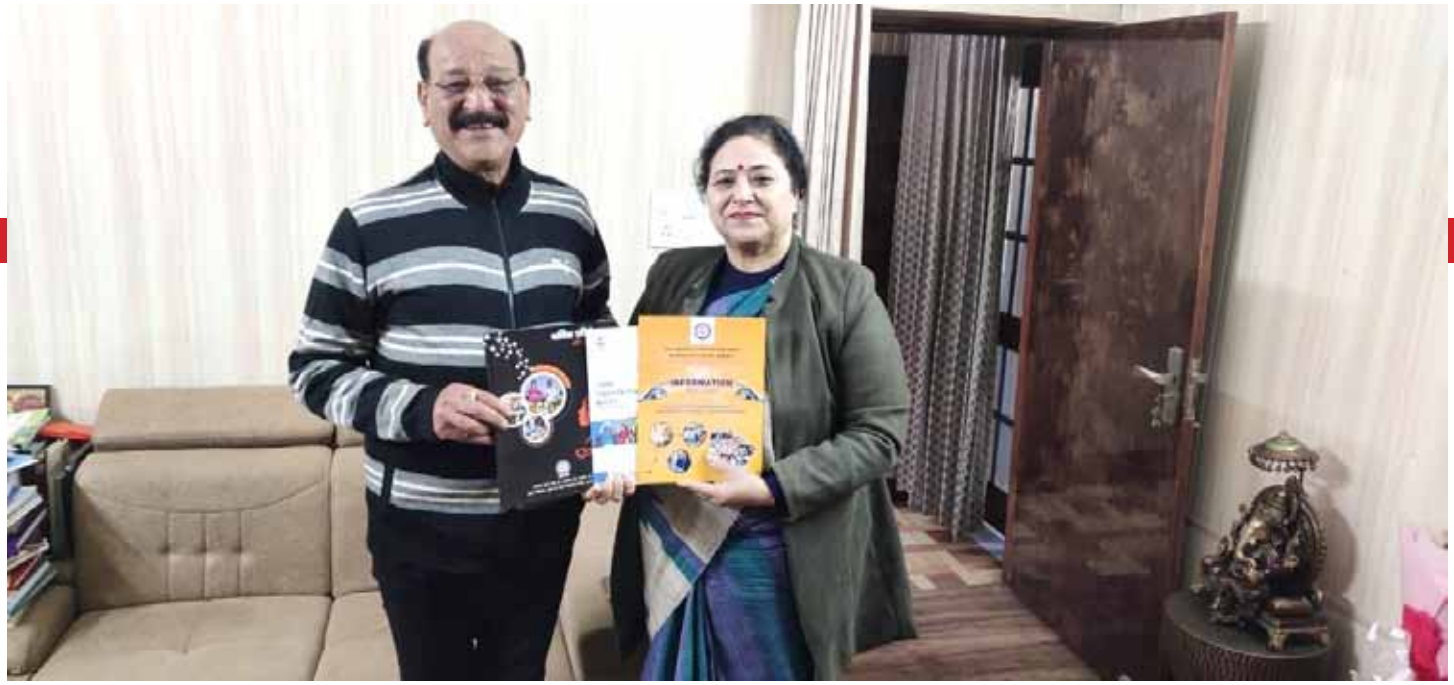

Sh. Subodh Uniyal
Minister of Forest, Technical education
Govt. Of Uttarakhand

Sh. Sanjey Bansal
Founder & President
Dev Bhoomi Uttarakhand University

Prof. Dipaker Banerjee
Director, Aries

प्रकाशन पुस्तकें

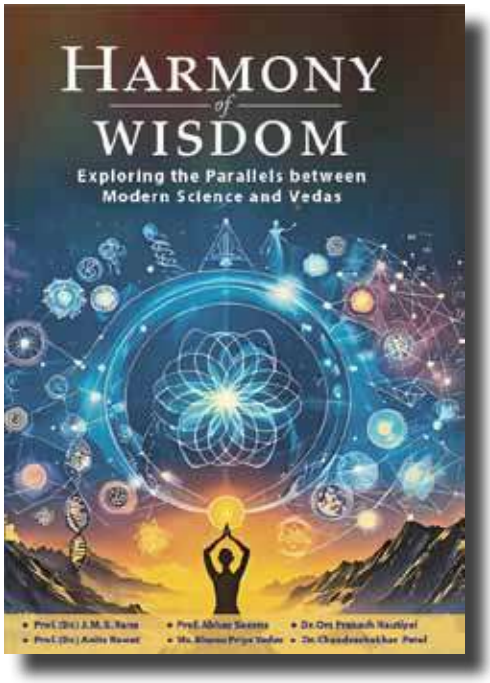

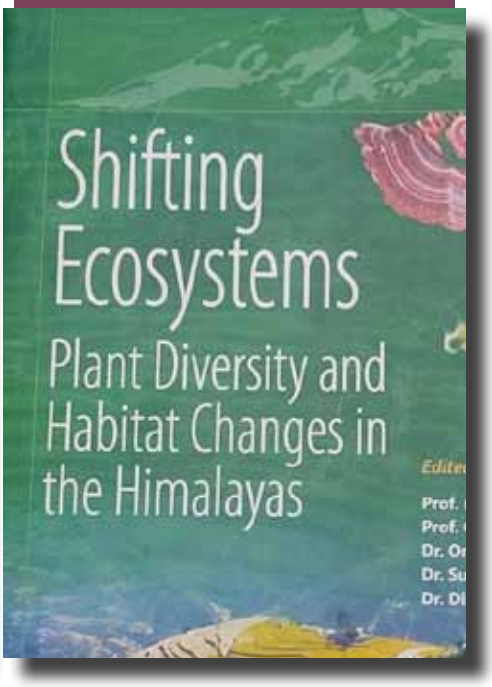

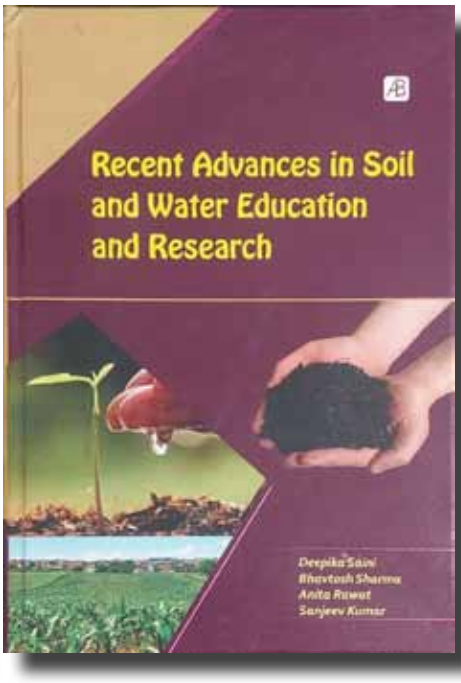

Information Booklets

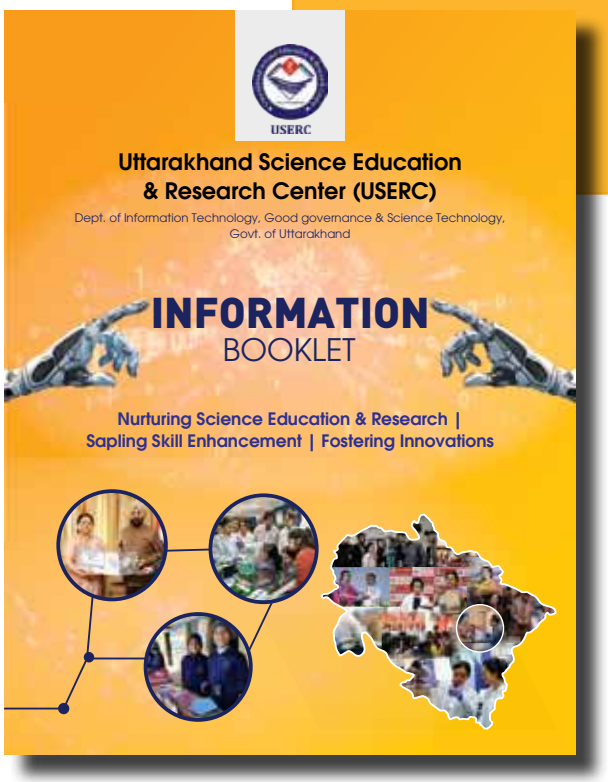

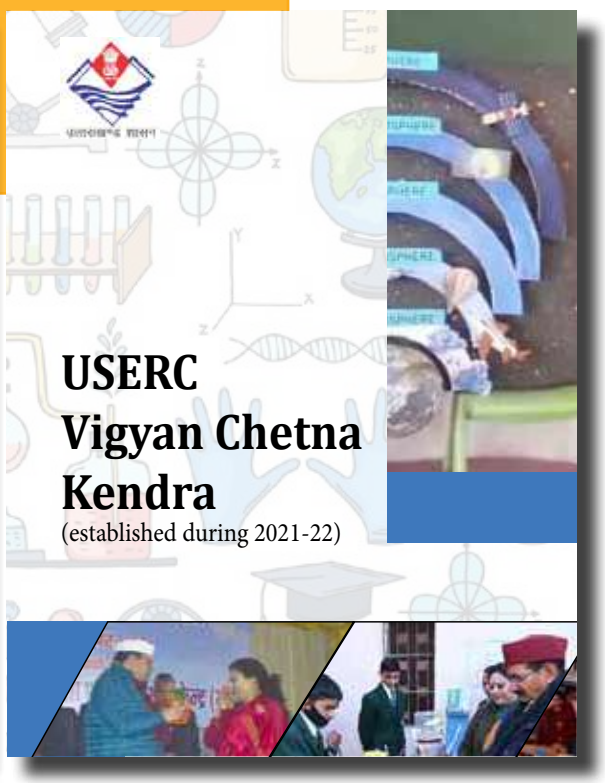

Brochures & Manuals

Uttarakhand Science Education and Research Centre
Department of Information Technology, Good Governance and Science Technology, Govt. of Uttarakhand
Organising
USERC
Certificate course
5 days hands - on Skill Development Training programme on
Fundamentals of Molecular Biology
VENUE
Tagore Training & Research Institute, Dehradun
DATE
20 Jan 2025 - 24 Jan 2025

USERC
Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC) was setup in 2005 by the Department of Science and Technology, Government of Uttarakhand as an autonomous organization. It was created with the mandate to bolster scientific temperament in Uttarakhand. To this end, it has been making intensive, across-the-board efforts to support education and promote career prospects in the realms of Science and Technology. USERC is dedicated to motivating and developing academicians and students through its involvement in teaching and training students for research in science and technology, including computing.
USERC
Hands-on-Training on Agroecology
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
Department of Information Technology, Good Governance and Science Technology, Govt. of Uttarakhand
Jointly with
Doon PG College of Agriculture Science & Technology, Dehradun
Date: 25 Feb to 27 Feb 2025
Venue: Doon PG College of Agriculture Science & Technology, Dehradun
Background
Agroecology is a holistic and integrated approach in fostering transformative change. Being a transdisciplinary field.
it focuses on the interactions between plants, animals, human and the environment, taking the local socio-economic and ecological conditions into considerations . Agroecology promotes inclusive, responsible and sustainable governance of Resource

USERC
Department of Information Technology, Good Governance and Science Technology, Govt. of Uttarakhand
Certificate course
Experiential Learning Programme
5 Days Hands-on Training On
BIOINFORMATICS FOR GENOMIC ANALYSIS
Organised by
Uttarakhand Science Education and Research Centre
In Collaboration with
DEV BHOOMI UTTARAKHAND UNIVERSITY
Date: 25 to 30 November, 2024
Objective
To equip the students with comprehensive understanding and hands- on experience in modern Bioinformatics Techniques
Content
• Biological Datasets
• Genome Sequencing Techniques
• Genome Assembly
• Assembly Validation
• Genome Annotation
• Genome Relatedness
• Phylogenetic Analysis
Course Benefit
• Hands- on experience with modern instruments
• Direct mentorship from industry experts
• Certification that would enhance your professional qualification
Contact Us
Director:
Prof. (Dr.) Anita Rawat
Contact:
Er. Umesh Joshi (7579139791)
Prof. (Dr.) Nabeel Ahmad
Dean- R&I, DBUU (8410201191)
Website : www.userc.in
Facebook: @usercindia
Youtube : USERC Dehradun

Eligibility
The training is intended for Under Graduate and Post Graduate level Science students primarily from Colleges, Universities, Private Academic institutions with in Uttarakhand
Website : www.userc.in
Youtube : USERC Dehradun
Facebook: @usercindia
email : info@userc.in
Course Content
• Mushroom Cultivation
• Beekeeping
• Fish Farming
• Azolla Farming
• Vermicomposting
• Poultry
• Soil Science
• Protective Cultivation
Registration
• The Participants can apply for the programme by submitting their application through the given google link along with completely filled and forwarded form in prescribed format downloaded from USERC Website
• The last date for submitting the participation request on prescribed format is 22/02/2025, 12:00 Noon
• The seats in the programme are limited
Contact
Director: Prof. (Dr.) Anita Rawat
Er. Umesh Joshi (7579139791)
email: info@userc.in

प्राथमिकतायें एवं लक्ष्य (24–25)

- प्रौद्योगिकी के विभिन्न अनुप्रयोगों पर आधारित विज्ञान तथा तकनीकी शिक्षा के अधिक सुदृढ़ीकरण तथा प्रदेश में रोजगार उन्नमुखी कार्यकलापों को प्रोत्साहित करना एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न अनुप्रयोगों द्वारा प्रदेश का सर्वांगीण विकास करना।

- Experiential Learning program के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर देश/प्रदेश में अवस्थित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक अनुसंधान केन्द्रों एवं विश्वविद्यालयों Hands-on trainings के माध्यम से उच्च शिक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं विज्ञान के शिक्षकों में Research based Learning को विकसित करना। उच्चशिक्षा के छात्रों एवं छात्राओं हेतु अद्यतन 62 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन कर 2417 छात्रों को लाभान्वित किया गया, जिसमें 62.72% छात्राओं एवं 37.69% छात्रों ने प्रतिभाग किया।

- यूसर्क द्वारा विद्यार्थियों के मध्य वैज्ञानिक अभिरूचि एवं वैज्ञानिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से प्रदेश के 13 जनपदों के विभिन्न ब्लॉकों में दूरस्थ राजकीय इंटर कॉलेजों में 82 STEM (Science Technology, Engineering, Mathematics) प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है। यह प्रयोगशालायें छात्रों को प्रयोगिक ज्ञान के साथ ही विज्ञान के विभिन्न सिद्वान्तों को समझने में सहायक ओर छात्रों में चिंतन कौशल, सृजनशीलता एवं नवाचार की भावना को विकसित करते हुए छात्रों की भागीदारी प्रदेश के सतत् एवं समग्र विकास में सुनिश्चित कर रही है। भविष्य में न्याय पंचायत स्तर पर STEM लैब स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

- यूसर्क द्वारा प्रौद्योगिकी आधारित विज्ञान शिक्षा का प्रसार कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश भर में कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के छात्र–छात्राओं को भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित एवं अंग्रेजी विषयों में द्विभाषीय **ई–कन्टैंट** को ऑफलाइन/ऑनलाइन के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध कराना। अद्यतन 5400 व्याख्यान रिकॉर्ड किये जा चुके है।

- यूसर्क द्वारा 13 जिलों के 200 राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में **यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र** स्थापित किये गये हैं, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों के समन्वय से पर्यावरण सरंक्षण सम्बन्धी एवं वैज्ञानिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। प्रदेश के समस्त 95 ब्लॉकों में स्थापना एवं संचालन सुनिश्चित करना।

- विभिन्न केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित, संस्थानों के माध्यम से सहयोगात्मक अनुसंधान, नेटर्वक एवं MoU के अन्तर्गत शोध भावनाओं का विकास एवं विद्यार्थियों व शिक्षकों को विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर शोध किये जाने हेतु अवसर प्रदान करना। IISER मोहाली, CSIR-IMTECH चण्डीगढ़ के साथ संयुक्त रूप से विज्ञान एवं शोध सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम निरन्तर आयोजित करना।

- यूसर्क द्वारा **12 उद्यमिता विकास केन्द्रों** यथा– नौगांव, उत्तरकाशी; सतपुली, पौड़ी गढ़वाल; रा0इ0का0 होरावाला देहरादून; सी0आई0एम0एस0, कुंआवाला; रा0इ0का0 मालदेवता देहरादून; रा0इ0का0 मिश्रवाण गांव, टिहरी गढ़वाल, रा0इ0का0 भीमावाला, देहरादून; रा0इ0का0 खदरी खड़कगमाफ, डोईवाला एवं विभिन्न विद्यालयों–एम0आई.ई0टी0, कुमाऊँ, हल्द्वानी, नैनीताल में स्थापना एवं संचालन करना।

- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय नेटवक्र स्थापित कर अग्रणी शोध को बढ़ावा देना व राज्यपरक शोध के विषय की पहचान करना। विभिन्न विज्ञान विषयों में शोधार्थियों/विद्यार्थियों द्वारा internship के माध्यम से शोध करना तथा विज्ञान के विभिन्न विषयों के लिये Centre of Excellence की स्थापना करना जिसके अन्तर्गत In-House Research के साथ प्रदेश के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को शोध एवं Innovation के अवसर प्रदान करना।

- विज्ञान प्रौद्योगिकी के विकास को बढ़ावा दिये जाने तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति में वृद्धि हेतु विज्ञान वर्ग में इण्टरमीडिएट, स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रिसर्च फैलोशिप कार्यक्रम प्रारम्भ करना। विज्ञान विषयों की अन्य शाखाओं के साथ ही अनुप्रयुक्त विज्ञान के अन्तर्गत विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रम, जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी, वैज्ञानिक प्रतियोगिताएं एवं ज्ञान विज्ञान कार्यक्रमों का आयोजन।

- यूसर्क द्वारा राज्य के छात्रों, अध्यापकों एवं महिलाओं हेतु वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के माध्यम से वैज्ञानिक अभिवृत्ति की वृद्धि, कौशल विकास एवं अपने–अपने क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु **'बाल युवा समागम', 'महिला वैज्ञानिक कान्क्लेव'** तथा **'अध्यापक विज्ञान कान्कलेव'** का आयोजन करना एवं विज्ञान के समावेश से समाज में अनुकरणीय कार्य करने वाली महिलाओं को **'विज्ञान प्रयोगधर्मी महिला सम्मान'** से सम्मानित करना।

- राज्य के विभिन्न जनपदों के स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर के युवाओं को **जल शिक्षा कार्यक्रम** के अन्तर्गत जल संरक्षण, जलस्रोत संवर्धन तथा जल स्रोतों की जलगुणवत्ता अध्ययन विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान करना एवं वैज्ञानिक शोध एवं जागरूकता कार्यक्रमो का आयोजन करना।

- राज्य के विकास हेतु एवं राज्य हित में आधारित विषयों पर विभिन्न पुस्तकों, मैनुअल, प्रशिक्षण सामग्री एवं पोस्टरों का प्रकाशन करना। विज्ञान को सरल स्वरूप में आम जनमानस तक पहुंचाने हेतु यूसर्क द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन।

- यूसर्क द्वारा वसंत पंचमी को प्रति वर्ष **खेती बाड़ी दिवस** के रूप में मनाये जाने का निश्चय किया गया है। इसी क्रम में **Agroecology** थीम के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर हैण्डस ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।

- यूसर्क में तकनीकी ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से स्थापित **Digital learning Platform** के अन्तर्गत छात्रों हेतु ICT Orientation Programme एवं Online व्याख्यानों का प्रतिमाह संचालन।

PUBLICATIONS

1. Book entitled 'Elementary Spectroscopic Techniques – The Learner's perspective', edited: Anita Rawat,Om Prakash Nautiyal, Versha Parcha; ISBN: 978-93-6028-867-9(2024)
2. Book entitled 'Shifting Ecosystem: Plant Diversity and Habitat Changes in the Himalayas', edited: Anita Rawat, G.K. Dhingra, O.P. Nautiyal, SK Kuriyal, DS Rawat, ISBN: 978-93-6028-627-9, pp. 171-179 (2024).
3. 'An introduction to the changing scenario of plant diversity in Himalayan habitats in Shifting Ecosystems: Plant Diversity and Habitat Changes in the Himalayas', G.K. Dhingra, Anita Rawat, Om Prakash Nautiyal, Dinesh Singh Rawat, Suniti Kumar Kuriyal, Shalini Rawat, Preeti Khanduri, Published: Bishen Singh Mahendra Pal Singh, Dehradun 1-20, ISBN: 978-93-6028-627-9 (2025)
4. 'Shifting Ecosystems: Plant Diversity and Habitat Changes in the Himalayas', Anita Rawat, G.K. Dhingra, Om Prakash Nautiyal, Suniti Kumar Kuriyal, Dinesh Singh Rawat, Publisher: Uttarakhand Science Education & Research Centre (USERC), Dehradun & Bishen Singh Mahendra Pal Singh, Dehradun (2025).
5. 'Measurement of indoor radioactivity and dose derived from 222Rn, 220Rn and EECs by using SSNTD based technique', Taufiq Ahamad, Om Prakash Nautiyal, Manish Joshi, Prakhar Singh, Rohit Singh Sajwan, Abhay Anand Bourai, Anand Singh Rana, Radiation Protection, Dosimetry 200(11-12): pp. 1011-1017 (July 2024), DOI: 10.1093èrpdèncad321.
6. 'AI-driven solutions for sustainable E-Waste Management: Reducing Environmental Impact on Natural Ecosystems', Nandini Gahlot, Om Prakash Nautiyal, Indian Journal of Forestry 47(1): pp. 33-38 (July 2024), DOI: 10.54207èbsmps1000-2024-KB5B23.
7. 'Automated IOT Based Smart Water Quality Assessment System', Patent Granted: Durgesh Pant, Ashutosh Kumar Bhatt, Om Prakash Nautiyal, Prof. Abhay Saxena (Feb 2024).
8. 'Role of Spectroscopy in Microbiological Techniques in Elementary Spectroscopic Techniques: The Learner's Perspective', Shailja Pant, Versha Parcha, Anita Rawat & Om Prakash Nautiyal, Published: Bishen Singh Mahendra Pal Singh, Dehra Dun.
9. 'Spectral Techniques: An Overview in Elementary Spectroscopic Techniques-The Learner's Perspective', Anita Rawat, Om Prakash Nautiyal, Versha Parcha, Published: Bishen Singh Mahendra Pal Singh, Dehra Dun, ISBN:978-93-6028-867-9 (February 2024).
10. 'Impact of Climate Change on Himalayan Region in Shifting Ecosystem: Plant Diversity and Habitat Changes in the Himalayas', Bhavtosh Sharma, Anita Rawat, Manju Sundriyal, Om Prakash Nautiyal, Rajender Singh Rana, Edited by Anita Rawat, G.K. Dhingra, O.P. Nautiyal et al., ISBN: 9789360286279, pp. 171-179 (2024).
11. 'Pharmaceutical Drug Analysis In Biological And Environmental Matrices By Nano Liquid Chromatography: A Step Toward Lab On Chip', Bhavtosh Sharma, Anita Rawat, Kanchan Deoli Bahukhandi, Manju Sundriyal, Sanjeev Kimothi, J. Mountain Res., Vol. 19(1), pp. 497-504, DOI: https:èèdoi.orgè10.51220èjmr.v19i1.48 (2024).

12. 'Traditional Water Resources and their Management in Uttarakhand in Traditional Knowledge system of Uttarakhand', Manju Sundriyal, Bhavtosh Sharma, and Anita Rawat, Eds. Manju Rani and Manisha Uniyal, Pacific Books International, New Delhi, ISBN: 978-93-92469-84-8, pp. 254-262 (2024).
13. 'Environmental Technologies for Sustainable Future', Anita Rawat, Om Prakash Nautiyal, Bhavtosh Sharma Published by USERC & Bishen Singh Mahendra Pal Singh, Dehradun (In Press, 2025).
14. 'Chromatographic studies and removal methods of pharmaceutical drug's residues and OCPs in water samples: an approach for environmental sustainability', Bhavtosh Sharma, Anita Rawat, O.P. Nautiyal, Ajay Kumar, Anjali Patil, Edited by Anita Rawat, Bhavtosh Sharma, Om Prakash Nautiyal, Environmental Technologies for Sustainable Future, Published by USERC & Bishen Singh Mahendra Pal Singh, Dehradun (In Press, 2025).
15. 'Ecological Assessment of Asan Conservation Reserve (Wetland) in District Dehradun of Uttarakhand', Saurabh Pandey and Bhavtosh Sharma, Indian Journal of Environmental Protection (Scopus), 44(13): pp. 1183-1191 (2024).
16. 'Ecofeminism– Contribution of Women in Environmental Conservation and Sustainable Development in *Environmental Management Practices*', Manju Sundriyal, Adhyayan Books, New Delhi, pp. 13-21, ISBN 978-81-965020-4-1 (2024).
17. 'Forest Ecosystem Services Utilization by a Semi Urbanized Community: A Case Study from Uttarakhand', Manju Sundriyal, A. Anand, Radhika Sood & Anita Rawat, *Environmental Technologies for Sustainable Development (Submitted 2025).*
18. उत्तराखण्ड राज्य की विज्ञान प्रयोगधर्मी महिलाएं, अनिता रावत, मन्जू सुन्दरियाल (In process 2025).

Audit Report

RAWAT BARTWAL & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

Office : D-245 | Nehru Colony
Dehradun | Uttarakhand
Tel: 0135-4068039
Email: info@rbcindia.net

The Members,
UTTARAKHAND SCIENCE EDUCATION & RESEARCH CENTRE
21,4 E C ROAD, DEHRADUN
Uttarakhand

AUDIT REPORT TO THE MEMBERS OF UTTARAKHAND SCIENCE EDUCATION & RESEARCH CENTRE

We have audited the attached Balance Sheet of **UTTARAKHAND SCIENCE EDUCATION & RESEARCH CENTRE**, as at March 31, 2024 and also the Income and Expenditure Account for the year ended on that date annexed thereto. These financial statements are the responsibility of the management of the **UTTARAKHAND SCIENCE EDUCATION & RESEARCH CENTRE.** Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the management as well as evaluating the overall financial statements presentation. We believe that our audit provides reasonable basis for our opinion.

We report that

1. We have obtained all the information & explanation, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the audit.
2. In our opinion, proper books of account have been kept by the head office and branches of the above-named institution visited by us so far as appears from our examination of the books and proper returns adequate for the purpose of audit have been received from branches not visited by us.
3. The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.
4. The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are prepared in accordance with the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.
5. In our opinion and to the best of our information, and according to the information given to us, the said accounts give a true and fair view:
   (a) In case of Balance Sheet of the state of affairs of the above-named Society as on **31st March 2024**, and
   (b) In the case of the Income & Expenditure Account of the **Deficit** of the Expenditure over Income for the year ended on that date.

For Rawat Bartwal & Co.
Chartered Accountants
FRN-01189C

CA. Shivang Bartwal
ACA, Partner
M.No. 464301
UDIN: 25464301BMNUMS8991

Date: 20-12-2024
Place: Dehradun

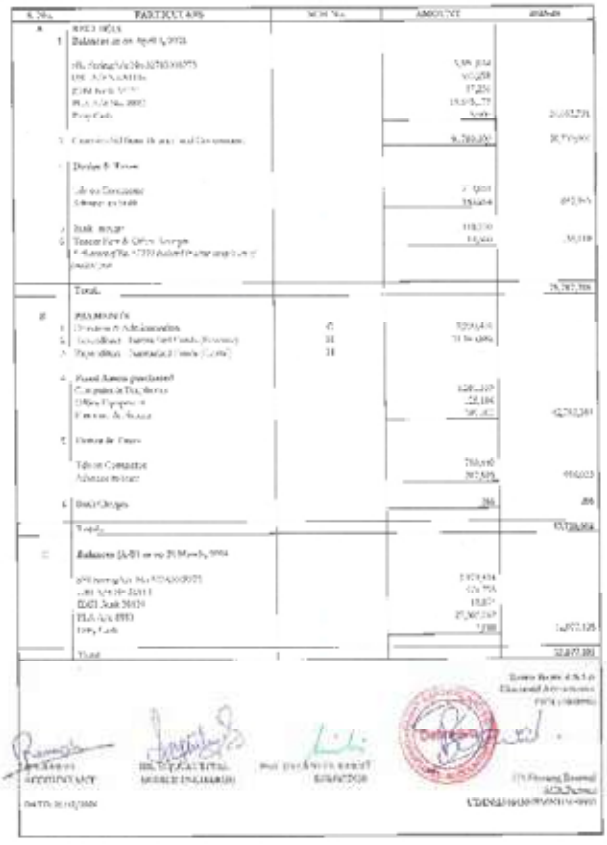

समाचार पत्रों से

स्वतंत्र चेतना

सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

पर्यावरण को बचाने का प्रण लेकर गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएं

अमर उजाला 23.04.2024

USERC hosts expert lecture on plastic on Earth Day

PNS ■ DEHRADUN

The Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC) organised an online expert lecture on the theme of earth and plastic on Monday, marking the observance of Earth Day.

Presiding over the programme, the director USERC Anita Rawat said that India has had a tradition of preserving the five elements of its environment since ancient times and the people here consider the earth as mother ...

... nature and types of plastic, sources of plastic in the environment, problems and solution of plastic and making diesel from plastic.

While conducting the programme, USERC scientist Bhavtosh Sharma said that along with solid waste management, there is a need to make collective efforts with serious thinking on the issues of proper scientific management of plastic ...

eduminofindia • Follow

NEP2020

कॉन्क्लेव - 2024

महिला वैज्ञानिक कॉन्क्लेव में श्रेया रौतेला ने वैज्ञानिक सोच और प्रतिभा से पीएम श्री विद्यालयों का ध्वज लहराया

राज्यपाल को भेंट की यूसर्क की रिपोर्ट

राज्यपाल ने सराहा यूसर्क के कार्यों को

आई, स्पेस व साइबर जैसे क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की लैब बनें'

राज्य के शिक्षक आइआइएसईआर मोहाली में सीखेंगे गणित के सूत्र

आधुनिक प्रयोगशाला से वैज्ञानिक शोध में छात्रों की बढ़ेगी रुचि

छात्रों को शिक्षण और शोध कार्यों के लिए मिलेंगे टिप्स

हिंदुस्तान 2 May 2024

'दूरस्थ क्षेत्र के छात्रों को पहुंचाएं लाभ'

वर्मी कंपोस्ट पर यूसर्क ने दी जानकारी

यूसर्क की ओर से राइंका भीमावाला में वर्मी कंपोस्ट पर वैज्ञानिक कार्यक्रम

हिन्दुस्तान

पर्यावरण की दिशा में काम करने की जरूरत

06/06/2024

परंपरागत जल विज्ञान को समझने की जरूरत: प्रो. अनीता

• यूसर्क ने शुरू की दो दिवसीय वॉटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कार्यशाला

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

देहरादून। उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र की ओर से सोमवार को हरेला सप्ताह का शुभारंभ किया गया। यूसर्क निदेशक प्रो. अनीता रावत ने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए सभी लोग काम करें। यूसर्क की ओर से हरेला सप्ताह के तहत राइंका भीमावाला में कार्यक्रम हुआ। इस दौरान उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन सिंह राणा, वैज्ञानिक ओमप्रकाश नौटियाल, प्रधानाचार्य सुनील अग्रवाल मौजूद थे।

the pioneer

Established 1864

www.dailypioneer.com

DEHRADUN, THURSDAY JUNE 6, 2024

USERC organises expert lecture on la...

PNS/DEHRADUN

Uttarakhand Science Education and Research C... in collaboration with Dev Bhoomi Science Samiti ... ised an expert lecture to mark World Environment ... ture focused on the topic of land restoration, stoppi... tion and building drought resilience, aligning with th... day. Speaking on the occasion, USERC director Anita ... sised the importance of land management and int... resource management by empowering the local com...

अमर उजाला

प्रभावी शोध प्रस्ताव पर कार्यशाला आयोजित

समाचार पत्रों से

स्पष्ट एक्सप्रेस

यूसर्क द्वारा राइका भीमावाला में स्थापित "उद्यमिता विकास केंद्र वर्मी कम्पोस्ट" में वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन

स्पष्ट एक्सप्रेस। देहरादून, 06 मई 2024: उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज भीमावाला में यूसर्क द्वारा स्थापित "वर्मी कम्पोस्टिंग पर आधारित यूसर्क उद्यमिता विकास केन्द्र" के अन्तर्गत एक वृहद वैज्ञानिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राइका भीमावाला के प्रधानाचार्य डा. देवेन्द्र अग्रवाल द्वारा यूसर्क उद्यमिता केन्द्र तथा यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र- राइका भीमावाला के अन्तर्गत संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई व बताया गया कि विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा केन्द्र में महत्वपूर्ण गतिविधियों में सक्रिय प्रतिभाग कर उक्त केन्द्र उनके ज्ञानवर्धन व उनके कौशल विकास में सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

यूसर्क निदेशक प्रो. डा. अनीता रावत ने अपने संदेश में उक्त केन्द्रों के सफल संचालन पर टीम को बधाई दी। यूसर्क के वैज्ञानिक डा. ओम प्रकाश नौटियाल ने विभिन्न वैज्ञानिक अनुप्रयोगों द्वारा विज्ञान के सिद्धान्तों की व्याख्या कर छात्रों को वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान किया। इसके साथ ही डा.नौटियाल ने यूसर्क द्वारा प्रदान किये जा रहे कार्यक्रमों एवं वित्तीय वर्ष 2024 में संचालित की जाने वाली गतिविधियों एवं वैज्ञानिक कार्यक्रमों तथा वर्मी कम्पोस्टिंग उद्यमिता केन्द्र के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ डा. विरेन्द्र सिंह द्वारा वर्मी कम्पोस्टिंग का महत्व एवं इसके बनाने की विधि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की एवं प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया।

यूसर्क के वैज्ञानिक डा. मन्जू सुन्दरियाल ने वर्मी कम्पोस्टिंग के उपयोग को मृदा के उपजाऊ बनाने एवं इसके संरक्षण के लिए उपयोगी बताया। डा. राजेन्द्र सिंह राणा द्वारा विद्यार्थियों को वर्मी कम्पोस्टिंग के कौशल में वृद्धि हेतु आह्वान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रवक्ता एवं यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र के समन्वयक एम आसरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कुल 100 से अधिक विद्यार्थियों एवं अध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

शोध प्रस्ताव तैयार करने के तरीके बताए

देहरादून : उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) ने डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म के अंतर्गत प्रभावी शोध विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। सात दिवसीय कार्यशाला के पहले दिन सोमवार को मुख्य वक्ता के रूप में केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विशेषज्ञ समिति के नामित सदस्य प्रो. रुपेंदर तिवारी ने शोध की गुणवत्ता विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रो. रुपेंदर तिवारी ने शोध प्रस्ताव लिखने, प्रस्ताव के विभिन्न तत्वों, बारीकियों, केंद्र सरकार की विभिन्न वित्तदायी संस्थाओं के विवरण के साथ प्रस्ताव तैयार करने में रखी जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। यूसर्क की निदेशक प्रो. अनीता रावत ने कहा कि यूसर्क राज्य में शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। आने वाले समय में कला, वाणिज्य जैसे विषयों पर भी गुणवत्तापूर्ण शोध प्रस्तावों को तैयार करने को लेकर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। (जासं)

यूसर्क द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नथुवावाला देहरादून में साप्ताहिक इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन

यूसर्क द्वारा साप्ताहिक हैण्ड्स ऑन ट्रैनिंग "Field Based Plant Taxonomy" कार्यक्रम का शुभारंभ

साप्ताहिक प्लांट हैण्डस ऑन टेनिंग का विधिवत शुभारंभ

प्लांट टैक्सोनॉमी पर प्रशिक्षण महत्वपूर्ण प्रयास: डा. भसीन

प्लांट टैक्सोनॉमी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं: डॉ. रावत

यूसर्क ने किया हैंड्स ऑन ट्रेनिंग का आयोजन

अमर उजाला

देहरादून मंगलवार • 06.08.2024

प्रौद्योगिकी के प्रयोग से युवा वैज्ञानिकों को

खेल आयोजनों के लिए सरकार नहीं करती मदद

हिमालय के संरक्षण में विद्यार्थियों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

समाचार पत्रों से

अमर उजाला 04.09.2024
न्यूज डायरी
हिमालय दिवस के उपलक्ष्य में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता में यूसर्क की ओर से पानी को जानो कार्यक्रम में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं
हिन्दुस्तान
पानी को जानो कार्यक्रम का शुभारंभ किया
राष्ट्रीय सहारा
पर्यावरण संरक्षण को मिलकर कार्य करना होगा
नौ शिक्षकों को मिला विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान
यूसर्क द्वारा प्रौद्योगिकी अध्यापक कान्क्लेव कार्यक्रम का आयोजन
उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान 2024-25 से शिक्षकों को किया सम्मानित
यूसर्क ने किया चतुर्थ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अध्यापक कान्क्लेव का आयोजन
IN BRIEF
USERC holds 4th Science & Technology Teachers Conclave
DEHRADUN : Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC) organised a Science and Technology Teachers Conclave here on Saturday. Cabinet minister Prem Chand Aggarwal, in his address, congratulated the teachers selected for the Uttarakhand Science Education Promotion Award in the conclave. In her address, USERC director Anita Rawat said that USERC has been regularly conducting various scientific activities at the grassroots in collaboration with various educational and research institutions across the State, focusing on innovation, creativity and technology based science edu... USERC has also establi...
उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) की ओर से किया गया कॉन्क्लेव का आयोजन
अवार्ड
टीचर्स कॉन्क्लेव में शिक्षकों को किया सम्मानित
Navoday times
नौ शिक्षकों को यूसर्क ने विशिष्ट योगदान के लिए किया सम्मानित
'छात्रों में विकसित करेंगे वैज्ञानिक सोच'
बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करेगी स्टेम लैब
स्टेम लैब विकसित का भारत में महत्वपूर्ण योगदान : बत्रा
रुड़की डायट में सोमवार को बाल युवा समागम में उपस्थित शिक्षक एवं छात्राएं
विज्ञान प्रदर्शनी, 50 बाल विद्यार्थियों ने लिया भाग
विज्ञान-तकनीक के बिना विकास संभव नहीं
महोत्सव

समाचार पत्रों से

डायट में यूसर्क ने की स्टेम लैब की स्थापना, पुस्तकालय का भी हुआ उद्घाटन
कृषि को नवाचार से जोड़ना जरूरी : रावत
एसवीएम नथुवावाला में स्टेम लैब का उद्घाटन
'बायोसाइंस में रोजगार की अपार संभावनाएं'
यूसर्क ने विद्या मंदिर नथुवावाला में बनाई स्टेम लैब
डीआईटी विवि में राष्ट्रीय गणित दिवस आयोजित
डीआईटी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय गणित दिवस आयोजित
फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी
रामानुजम के गणितीय सूत्रों को जाड़त हुए दार्शनिक महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया
सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन
'भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण संरक्षण जरूरी'
विज्ञान क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं का किया गया सम्मान
शिक्षकों को विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान से नवाजा
बायोइन्फॉर्मेटिक्स ट्रेनिंग प्रोग्राम की हुई शुरुआत
ज्यपाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली हिला वैज्ञानिक को किया सम्मानित
अमर उजाला
छात्रों में वैज्ञानिक अभिरुचि होगी विकसित
यूसर्क विज्ञान चेतना केन्द्र में विज्ञान कार्यशाला का हुआ आयोजन

NOTES

NOTES

USERC

USERC QR Code

Contact:

Sh. Nitish Kumar Jha, IAS
Secretary
Department of Information Technology,
Good Governance & Science Technology
Government of uttarakhand

Prof. (Dr.) Anita Rawat
Director
Uttarakhand Science Education &
Research Centre (USERC), Dehradun

Uttarakhand Science Education & Research Center (USERC)
Dept. of Information Technology, Good Governance & Science Technology , Govt. of Uttarakhand
21/4, E.C. Road, Dehradun, Uttarakhand, Pin: 248001

Website: www.userc.in | Email: u.serc@rediffmail.com
Facebook: @usercindia | Youtube: @USERCDEHRADUN
Phone: 0135-2710302